आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

दैनिक

नव प्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर

3 राजधानी — सड़कों का मरम्मत कार्य जल्द किए जाएं...
4 रविवारीय — स्वस्थ आहार योजना का पालन करें...
9 मनोरंजन/खेल — श्रद्धा को अभी काम नहीं करने देगें शक्ति...
11 व्यापार — सरकार ने पूरी कर दी विपक्ष की बड़ी...

www.navpradesh.com

रायपुर, रविवार 14 जून 2020, आषाण कृष्ण पक्ष-नवमीं, विक्रम संवत-2077 वर्ष-09 अंक-124 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

राजनीति जब व्यापार बन ही गई है तो राजनेताओं का बिकना स्वाभाविक है। बस अच्छी कीमत मिलनी चाहिए। पार्टी के प्रति निष्ठा तेल लेने चली जाती है जब नोटों की गड्डियों से ठसा-ठस भरा सुटकेस हाथ में आता है। आखिर नेता तो कोई दूध के धुले नहीं होते। उनके लिए भी प्रदेश और देश से बड़ा उनका विशालकाय पेट होता है। राजस्थान में अगर विधायकों की बोली करोड़ों में लग रही है तो इसमें हैरत वाली कोई बात नहीं है। सही कहा है किसी ने ही - कैसी है विडंबना कैसा ये संयोग, करोड़ों में बिक रहे दो कौड़ी के लोग।

हमारी खबर पर फिर लगी मुहर, 26 साल पुराना मामला सुलझा

नवप्रदेश संवाददाता

कांकेर। विगत 26 वर्षों से लंबित सरंगपाल महानदी पिचिंग निर्माण कार्य के लिए लगातार किसानों ने लंबी लड़ाई लड़ी। किसानों की पीड़ा को दैनिक नवप्रदेश ने एक मुहिम की तरह चलाया। ग्राम पंचायत साल्हेटोला के महानदी त्रिवेणी संगम के किनारे किसानों की खेतों में लगी फसल को महानदी का सैलाब चौपट कर देता था। इस पर दैनिक नवप्रदेश ने 8 व 13 को जून को खबर प्रकाशित की। लगातार किसानों की चौपट होती फसलें और नुकसान को देखते हुए आज कांकेर विधायक शिशुपाल शोरी ने इस पर संज्ञान लेते हुए राज्य शासन को महानदी में पिचिंग निर्माण की प्रक्रिया को पूर्ण कर लिया है। जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू करने की बात भी विधायक श्री शौरी ने कही है। 26 साल पुरानी मांग को पूरा होते देख किसानों के चेहरे खिल उठे और किसानों सहित क्षेत्र के नागरिकों ने विधायक शिशुपाल सोरी का आभार भी जताया। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

- **26 साल पुरानी साल्हेटोला के किसानों की गुहार सुन ली सरकार**
- **मांग के पूर्ण होते ही झुम उठे किसान, प्रभावित किसानों ने विधायक का माना आभार**
- **अब आगामी सत्र में सरंगपाल महानदी में पिचिंग निर्माण कार्य युद्धस्तर पर होगा शुरू**

26 साल से किसानों की गुहार अब तो सुन लो सरकार
किसानों की खेती की जमीन को निगल रहा महानदी का सैलाब
दर्जनों किसानों को सता रहा खेत कटाव का बढ़ता खतरा

किसानों ने विधायक का माना आभार

साल्हेटोला के किसान अरुण देवांगन महेंद्र देवांगन मुकेश देवांगन मुन्ना देवांगन गणेश नागदौने श्रवण श्याम लाल ने कहा की हम किसानों की तकरीबन 26 साल पुरानी पिचिंग निर्माण कार्य की मांग रही है इस मांग के लिए किसानों द्वारा समय समय पर गुहार लगाई गई थी। पिचिंग नही होने से बारिश के दौरान महानदी उफान से किसानों के खेत का कटाव लगातार बढ़ता जा रहा था। वर्तमान विधायक की पहल से हमारी लंम्बे समय की मांग पूरी होने से हम बहुत उत्तसाहित है हम सभी प्रभावित किसान छत्तीसगढ़ सरकार और हमारे लोकप्रिय विधायक शिशुपाल शोरी का आभार व्यक्त किया गया है।

अच्छी खबर

स्तनपान से शिशु को कोरोना का खतरा नहीं : डब्ल्यूएचओ

जिनेवा/नई दिल्ली (वार्ता)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि स्तनपान के जरिये कोरोना संक्रमण का खतरा नहीं है और इसलिए कोविड-19 पीड़ित महिलायें भी शिशु को अपना दूध पिला सकती हैं। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. तेद्रोस गेब्रियेसस ने कोविड-19 पर नियमित प्रेसवार्ता के दौरान शुक्रवार को कहा कोविड-19 से संक्रमित या संक्रमण का संदेह होने पर भी शिशु को अपना दूध पिलाने के लिए माँ को प्रोत्साहित किया जाना चाहिये। जब तक माँ बहुत ज्यादा बीमार नहीं है बच्चे को उससे अलग नहीं किया जाना चाहिये। संगठन में मातृ, शिशु, बाल एवं किशोर स्वास्थ्य के निदेशक डॉ. अंशु बनर्जी ने कहा कि स्तनपान के जरिये कोरोना संक्रमण का अब तक कोई प्रमाण नहीं मिला है।

कोरोना अपडेट

देश	टोटल केस	मौत
भारत	3,17,301	9,101
अमेरिका	2,122,399	116,934
ब्राजील	831,064	41,952
ब्रिटेन	292,950	41,481
इटली	236,305	34,223
फ्रांस	156,287	29,374
स्पेन	290,289	27,136
मैक्सिको	139,196	16,448
बेल्जियम	59,918	9,650
जर्मनी	187,256	8,863
ईरान	184,955	8,730
कनाडा	97,943	8,049
रूस	520,129	6,829
पेरु	220,749	6,308
नीदरलैंड	48,640	6,057
टर्की	175,218	4,778

शेयर बाजार

सेंसेक्स- 33780.89
निफ्टी- 9972.90
गोल्ड- 47355 (10 ग्रा.)
सिल्वर- 47741 (1 कि ग्रा.)

सीएम भूपेश की सौगात, आसान हुई कब्जाधारियों की राह

सरकारी जमीन का आवंटन और व्यवस्थापन सरल

15 वर्ष का भू-भाटक एकमुश्त जमा करने पर विशेष छूट

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। दाऊ सीएम भूपेश बघेल ने नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि पर काबिज लोगों के साथ ही अन्य लोगों को आवासीय अथवा व्यावसायिक भूमि आवंटन प्रक्रिया आसान कर दी है। शासकीय भूमि में काबिज लोगों को जमीन के अन्य प्रयोजन हेतु शासकीय भूमि सहजता से आवंटित हो सके इसके लिए कई अहम फैसले भी लिए हैं। ताकि प्रदेश की जनता जमीन, मकान और व्यवसाय का मालिकाना हक भी रखे।

इसके तहत शासकीय भूमि के आवंटन एवं व्यवस्थापन के संबंध में राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ राजस्व पुस्तक परिपत्र के खण्ड चार-एक एवं खण्ड चार-2 के प्रावधानों में आंशिक संशोधन करते हुए इसे अब और सरल करते हुए कलेक्टर को अधिकार प्रत्यायोजित किए गये है। इससे जिला स्तर पर भूमि आवंटन एवं व्यवस्थापन के मामलों को पूरी पारदर्शिता के साथ सहजता एवं शीघ्रता से निराकृत किया जा सकेगा। भूमि आवंटन की सरलीकृत प्रक्रिया का लाभ कब्जाधारियों सहित अन्य इच्छुक लोगों को मिल सकेगा।

गाईडलाईन के आधार पर किया जाएगा : नगर तथा ग्राम निवेश द्वारा अधिसूचित विकास योजना के अनुरूप ही नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि का आवंटन तथा अतिक्रमित शासकीय भूमि का व्यवस्थापन हो सकेगा। नगरीय निकायों को व्यावसायिक प्रयोजन के लिए भू-खण्ड का आवंटन हेतु प्रब्याजि का निर्धारण प्रचलित गाईड लाइन के 25 प्रतिशत के बराबर मूल्य पर किया जाएगा। शासकीय भूमि का आबंटन किसी व्यक्ति या संस्था को करते समय देय प्रब्याजि का निर्धारण ■ शेष पृष्ठ 8 पर

भूमि के व्यवस्थापन का अधिकार राज्य सरकार को होगा

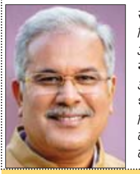

राज्य शासन द्वारा केन्द्र तथा राज्य के विभागों और निगमों, मंडलों एवं आयोगों को शासकीय भूमि के आवंटन का अधिकार कलेक्टरों को दिया गया है। नगरीय क्षेत्रों में 7500 वर्गफीट तक शासकीय भूमि का 30 वर्षीय पट्टे पर आवंटन तथा अतिक्रमित शासकीय भूमि के व्यवस्थापन का अधिकार भी कलेक्टरों को दिया गया है। 7500 वर्गफीट से अधिक शासकीय भूमि के आवंटन तथा अतिक्रमित शासकीय भूमि के व्यवस्थापन का अधिकार राज्य सरकार को होगा।

नीलामी के माध्यम से लगेगी बोली

इसी तरह किसी शासकीय भू-खण्ड के आवंटन हेतु दो या दो से अधिक व्यक्ति अथवा संस्था का आवेदन प्राप्त होने पर प्रचलित गाईडलाईन के दर पर निर्धारित की गई प्रीमियम दर को आफसेट मानते हुए नीलामी के माध्यम से सर्वाधिक बोली लगाने वाले को किया जाएगा। राज्य शासन ने भूमि स्वामी या पट्टेदार को भू-भाटक की अदायगी के मामले में भी विशेष रियायती दी है। भू-भाटक की राशि का 15 वर्ष का एकमुश्त भुगतान करने पर भूमि स्वामी या पट्टेदार को आगामी 15 वर्ष (16वें वर्ष से 30वें वर्ष तक) के भू-भाटक से छूट रहेगी। शासन की इस रियायत से प्रति वर्ष भू-भाटक के भुगतान की कठिनाईयों से भी लोगों को राहत मिलेगी।

नेपाली संसद ने विवादित नक्शे को दी मंजूरी, विपक्षी दलों ने दिया साथ

■ नए नक्शे में लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को नेपाल ने अपने क्षेत्र में दिखाया, 395 किमी भारतीय इलाका शामिल

काठमांडू ए.। नेपाल की संसद में कुछ ही देर में देश के विवादित राजनीतिक नक्शे को लेकर संविधान संशोधन विधेयक पर वोटिंग शुरू होगी। संभावना जताई जा रही है कि संसद में इस विधेयक को आसानी से मंजूरी मिल जाएगी क्योंकि विपक्षी नेपाली कांग्रेस और जनता समाजवादी पार्टी- नेपाल ने संविधान की तीसरी अनुसूची में संशोधन से संबंधित सरकार के विधेयक का समर्थन करने का फैसला किया है।

इस विधेयक के पास होने के बाद नेपाल के आधिकारिक मानचित्र में संशोधन लागू हो जाएगा। नेपाल के 275 सदस्यों वाले निचले सदन में विधेयक को पारित करने के लिये दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है। निचले सदन से पारित होने के बाद विधेयक को नेशनल असेंबली में भेजा जाएगा, जहां उसे एक बार फिर इसी प्रक्रिया से होकर गुजरना होगा। नेशनल असेंबली को विधेयक के प्रावधानों में संशोधन प्रस्ताव लाने के लिये सांसदों को 72 घंटे का वक्त देना होगा।

हमारे संबंध हैं मजबूत : नरवड़े

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवाणे ने कहा कि नेपाल के साथ हमारे बहुत मजबूत संबंध हैं। हमारे पास भौगोलिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक संबंध हैं। हमारे पास बहुत मजबूत पीपुल-टू-पीपुल कनेक्टश्न हैं। उनके साथ हमारा संबंध हमेशा मजबूत रहा है और भविष्य में भी मजबूत रहेगा।

ऐसा गुस्सा.. डेढ़ साल की बच्ची को फांसी लगाने के बाद मां-बाप भी फंदे पर झूले

कोरबा (नव प्रदेश)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में शनिवार को डेढ़ साल की बच्ची सहित पूरा परिवार फंदे से लटकता हुआ मिला है। आशंका जताई जा रही है कि पारिवारिक झगड़े में या तो पति ने पहले महिला और बच्ची की हत्या करने के बाद खुदकुशी की है। पुलिस फिलहाल कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। पोस्टमार्टम के बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा ऐसा जांच अधिकारियों का कहना है। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय दीपका थाना पुलिस के साथ ही आलाधिकारी भी मौके पर पहुंच गए थे। पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

दोपहर तक 22, देर शाम 41 पॉजिटिव की कुल संख्या 63 पहुंची

राजधानी के ब्राम्हणपारा में मिली महिला कोरोना संक्रमित

रायपुर (नव प्रदेश)। एम्स रायपुर ने प्रदेश में 22 नए पॉजिटिव मिलने की जानकारी दी है। दोपहर 2 बजे तक एम्स में हुई जांच में बलौदाबाजार 8, राजनांदगांव 8, रायपुर 3, दुर्ग 2, और धमतरी के एक व्यक्ति के पॉजिटिव होने की जानकारी एम्स ने दी है। देर शाम तक राज्य में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 63 पहुंच गई है। शनिवार को सर्वाधिक मरीज कोरबा में मिले हैं, यहां 12 नये पॉजेटिव केस सामने आये हैं। वहीं बेमेतरा में 10, बिलासपुर में 8, कबीरधाम में 5, बलरामपुर में 3, रायपुर, कोरिया व बलौदाबाजार में 1-1 मरीज की पुष्टि हुई है। इससे पहले एम्स रायपुर की ओर से दी गई जानकारी में 2 बजे तक की लैब रिपोर्ट के मुताबिक बलौदाबाजार और राजनांदगांव से 8-8 नये मरीज मिले हैं, वहीं रायपुर से 3 नये केस सामने आये हैं। वहीं दुर्ग से 2 और धमतरी में एक नये मरीज मिले हैं। राज्य में अब कुल मरीजों की संख्या 1510 हो गयी है, वहीं ■ शेष पृष्ठ 8 पर

छत्तीसगढ़ में 'पेसा' कानून को जमीन पर उतारने की पहल शुरू

रायपुर (नव प्रदेश)। छत्तीसगढ़ में 'पेसा' कानून को लागू करने गंभीर पहल शुरू हो गई है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टीएस सिंहदेव ने आज अपने निवास कार्यालय में सर्व आदिवासी समाज तथा पंचायतीराज सशक्तिकरण व वनाधिकार के लिए काम करने वाले गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों से 'पेसा' को जमीन पर उतारने नियम तैयार करने के संबंध में विचार-विमर्श किया। उन्होंने ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सरकार 'पेसा' को लागू करने प्रतिबद्ध

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने बैठक में कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार 'पेसा' को लागू करने प्रतिबद्ध है। जनजातीय समाज के हितों की रक्षा और वनांचलों के विकास में उनकी सीधी भागीदारी सुनिश्चित करने में 'पेसा' महती भूमिका निभाएगा। इससे न केवल उनकी संस्कृति, परंपरा, रीति-रिवाजों और पारंपरिक ज्ञान को सुरक्षित रखा जा सकेगा, बल्कि उनके कल्याण के लिए जल, जंगल और जमीन के साथ अन्य प्राकृतिक संसाधनों को भी सहेजा जा सकेगा।

गृह मंत्री ने आज बुलाई बैठक, एलजी और मुख्यमंत्री होंगे शामिल

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 की स्थिति पर चर्चा के लिए रविवार को दिल्ली के उप-राज्यपाल अनिल बैजल और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ बैठक करेंगे। यह बैठक दिल्ली में कोरोना वायरस के लगातार बढ़ते मामलों के मद्देनजर बुलाई गई है। दिल्ली में संक्रमण के 36 हजार मामले सामने आ चुके हैं जबकि अब तक इस महामारी से राजधानी में 1200 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

शहडोल : मिट्टी की खदान धंसने से 5 मजदूरों की मौत

■ करीब आधा दर्जन के दबे होने की आशंका, सीएम ने किया मृतक परिवारों को सहायता राशि का ऐलान

शहडोल (नव प्रदेश)। ब्यौहारी थाना क्षेत्र के गांव पपरेड़ी में छुई मिट्टी की खदान धंसने से पांच लोगों की मौत हो गई। खदान से पांच शव निकाले गए हैं जबकि आधा दर्जन से ज्यादा मजदूरों के खदान में दबे होने की आशंका है। मौके पर राहत कार्य जारी है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मृतकों के परिवारो को 2-2 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। इसके साथ दुर्घटना की जांच का भी आश्वासन दिया है।

लाशें छुई खदान के नीचे दबे होने के कारण उन्हें निकालने में परेशानी हो रही थी। इसके लिए जेसीबी मशीन बुलाई गई और फिर लाशों को निकालने का सिलसिला शुरू किया गया। अभी तक 5 लाशें निकाली जा चुकी हैं।

गरमा-गरम

पड़ताल — विशेषज्ञों का मानना है कि आईसीएमआर के सीरो सर्वे में देश की मौजूदा स्थिति रिफ्लैक्ट नहीं होती है

देश के कई हिस्सों में शुरू हो चुका है कोरोना का कम्युनिटी ट्रांसमिशन : विशेषज्ञ

नई दिल्ली। देश में कोरोना अब तेजी से पैर पसार रहा है और रोज 10 हजार से अधिक नए मामले सामने आ रहे हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सीरो सर्वे के मुताबिक देश में अब तक इसका कम्युनिटी ट्रांसमिशन नहीं हुआ है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि आईसीएमआर के सर्वे में देश की मौजूदा स्थिति स्पष्ट नहीं होती है और सरकार सचाई स्वीकार करने में हठ दिखा रही है।

'कम्युनिटी ट्रांसमिशन शुरू, सचाई स्वीकारे सरकार'

इन विशेषज्ञों के कहना है कि देश के कई हिस्सों में कोरोना का कम्युनिटी ट्रांसमिशन हो चुका है। सरकार को यह सचाई स्वीकार करना चाहिए ताकि लोगों को लापरवाह होने से बचाया जा सके। देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या 3 लाख से ऊपर पहुंच चुकी है। भारत दुनिया में कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित देशों की सूची में अमेरिका, ब्राजील और रूस के बाद चौथे स्थान पर है।

आईसीएमआर का सीरो सर्वे

आईसीएमआर के डायरेक्टर जनरल बलराम भार्गव ने गुरुवार को सीरो सर्वे की रिपोर्ट जारी करते हुए कहा था कि भारत अभी कोरोना के कम्युनिटी ट्रांसमिशन चरण में नहीं पहुंचा है। हालांकि, वायरोलॉजी, पब्लिक हेल्थ और मेडिसिन के विशेषज्ञ इससे इत्तेफाक नहीं रखते हैं। देश में कोरोना वायरस के संक्रमण का ट्रेंड जानने के लिए पहली बार सीरो सर्वे कराया गया था। 65 जिलों में 26,400 लोगों के बीच कराए गए सर्वे में केवल 0.73 फीसदी लोगों में ही कोरोना पाया गया। एम्स के डायरेक्टर रहे डॉ. एम सी मिश्रा के मुताबिक इसमें कोई संदेह नहीं है कि देश के कई हिस्सों में कोरोना का कम्युनिटी ट्रांसमिशन हो चुका है।

देश में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच मोदी की अहम बैठक

देश में कोरोना के तेजी से बढ़ते मामलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों के साथ एक बैठक में इस महामारी की स्थिति की समीक्षा की। इस बैठक में कोरोना से निपटने कि लिए किए जा रहे उपायों की भी समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री ने दिल्ली समेत देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में कोरोना की स्थिति की जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि देश में कोरोना के कुल मामलों में से दो-तिहाई पांच राज्यों में हैं। बड़े शहरों में कोरोना तेजी से फैल रहा है। इसके मद्देनजर बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि टेस्टिंग और बेड्स की संख्या बढ़ाई जाए। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं को भी दुरुस्त किया जाए ताकि रोजाना बढ़ रहे मामलों से कारगर ढंग से निपटा जा सके।

दुनिया को हलकान करने वाला कोरोना वायरस फिर चीन में सक्रिय

■ पेइचिंग में कोरोना वायरस के छह नए स्थानीय मामले सामने आए, कई बाजारों बंद

■ राजधानी पेइचिंग में पिछले तीन दिन में संक्रमितों की संख्या बढ़कर अब नौ हो गई है

बीजिंग (ए.)। कोरोना वायरस के गढ़ रह चुके चीन में कोविड-19 फिर से सक्रिय हो गया है। राजधानी पेइचिंग में कोरोना वायरस के छह नए स्थानीय मामले सामने आने के बाद कई बाजारों को बंद कर दिया गया है। इन नए मामलों के साथ ही पेइचिंग में पिछले तीन दिन में संक्रमितों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है जबकि देश के अन्य हिस्सों में संक्रमण के 12 नए मामले सामने आए हैं।

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने शनिवार को बताया कि देश में शुक्रवार को कोरोना वायरस के कुल 18 नए मामलों की पुष्टि हुई जिसमें से पेइचिंग में स्थानीय संक्रमण के 6 मामले शामिल हैं। आयोग ने बताया कि शुक्रवार तक बिना लक्षण वाले 7 नए मरीज सामने आए जिससे पृथक-वास में रह रहे ऐसे मरीजों की कुल संख्या 98 हो गई है। पेइचिंग में अधिकारियों ने शिनफादी बाजार में आयातित सैल्मन मछली को काटने वाले बोर्ड पर कोरोना वायरस पाया।

कोरोना वायरस के फिर से फैलने की चिंताओं को जन्म

शिनफादी बाजार के प्रमुख झांग युक्सी ने पेइचिंग न्यूज को शुक्रवार को बताया कि इसके बाद संपर्क में आए नौ लोगों को पृथक कर दिया गया। हालांकि वे जांच में संक्रमित नहीं पाए गए हैं। बीजिंग में संक्रमण के मामले बढ़ने से अधिकारी चिंतित हो गए हैं क्योंकि शहर में करीब दो महीनों तक कोविड-19 का कोई नया मामला नहीं आया। नए मामलों ने चीन की राजधानी में कोरोना वायरस के फिर से फैलने की चिंताओं को जन्म दे दिया है। शहर के सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के सचिव काई की ने बताया कि स्थानीय अधिकारियों को विषाणु के फिर से फैलने की आशंका से निपटने के लिए 'युद्ध स्तर' पर तैयार रहने को कहा गया है। सरकारी अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' के अनुसार चीन के स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि छिटपुट मामले आना सामान्य है, क्योंकि इस संक्रामक बीमारी का खात्मा नहीं हुआ है। इससे महामारी के फिर से फैलने की आशंका नहीं है क्योंकि दो करोड़ की आबादी वाले इस शहर के निवासी एहतियात बरतने को लेकर काफी जागरूक हैं। पेइचिंग शहर में लगातार दूसरे दिन कोरोना वायरस के नए मामले सामने आने के बाद पहली से तीसरी कक्षा के लिए स्कूलों को फिर से खोलने का फैसला भी शुक्रवार को बदल दिया गया। शुक्रवार तक चीन में कुल संक्रमितों की संख्या 83,075 पर पहुंच गई जिसमें से 74 मरीजों का अब भी इलाज चल रहा है। हालांकि किसी की भी हालत गंभीर नहीं है। एनएचसी ने बताया कि 78,367 लोगों को अस्पताल से छुट्टी दी गई है और 4,634 लोगों की इस बीमारी से मौत हो गई है।

शिनफादी और जिंगशेन सीफूड बाजार तत्काल बंद

शुक्रवार को सामने आए दो मरीज पेइचिंग के फेंगतई जिले में एक मांस अनुसंधान केंद्र के सहकर्मी हैं और उनका एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। लियु उपनाम के एक मरीज ने पांच दिनों के लिए पूर्वी चीन के शांगडोंग प्रांत की यात्रा की थी जबकि दूसरे ने हाल फिलहाल में कोई यात्रा नहीं की। बीजिंग ने फेंगतई जिले में शिनफादी बाजार और जिंगशेन सीफूड बाजार को तत्काल बंद कर दिया जहां संक्रमित मरीज गया था। पेइचिंग में कुल मिलाकर छह थोक बाजारों ने शुक्रवार को अपना कामकाज पूरी तरह या आंशिक रूप से बंद कर दिया है।

निजी लैब में 50 फीसदी सस्ता हुआ कोरोना टेस्ट, अब 2200 रुपये में जांच

मुंबई (ए.)। महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच उद्धव ठाकरे सरकार ने अहम कदम उठाया है। राज्य के प्राइवेट लैब्स में कोरोना जांच की फीस पहले के मुकाबले आधी हो गई है। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने इस बारे में जानकारी दी है। बता दें कि महाराष्ट्र में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 1 लाख के ऊपर पहुंच गया है। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने शनिवार को कहा कि सरकार ने निजी लैब में कोविड-19 की जांच की कीमत 4,500 रुपये से घटाकर 2,200 रुपये कर दी है। टोपे ने कहा कि जांच की कम कीमतों से लोगों को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा, 'अस्पतालों से वायरल ट्रांसपोर्ट मीडिया (वीटीएम) के जरिए मुंह की लार के नमूने इकठ्ठा करने के लिए 2,200 रुपये लिए जाएंगे जबकि घर से मुंह की लार के नमूने लेने के लिए 2,800 रुपये लिए जाएंगे। इससे पहले इसके लिए 4,500 और 5,200 रुपये लिए जाते थे।' टोपे ने बताया कि निजी लैब अधिकतम इतना ही शुल्क ले सकते हैं। जिलाधिकारी कीमतों को और कम कराने के लिए निजी लैब से बातचीत कर सकते हैं।

-महाराष्ट्र में निजी लैब में कोरोना टेस्ट की फीस कम हुई

-अब 4500 रुपये की जगह 2200 रुपये में ही टेस्ट

कोरोना पॉजिटिव हुए विधायक कुणाल चौधरी, कांग्रेस के लिए झटका

भोपाल। मध्य प्रदेश में शाजापुर के कालापीपल से विधायक कुणाल चौधरी कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। उन्हें भोपाल के एक अस्पताल में भर्ती किए जाने की खबर है। इससे कांग्रेस पार्टी के कई विधायक सशंकित हैं जो हाल के दिनों में चौधरी के संपर्क में आए थे। इसके अलावा, 19 जून को प्रदेश में राज्यसभा चुनावों के लिए होने वाली वोटिंग के लिहाज से भी यह कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है।

आईईडी साजिश फेल, आतंकियों का सफाया...

कश्मीर में नापाक मंसूबे फेल होने से बौखलाया पाकिस्तान

नई दिल्ली (ए.)। आईईडीसाजिश फेल, आतंकियों का सफाया...कश्मीर में नापाक मंसूबे फेल होने से बौखलाया पाकिस्तानपड़ोसी मुल्क पाकिस्तान कोरोना काल के इस वक्त में भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। कश्मीर घाटी में सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देते रहने के नापाक मंसूबों में लगातार कोशिशों के बावजूद मिल रही असफलता के बाद पाकिस्तान बौखला गया है। बीते दिनों में घाटी में आईईडी साजिश को लगातार फेल किया गया। इसके साथ ही आतंकवादियों के सफाए का काम भी मिशन मोड में जारी है। कहीं सफलता ना मिलती देखकर पाकिस्तान लगातार संघर्षविराम का उल्लंघन कर रहा है।

सिलेंडर में आईईडी , बम निरोधक दस्ता मौके पर

बांदीपोरा-श्रीनगर रोड पर सुरक्षाबलों को एक छोटे सिलेंडर में संदिग्ध आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) मिला। इलाके में सभी तरह के ट्रैफिक मूवमेंट को रोक दिया गया। बम निरोधक दस्ते के जरिए संदिग्ध आईईडी को नष्ट किया जा रहा है।

सिलिंडर में फिट था टाइमर

भारतीय सेना के चिनार कॉर्प्स के मुताबिक एरिन नदी पर बने पुल के पास यह सिलिंडर रखा हुआ था। उसमें टाइमर भी लगा हुआ था। रोड ओपनिंग पार्टी (आरओपी) के जवानों को यह सिलिंडर मिला था।

मिल रहा विस्फोटकों का जखीरा, आईईडी

जून के पहले हफ्ते में अनंतनाग से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ था। अनंतनाग के नानिल में एक आतंकी के घर छापा मारकर 24 किलोग्राम अवैध विस्फोटक बरामद किया गया था। इसके दो दिन बाद ही मेन हाइवे के किनारे पहाड़ी पर सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के इरादे से रखे गए रॉकेट को निष्क्रिय कर दिया गया था।

मिशन मोड में जारी है आतंकवादियों का सफाया

आतंक का गढ़ बन चुके दक्षिणी कश्मीर में आतंकवादियों के सफाए का काम बड़े पैमाने पर जारी है। शोपियां, अनंतनाग, कुलगाम में पिछले दिनों बड़ी संख्या में आतंकवादियों को ढेर किया गया। शनिवार को निपोरा में 2 आतंकी ढेर किए गए। जबकि शोपियां में टेरर ऑपरेशंस में सेना ने दो टॉप कमांडर्स समेत एक दर्जन से अधिक आतंकियों को मार गिराया।

निष्क्रिय किया था मोर्टार

पिछले हफ्ते भारतीय सेना ने उरी सेक्टर में ऐसे ही एक मोर्टार शेल को निष्क्रिय कर दिया था। यह मोर्टार पाकिस्तान की तरफसे दागा गया था। इसके साथ ही बारामूला में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई थी। बारामूला-हंदवाड़ा हाइवे पर सड़क किनारे एक बागीचे में संदिग्ध विस्फोटक सामग्री मिली।

पिछले महीने ढेर हुए थे टॉप मोस्ट आतंकी

पिछले महीने कश्मीर के मोस्ट वॉन्टेड आतंकवादी और हिज्बुल मुजाहिदीन के टॉप कमांडर रियाज नायकू को पुलवामा जिले के बेगपोरा में सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में मार गिराया था। आतंकी रियाज नायकू कैटिगरी का आतंकी था। इसके कुछ दिनों के बाद सुरक्षाबलों ने श्रीनगर के नवाकदल में हुए एनकाउंटर में जुनैद सेहरई को ढेर किया था, जो कि हिज्बुल मुजाहिदीन का टॉप कमांडर होने के साथ ही अलगाववादी संगठन हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन मोहम्मद अशरफसेहरई का बेटा भी था।

सीजफायर का उल्लंघन कर पाकिस्तान कर रहा है गोलीबारी

इसके साथ सीमापार से पाक लगातार फायरिंग कर रहा है। पुंछ, राजौरी, उरी सेक्टरों में अग्रिम चौकियों तथा सीमा से लगे गांवों को निशाना बनाया जा रहा है। पाकिस्तान की सेना बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की और मोर्टार दागकर संघर्षविराम का उल्लंघन कर रही है। एलओसी पर तनाव की स्थितियों को देखते हुए यहां पर हाई अलर्ट घोषित किया गया है।

बौखलाहट में की हिंदू सरपंच की हत्या

बौखलाहट में आतंकवादियों ने 8 जून को अनंतनाग जिले के लारकीपुरा इलाके के सरपंच अजय पंडिता की हत्या कर दी। पिता की मृत्यु के बाद बेटी शीन ने कहा था कि ना तो उनके पिता किसी से डरे, ना ही वह किसी से डरती हैं। अजय पंडिता की बेटी ने जोर देकर कहा है कि हम कश्मीर वापस जरूर जाएंगे। उन्होंने बताया कि सुरक्षा मांगने के बावजूद सरकार ने जिम्मेदारी नहीं निभाई।

अस्पताल से गायब हो रहा कोरोना मृतकों का सामान

नई दिल्ली(ए.)। अस्पताल में कोरोना संक्रमण से जान गंवाने वालों का सामान गायब होने के मामले सामने आ रहे हैं। अपनों को खोने के गम से दुखी परिजन उस व्यक्ति से जुड़े सामान से भी दूर हो रहे हैं। ऐसी कई शिकायतें मिलने के बाद लोकनायक अस्पताल प्रशासन की ओर से वार्ड में तैनात नर्सिंग अधिकारी को इस संबंध में जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कई लोगों ने की शिकायत

अस्पताल सूत्रों ने बताया कि कोरोना संक्रमण के चलते जान गंवाने वाले कई मरीजों के परिजन उनका सामान लेने पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें मृतक परिजन का सामान नहीं मिल रहा है। परिजनों को खोने के दर्द और कोरोना के डर के चलते कई लोग बिना सामान लिए वापस लौट रहे हैं। लेकिन अनेक लोग ऐसे हैं, जिन्होंने अस्पताल प्रशासन को सामान गायब होने की शिकायत दी है। लगातार वार्ड से सामान न मिलने पर अस्पताल प्रशासन ने गंभीर रूख अपनाया है।

मृतकों के सामान का पैकेट बनेगा

अस्पताल प्रशासन के आदेश के मुताबिक अब जहां-जहां कोरोना संक्रमित मरीजों का उपचार किया जा रहा है। उस वार्ड के नर्सिंग अधिकारी को मरीज की मौत के तुरंत बाद उसका सारा सामान सेनेटाइज कर एक पैकेट बनाना होगा।

पैकेट पर सारी जानकारी होगी

पैकेट पर मरीज का नाम, पता और नंबर भी लिखना होगा। पैकेट बनाने के बाद अस्पताल में मौजूद सुरक्षा अधिकारी को देना होगा। यह सुरक्षा अधिकारी मृतकों के सामान की सुरक्षा करेंगे साथ ही उनका पूरा रिकॉर्ड भी रखेंगे, जिससे अगर किसी के परिजन सामान लेने के लिए आते हैं, तो सुरक्षा अधिकारी उनका सामान उन्हें दे सकें। अगर किसी का सामान रह जाता है तो सुरक्षा अधिकारी उनसे संपर्क करेंगे और उन्हें सामान ले जाने के लिए बोला जाएगा।

नर्सिंग अधिकारी की जिम्मेदारी

अगर इस व्यवस्था के अंतर्गत कोरोना से मरने वाला का सामान गायब हो जाता है जो उसकी जिम्मेदारी वार्ड में मौजूद नर्सिंग अधिकारी की होगी। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद यह व्यवस्था बनाई गई है।

नया खुलासा : फर्जी टीचरों को मिलती थी सिर्फ आधी सैलरी, जानें बाकी पैसा कौन लेता था

मैनपुरी। अनामिका शुक्ला केस में रोज नए-नए खुलासे होते जा रहे हैं। अंबेडकर नगर में अनामिका शुक्ला के नाम पर विज्ञान पढ़ा रही शिक्षिका अनीता ने पुलिस की पूछताछ में नया खुलासा करके आधिकारियों को चौका दिया है। अनीता ने बताया कि उसे सैलरी नगद मिलती थी। 22 हजार प्रतिमाह मानदेय पर उसकी नियुक्ति हुई थी लेकिन उसे 10 हजार रुपये कैश सैलरी के रूप में मिलते थे। उसे सैलरी नौकरी लगवाने वाला राज नाम का शख्स ही देता था। अनीता ने बताया कि बचे मानदेय के लिए उसने राज को कई बार फोन भी किया मगर उसने फोन रिसीव नहीं किया। अनीता के इस खुलासे के बाद आधिकारियों ने बताया कि हो सकता है फर्जी टीचरों की नियुक्ति के बाद राज टीचरों को आधी सैलरी ही देता रहा हो।

फेसबुक कर्मी ने जुकरबर्ग के खिलाफ किया ट्वीट तो नौकरी गई, ट्रंप से भी है इसका एक कनेक्शन

■ कर्मचारी ने ब्लैक लाइव्स मैटर विरोध के लिए अपने सहकर्मी के साथ सहयोग नहीं करने को लेकर ट्वीट किया

■ फेसबुक ने ब्रैंडन डायल को नौकरी से निकाले जाने की पुष्टि की है

सैन फ्रांसिस्को(ए.)। फेसबुक ने अपने कर्मचारी को नौकरी से इस लिए निकाला, क्योंकि उसके कर्मचारी ने ब्लैक लाइव्स मैटर विरोध के लिए अपने सहकर्मी के साथ सहयोग नहीं करने को लेकर ट्वीट किया। फेसबुक कंपनी में इंजीनियर के रूप में काम करने वाले ब्रैंडन डायल ने ट्वीट किया कि फेसबुक द्वारा विकसित एक ओपन सोर्स वेबसाइट पर ब्लैक लाइव्स मैटर के बैनर से सहकर्मी को जुड़ने के अपील के चलते उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। डायल ट्वीट में लिखा, 'मैंने ट्विटर पर अपने साथियों को ब्लैक लाइव्स मैटर के सपोर्ट में खड़े होने के लिए कहा था। मैंने जो कहा है उस पर अब भी कायम हूं। उन्होंने मुझे सफाई देने का मौका भी नहीं दिया।' फेसबुक ने ब्रैंडन डायल को नौकरी से निकाले जाने की पुष्टि की है। हालांकि, कंपनी ने इस संबंध में ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया।

इसका ट्रंप कनेक्शन भी जान लीजिए

अमेरिका में हुए दंगों को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेसबुक पर एक विवादास्पद पोस्ट डाला था। इस पर फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने ट्रंप का बचाव करते हुए इस पोस्ट पर कार्रवाई करने से इनकार कर दिया था। जुकरबर्ग के इस फैसले का उनके कई कर्मचारियों ने विरोध किया था।

हिंद महासागर में तेजी से पैर पसार रही चीनी नौसेना, भारत को लद्दाख से भी बड़ा खतरा

पेइचिंग। भारत और चीन के बीच लद्दाख सीमा पर तनाव अपने चरम पर है। दोनों ही देशों के हजारों सैनिक आमने-सामने हैं। भारत और चीन के वार्ताकारों के बीच वार्ता से इसमें थोड़ा नरमी जरूर आई है लेकिन विवाद का जल्द हल होता नहीं दिख रहा है। इस बीच विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि चीनी ड्रैगन बहुत तेजी से हिंद महासागर में अपने पैर पसार रहा है और आने वाले समय में भारत को लद्दाख से भी बड़े खतरे का सामना करना पड़ सकता है। थिंक टैंक ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक लद्दाख में नियंत्रण रेखा ही भारत के लिए चिंता का सबब नहीं है। चीन हिंद महासागर में बहुत तेजी से अपने पैर पसार रहा है। इस साल मई महीने में ली गई सैटलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि अफ्रीका के जिबूती स्थित चीनी नेवल बेस को आधुनिक बनाया गया है। पहले लॉजिस्टिक सपोर्ट के बनाए इस ठिकाने को अब नेवल बेस में तब्दील कर दिया गया है। इस अड्डे पर चीन का विमानवाहक पोत भी खड़ा हो सकता है।

ग्वादर पोर्ट पर नेवल बेस बनाने की भी खबरें

चीन मालदीव में भी एक कृत्रिम द्वीप को विकसित करने में लगा हुआ है। कई लोगों का दावा है कि चीन हिंद महासागर में भारत के प्रभाव को कम करने के लिए इस द्वीप को विकसित कर रहा है। चीन के पाकिस्तान स्थित ग्वादर पोर्ट पर नेवल बेस बनाने की भी खबरें हैं। चीन बांग्लादेश के कॉक्स बाजार में भी एक नौसैनिक ठिकाना विकसित करने में मदद कर रहा है।

सीमा पर आंखें दिखा रहे नेपाल को भारत ने दिए इतने 'सैनिक'

भारत के खिलाफलगातार आग उगल रहा नेपाल, अपने नक्शे में भारतीय इलाकों को दिखलाया

इसके बावजूद आईएमए की पासिंग आउट परेड में 3 नेपाली सैनिकों की ट्रेनिंग भी हुई पूरी, मिली डिग्री

■ चीन के प्रभाव में आकर भारत से दुश्मनी मोल ले रहा है नेपाल

नई दिल्ली। नेपाल वो पड़ोसी है जिसका भारत ने हमेशा छोटे भाई की तरह ध्यान रखा है। इधर पिछले कुछ दिनों से वह चीन के प्रभाव में आकर भारत के खिलाफ मोर्चा खोलकर बैठा है। पहले अपने नए नक्शे में भारत के कई इलाकों को अपने सीमा में शामिल कर लिया। उसके बाद बिहार से लगे बॉर्डर पर अचानक वहां की सशस्त्र पुलिस ने गोलियां बरसा दीं। हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और दो घायल हैं। इन सारे घटनाक्रम के बावजूद, भारत मित्रता निभा रहा है। शनिवार को देहरादून में इंडियन मिलिट्री अकैडमी की पासिंग आउट परेड थी। कुल 423 कैडेट्स में से तीन कैडेट्स नेपाल से भी थे।

चीन, नेपाल, अफगानिस्तान के कैडेट्स को मिली ट्रेनिंग

आईएमए में मित्र देशों के कैडेट्स को भी ट्रेनिंग दी जाती है। ट्रेनिंग में कुल 333 भारतीय और नौ देशों के 90 कैडेट्स पास हुए हैं। इस बार विदेशियों में सबसे ज्यादा 48 मिलिट्री ऑफिसर अफगानिस्तान के थे। तजाकिस्तान के 18 कैडेट्स को भी ट्रेनिंग दी गई। इसके अलावा चीन के भी कई कैडेट्स शामिल रहे। इसके अलावा भूटान, मालदीव, श्रीलंका के कैडेट्स को भी ट्रेनिंग दी जाती है। भारतीय सेना में नेपाली नागरिकों को मौका भी दिया जाता है। पासिंग आउट सेरेमनी के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ जब वर्दी पर रैंक का बैज लगाने के लिए कैडेट्स के लिए कैडेट्स के माता-पिता मौजूद नहीं रहे।

नए नक्शे से चुनौती दे चुका है नेपाल

नेपाल ने पिछले महीने अपना नया नक्शा जारी किया था। इस नए नक्शे में लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को नेपाल ने अपने क्षेत्र में दिखाया है। प्रधानमंत्री के. पी. ओली के नेतृत्व वाली नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी ने इस संविधान संशोधन विधेयक को नेपाल की संसद में पेश किया। प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस और मधेसी-आधारित पार्टियों की तरफ से इसे समर्थन भी मिला। भारत ने 28 मई को कहा था कि वह नेपाल के साथ पारस्परिक सम्मान के आधार पर और सीमा के मुद्दे को हल करने के लिए विश्वास के माहौल में मुद्दे को सुलझाना चाहता है।

धमकी तक दे चुका है नेपाल

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 8 मई को उत्तराखंड में लिपुलेख दें को चीन में कैलाश मानसरोवर मार्ग से जोड़ने वाली एक नई सड़क का उद्घाटन किया था। नेपाल ने इसका विरोध किया था और क्षेत्र में सुरक्षा चौकी लगाने की धमकी दी थी। कुछ दिन बाद नेपाल ने नया नक्शा जारी किया। यही नहीं, उसने भारतीय सीमा से लगी एक रोड पर 12 साल बाद काम शुरू करा दिया है। यह रोड उत्तराखंड के धारचूला कस्बे से होकर गुजरती है। करीब 130 किलोमीटर लंबी धारचूला-टिनकर रोड का 50 किलोमीटर का हिस्सा उत्तराखंड से लगा हुआ है।

बॉर्डर पर चली गोलियां, एक की मौत

भारत और नेपाल के बॉर्डर पर शांति रहती है। दोनों देशों के बीच आवाजाही के लिए किसी वीजा की जरूरत भी नहीं होती। मगर अब नेपाल के तेवर बदल रहे हैं। शुक्रवार को भारत-नेपाल सीमा पर सीतामढ़ी जिले के सोनबरसा थाना क्षेत्र में नेपाल की बॉर्डर फोर्स ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इसमें एक भारतीय की मौत हो गई जबकि दो घायल हो गए। सशस्त्र सीमा बल के डीजी राजेश चंद्रा के मुताबिक, एक स्थानीय विवाद के चलते नेपाल की फोर्स ने फायरिंग की।

■ न्यूज गैलरी

शहर में बढ़ा कुत्तों का आतंक, चार दिनों में नौ हुए शिकार

रायपुर। शहर में इन दिनों कुत्तों के आतंक से रहवासी दहशत में है। बता दे कि शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड में कुत्तों ने 12 साल के बच्चे को बुरी तरह से काटकर जख्मी कर दिया। बच्चे की चीख सुनकर आसपास के लोगों ने कुत्तों के झुंड को किसी तरह भगाया और बच्चे की जान बचाई। क्षेत्र में आवारा कुत्ते इन दिनों खूंखार हो चुके है। पिछले चार दिनों में 9 लोगों को काट चुके हैं। किसी भी आने-जाने वाले को जब अकेला पाकर झुंड में हमला कर देते हैं। अब तो यहां के कुत्ते इस कदर बेखौफ हो चुके हैं कि वे दिन में लोगों को शिकार बना रहे है। वहीं परिजन अपने बच्चों को घरों से निकलने नहीं दे रहे हैं। इसी तरह सिविल लाइन, राजेन्द्र नगर, अवंति विहार, ?जलविहार कालोनी,पुरानी बस्ती, लाखे नगर में लोग कुत्तों के भय से देर रात गुजरने में डर रहे है।

लघुशंका के नाम पर पुलिस की गिरफ्त से आरोपी फरार

रायपुर। शहर के पुलिस थाना में जवानों को चकमा देकर चोरी का आरोपी भाग खड़ा हुआ। मामला खम्हारडीह थाना का है। बता दे कि 15 अप्रैल को कचना रेलवे फाटक के पास केशरवानी ब्रदर्स की दुकान में लाखों रूपए के सामान की चोरी के संदेही को पुलिस ने गुरुवार की रात को पकड़ा था। संदेही 19 वर्षीय आरोपित अभय मिर्चे शुक्रवार की सुबह लघुशंका जाने का बहाना बनाकर भाग निकला। बिहारी लाल गुप्ता ने दुकान से 1,39,000 के सामान की चोरी होने की शिकायत की थी। अभय मिर्चे के खिलाफ धारा 380, 457 के तहत केस दर्ज किया गया था। उसमें धारा 224 और जोड़ी गई है। फिलहाल पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

लॉक डाउन, क्वारनटाइन उल्लंघन पर 15 एफआईआर दर्ज

रायपुर। लॉक डाउन, क्वारनटाइन उल्लंघन करने और जानकारी छिपाने पर पुलिस ने पिछले 24 घंटे में 15 अपराध दर्ज किए हैं। बलौदाबाजार में 1, राजनांदगांव में 1 , कबीरधाम 1, बिलासपुर में 2, मुंगेली में 4, रायगढ़ में 3, जांजगीर चाम्पा में 2 और कोरिया में 1 अपराध दर्ज किये गए हैं। पुलिस ने आईपीसी की धारा 188, 269, 270 के तहत अपराध दर्ज किए हैं।

सूने मकान से एलईडी टीवी पार

रायपुर। खमतराई थाना क्षेत्र के चंद्रा स्कूल के पास स्थित एक सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरो ने घर पर रखी एलईडी टीवी चोरी कर ले गये।

सड़कों का मरम्मत कार्य जल्द किए जाएं पूर्ण : सीएम भूपेश

अंबिकापुर-बनारस मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने केन्द्र को प्रस्ताव भेजने के निर्देश

खारून नदी के किनारे कुम्हारी-मरघटा-अमलेश्वर तक सड़क और सौदर्यीकरण के कार्यों को मंजूरी

शासकीय भवनों को पक्के मार्ग से जोड़ने की बनेगी कार्ययोजना : मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

लोक निर्माण के कार्यों में अन्य राज्यों से आने वाले 15 हजार से अधिक प्रवासी श्रमिकों को मिल रहा रोजगार

मुख्यमंत्री ने एडीबी से 1184 किलोमीटर लम्बाई की 30 सड़कों के लिए तैयार की गई 4000 करोड़ रूपए की कार्य योजना को दी सैद्धांतिक सहमति

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य की सड़कों के मरम्मत कार्यों को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं, ताकि बरसात में लोगों को आवागमन में असुविधा न हो। उन्होंने राष्ट्रीय राज मार्ग के अधिकारियों को खराब सड़कों को सुधारने कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के ऐसे सभी शासकीय भवनों जो मुख्यमार्ग से नहीं जुड़े हैं, उन्हें पक्के पहुंच मार्ग से जोड़ा जाए। उन्होंने इसके लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश आज यहां अपने निवास कार्यालय में लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान दिए। बैठक में गृह एवं लोक निर्माण मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू, मुख्य सचिव श्री आर.पी.मंडल, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू और लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्गों की समीक्षा करते हुए अंबिकापुर से बनारस मार्ग और रायगढ़ से धरमजयगढ़ सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। निर्माणाधीन रायपुर-बिलासपुर मार्ग में जहां मरम्मत की आवश्यकता है, उन कार्यों को जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए। कोरबा शहर में रेल लाइनों पर ओव्हर ब्रिज बनाने के लिए योजना बनाने भी कहा। राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे वृक्षारोपण कराने के निर्देश दिए। राजधानी से लगने खारून नदी के किनारे सौदर्यीकरण और जनसुविधा की दृष्टि से 8.80 किलोमीटर सड़क निर्माण किया जाएगा। यह सड़क कुम्हारी-मरघटा-अमलेश्वर तक बनेगी। इसके लिए 70.40 करोड़ रूपए की कार्य योजना बनायी गई है। कार्य योजना में स्टाप डेम और चौपाटी, वृक्षारोपण, रिटेनिंग वाल तथा अन्य सौंदर्यीकरण शामिल किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने इस पर सहमति प्रदान की। एशियन विकास बैंक की सहायता से वर्ष 2020 से 2024 परियोजना अवधि के लिए 1184 किलोमीटर लम्बाई की 30 सड़कों के लिए 4000 करोड़ ऋण लेने की कार्य योजना तैयार की गई है। मुख्यमंत्री ने कार्ययोजना को सैद्धांतिक सहमति दी।

लोक निर्माण मंत्री ताम्रध्वज ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में खाली शासकीय भूमि पर नवीन आवासीय सह व्यावसायिक कम्पलेक्स बनाने के लिए रायपुर के कटोरा तालाब स्थित लोक निर्माण कार्यालय परिसर में 5.43 एकड़ और दुर्ग के कसारीडीह पुराने सिविल लाइन में 16.58 की भूमि चिन्हित कर कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके साथ ही प्रदेश के अन्य जिलों में लगभग 272 करोड़ रूपए लागत की 33 स्थानों पर 52 एकड़ भूमि चिन्हित की गई है। बैठक में राम वन गमन पथ की निर्माण के लिए कार्ययोजना पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में बताया गया कि इस पथ की कुल लम्बाई 2260 किलोमीटर है। इसमें से 748 किलोमीटर राष्ट्रीय राज मार्ग है, जिसमें मरम्मत की जरूरत नहीं है। कार्ययोजना में 78 किलोमीटर राज्य मार्ग और 43 किलोमीटर मुख्य जिला मार्ग एडीबी परियोजना के अंतर्गत बनाया जाएगा। इसी तरह 123 किलोमीटर ग्रामीण मार्ग छत्तीसगढ़ सड़क परियोजना के अंतर्गत और 243 किलोमीटर सड़क प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत और 45 किलोमीटर सड़क वन विभाग द्वारा बनाना प्रस्तावित है।

राज्यपाल ने आम नागरिकों से की रक्तदान करने की अपील

■ स्वस्थ्य एवं सतर्क रहकर करें स्वैच्छिक रक्तदान

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर राज्य के नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि रक्तदान एक पुनीत कार्य है। सभी दानों में रक्तदान को सर्वश्रेष्ठ दान माना जाता है क्योंकि इससे किसी का जीवन बचाया जा सकता है। सिकलसेल एनीमिया, थैलेसिमिया, प्रसव के समय महिलाओं को, किसी दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने पर या बीमार होने पर लोगों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है तो दान किये रक्त से उसकी पूर्ति की जा सकती है। ब्लड बैंकों में रक्त की आवश्यकता की निरंतर पूर्ति करने के लिये पर्याप्त मात्रा में रक्त संग्रह होना जरूरी है। राष्ट्र में निर्मित वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनज़र सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए स्वैच्छिक रक्तदान किया जा सकता है। उन्होंने कहा है कि स्वस्थ्य व्यक्ति सुरक्षा मापदण्डों का पालन करते हुए चिकित्सक की सलाह पर स्वैच्छिक रक्तदान कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के 27 दिवंगत कर्मियों के आश्रितों को प्रदान किए अनुकंपा नियुक्ति पत्र

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनीज में सेवारत रहते हुये दिवगंत कर्मियों के 27 आश्रितों को आज अपने निवास कार्यालय में अनुकम्पा नियुक्ति पत्र प्रदान किये। राज्य शासन की इस सम्वेदनशील पहल से इन परिवारों को काफी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने नवनियुक्त कर्मियों के सुखद जीवन की कामना की और उन्हें परिवार के अन्य आश्रितों की समुचित देखभाल के लिये प्रेरित किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हो रहे तेज विकास की धुरी बिजली है। हर्ष की बात है कि बिजली के मामले में छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्य में शामिल है। यहां कृषि-उद्योग जगत सहित घरेलू उपभोक्ताओं के लिये सहज और सस्ते दर पर बिजली उपलब्ध हो रही है। प्रदेश के इतिहास में पहली बार बिजली उपभोक्ताओं को विभिन्न रियायतें दी गई हैं। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री श्री बघेल के नेतृत्व में कृषि, उद्योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार पावर कंपनी जनहितैषी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता से पूरी कर रही है। इसके अनुपालन में आज वितरित किये गये 27 अनुकम्पा नियुक्ति में 25 नियुक्तियॉ महिलाओं को दी गई। पॉवर कंपनी में नियुक्ति मिलने से दिवगंत कर्मियों के आश्रितों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री बघेल जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि कोरोना संक्रमण काल के दौरान मुख्यमंत्री से मिले इस नियुक्ति पत्र से पूरे परिवार को संबल मिला है। अनुकम्पा नियुक्ति पाने वाले में सर्वश्रीमती मंजू साहू महासमुंद, शीतल कोशले गुढ़ियारी, अंजु धीवर राजेंद्रनगर, रूकमणी सिन्हा सड्डू, संध्या देवांगन तेलीबांधा, मंजू साहू सेलूद पाटन, नलिनी विश्वकर्मा भिलाई और रोहणी साहू खम्हारडीह को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

अपने गुस्सैल रवैये को लेकर छोटे जोगी ने मांगी माफी

■ पिता के जाने के बाद लगातार भावुक ट्वीट कर रहे अमित

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने ट्वीट पर एक और भावुक बयान जारी किया है। अपने गुस्से को लेकर लोगों से उन्होने सावर्जनिक रूप से माफी मांगी है। ट्विट कर कहा कि पापा हमेशा कहते थे,जो अपने क्रोध को पीता है, वहीं दूसरों के दिल में जीता है। देखना जब मैं ईश्वर के पास जाऊँगा तो अपने साथ तुम्हारे क्रोध को भी साथ ले जाऊँगा। मैं आज आपके प्यार और सहयोग के बल पर यह संकल्प लेता हूं कि चाहे कितनी भी विषम परिस्थितियां मेरे जीवन में आये, मैं पापा की तरह क्रोध को कभी अपने ऊपर हावी नहीं होने दूंगा। मुझे, मेरे अंदर के इस अवगुण को सार्वजनिक रूप से स्वीकारने और त्यागने में गर्व है। मैं उन सभी लोगों से ह्दय से हाथ जोड़कर क्षमायाचना करता हूं, जिन्हें मैंने अपने क्रोध से जाने-अनजाने दुखी किया हो।

अब गरीब बच्चे भी अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पढ़ सकेंगे

भूपेश बघेल सरकार ने अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने का लिये फैसला

रायपुर। वे गरीब बच्चे जो कि अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के फीस देने में असहाय होने के कारण अंग्रेजी माध्यम मे शिक्षा नहीं ग्रहण कर पाते थे उन्हें अब छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलकर सुनहरा अवसर प्रदान किया है। प्रदेश प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा है कि हर मां बाप का सपना होता है कि उनके बच्चे भी अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई करे लेकिन अंग्रेजी माध्यम के पढ़ाई महंगा होने के कारण वे अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई करवाने में असमर्थ थे। अब छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के शुरुआत कर दी है जिससे गरीब एवं मध्यम परिवारों के बच्चे भी अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई कर अपने मां बाप के सपने सकार करेंगे। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद भाजपा प्रशासन लगातार 15 वर्षो तक रहा लेकिन उनके द्वारा इस विषय पर थोड़ा भी ध्यान नही दिया गया । पूरा ध्यान भाजपाईयों का कमीशन खोरी में था। जिससे स्पष्ट है कि भाजपा के शासन काल मे मध्यम एवं गरीब परिवार के बच्चों के शिक्षा पर ध्यान ही नही दिया गया।

राज्य में सबसे पहले पीएचई में लागू हुआ नया यूएसओआर रेट निर्माण एवं संधारण कार्यों में आएगी तेजी

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश के परिपालन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने राज्य में सबसे पहले अपना नया यूएसओआर रेट लागू कर दिया है। पीएचयू मंत्री गुरु रूद्रकुमार के मार्गदर्शन में विभागीय अधिकारियों द्वारा नया यूएसओआर रेट सभी बारीकियों को ध्यान में रखकर काफी मशक्कत से तैयार किया गया है। इस नए यूएसओआर रेट से विभागीय निर्माण कार्यों एवं संधारण के कार्यों को कराने में आसानी होगी।

मंत्री गुरू रूद्रकुमार ने नवीन दर को विभागीय कार्यों के लिए बीते एक जून को विधिवत लागू करते हुए इसके लिए विभागीय अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नवीन दर लागू होने से वर्ष 2024 तक राज्य के सभी गांवों के प्रत्येक घर में नल के माध्यम से जल की आपूर्ति के अंतर्गत कराये जाने वाले कार्य सहजता से समय-सीमा में पूर्ण कराए जा सकेंगे। नया यूएसओआर रेट लागू हो जाने से पेयजल संबंधी निर्माण एवं मरम्मत के कार्यों को कराने में आसानी होगी। नया यूएसओआर रेट के कारण अब राज्य शासन के राज्यांश के अतिरिक्त अन्य वित्तीय भार की बचत होगी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने सभी विभागों को कांट्रेक्ट दर को नए सिरे से लागू करने निर्देश दिए हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग प्राथमिकता से नवीन दर को लागू करने के साथ ही इसे विभाग के वेबसाइट में भी ऑनलाईन लांच किया गया है।

झमाझम उत्तरी छत्तीसगढ़ में एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा के आसार

प्रदेश में तेजी से सक्रिय हो रहा मानसून

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आने वाले चौबीस घंटों के दौरान अनेक स्थानों पर झमाझम बारिश के आसार बने गएहैं। वहीं राज्य के एक-दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग से जारी पूर्वानुमान के अनुसार दक्षिण पश्चिम मानसून और आगे बढ़ते हुए आज मध्य महाराष्ट्र के कुछ और भाग, मराठवाड़ा के अधिकांश भाग और विरार, छत्तीसगढ़ के कुछऔरभाग, ओडिशा के शेष हिस्से, पश्चिम बंगाल, झारखंड के अधिकांश भाग और बिहार के कुछ भाग तक पहुंच गया है। इसका उत्तरी सीमा इससमय हरनोई, अहमदनगर, औरंगाबाद, गोंदिया, चांपा और रांची के साथ भागलपुर तक है। पूर्व में बना निम्नदबाव का क्षेत्र अब खत्म हो गयाहै। परंतु इसके साथ ही ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती सिस्टम तैयार हो गया है। यह सिस्टम 7.6 किमी की ऊंचाई तक उत्तरी अंदरुनी ओडिशा और इसके आसपास स्थित है। एक द्रोणिका उत्तर पश्चिम राजस्थान से लेकर उत्तर अंदरुनी ओडिशा तक, उत्तर मध्यप्रदेश, उत्तर छत्तीसगढ़ होते हुए 1.5 किलोमीटर ऊंचाई पर स्थित है। इस मौसमी तंत्र को देखते हुए कल 14 जून को प्रदेश के उत्तरी भाग के अधिकांश स्थान, मध्य भाग के कुछ स्थान तथा दक्षिण भाग के अनेक स्थानों परहल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। उत्तरी छत्तीसगढ़ के एक-दो स्थानों

बिलासपुर संभाग में सक्रिय हुआ मानसून

दक्षिण पश्चिम मानसून इस बार अपने तय समय से तीन दिन पहले ही राज्य में दस्तक दे चुका है। इधर अनुकूल परिस्थितियां मिलने के कारण मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। कल दोपहर रायपुर में दस्तक देने के बाद यह तेजी से आगे बढ़ा और अब बिलासपुर संभाग को कव्हर कर चुका है। मौसम विभाग से जुड़े सूत्रों ने बताया कि दक्षिण पश्चिम मानसून इस वर्ष काफी ज्यादा सक्रिय है। यही वजह है कि राज्य में मानसून ने तीन दिन पहले ही दस्तक दी है। 11 जून गुरूवार को बस्तर में मानसून ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। इसके बाद अनुमान था कि दो-तीन दिन के भीतर मानसून रायपुर पहुंच जाएगा। लेकिन अनुकूल परिस्थितियों के चलते मानसून तेजी से आगे बढ़ते हुए एक ही दिन में रायपुर संभाग में पहुंचकर सक्रिय हो गया था।

जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क बनने से पहले मच गई रार

कांग्रेस और भाजपा में जमीन आवंटन को लेकर जुबानी जंग

■ मंडी की जमीन के प्रयोजन पर भाजपा ने उठाई उंगली, कांग्रेस ने भाजपा के पुराने आवंटन पर किए तीखे प्रश्न

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ मध्यभारत का पहला राज्य होगा जहां सबसे खूबसुरत व आधुनिक जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क बनेगा। इसकी कार्ययोजना को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वंय रूचि लेते हुए जमीन का आवंटन भी कर दिया है। सराफा कारोबार से जुड़ी सारी चीजें एक ही छत के नीचे संचालित होगी। लेकिन इस जमीन आबंटन को लेकर पूर्व मंत्री राजेश मूणत व पूर्व विधायक व मंडी अध्यक्ष देवजी भाई पटेल सवाल खड़ा कर रहे हैं। इस जमीन के प्रयोजन व उपयोगिता पर उन्होने आपत्ति की है। उन्हे आड़े हाथ लेते हुए कांग्रेस प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि मंडी की जमीन जब एक निजी अस्पताल और भाजपा नेता के करीबी रिश्तेदार को कौड़ियों के मोल आबंटित की गई थी तब भाजपा नेता क्यो चुप थे? शुक्ला ने कहा कि जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क एक सुसज्जित सार्वजनिक बाजार बनने जा रहा है जहाँ पर ज्वेलरी और जेम्स व्यवसायियों को दुकाने आबंटित होगी इस व्यवसाय से राज्य के राजस्व में वृद्धि के साथ ही लोगो के रोजगार में वृद्धि होगी। यह व्यक्ति विशेष को लाभ पहुचाने की नहीं बल्कि सार्वजनिक योजना है। कांग्रेस प्रवक्ता ने पूछा कि मंडी की जमीन जब एक निजी अस्पताल और भाजपा नेता के करीबी रिश्तेदार को आबंटित की गई थी तब क्यों नहीं सवाल उठाया था? यह तो व्यक्ति विशेष के निजी लाभ के लिए किया गया आबंटन था। मंडी की बाउंड्रीवाल को खिसका कर जब एक भाजपा नेता के रिश्तेदार को धर्म कांटा लगाने के लिये जमीन का आबंटन किया गया तब क्यो चुप थे? पूर्व मंत्री राजेश मूणत द्वारा सरकारी जमीनों के आबंटन प्रक्रिया पर की गई बयान बाजी पर कहा कि सरकार चली गयी लेकिन भाजपा की गरीब और जन विरोधी चरित्र नही गया। शासकीय जमीन आबंटन का कानून पुराना है कांग्रेस सरकार ने इस कानून को पारदर्शी सरल और सुविधा जनक बनाकर वर्षो से शासकीय जमीन आबंटन के नाम पर चल रहे भ्रष्ट्राचार पर रोक लगाया गया है।

स्वस्थ आहार योजना का पालन करें, विश्राम करें

कहीं भी बाहर से घर आने के बाद, किसी बाहरी वस्तु को हाथ लगाने के बाद, खाना बनाने से पहले, खाने से पहले, खाने के बाद और बाथरूम का उपयोग करने के बाद हाथों को अच्छी तरह साबुन से धोएं। यदि आपके घर में कोई छोटा बच्चा है तब तो यह और भी जरूरी हो जाता है। उसे हाथ लगाने से पहले अपने हाथ अच्छे से जरूर धोएं।

घर में सफाई पर खास ध्यान दें, विशेषकर रसोई तथा शौचालयों पर। पानी को कहीं भी इकट्ठा न होने दें। सिंक, वॉश बेसिन आदि जैसी जगहों पर नियमित रूप से सफाई करें तथा फिनाइल, फ्लोर क्लीनर आदि का उपयोग करती रहें। खाने की किसी भी वस्तु को खुला न छोड़ें। कच्चे और पके हुए खाने को अलग-अलग रखें। खाना पकाने तथा खाने के लिए उपयोग में आने वाले बर्तनों, फ्रिज, ओवन आदि को भी साफ रखें। कभी भी गीले बर्तनों को रैक में नहीं रखें, न ही बिना सूखे डिब्बों आदि के ढक्कन लगाकर रखें।

ताजी सब्जियों-फलों का प्रयोग करें। उपयोग में आने वाले मसाले, अनाजों तथा अन्य सामग्री का भंडारण भी सही तरीके से करें तथा एक्सपायरी डेट वाली वस्तुओं पर तारीख देखने का ध्यान रखें।

मेडिटेशन, योगा या ध्यान का करें प्रयोग

बहुत ज्यादा तेल, मसालों से बने, बैक्ड तथा गरिष्ठ भोजन का उपयोग न करें। खाने को सही तापमान पर पकाएं और ज्यादा पकाकर सब्जियों आदि के पौष्टिक तत्व नष्ट न करें। साथ ही ओवन का प्रयोग करते समय तापमान का खास ध्यान रखें। भोज्य पदार्थों को हमेशा ढंककर रखें और ताजा भोजन खाएं।

खाने में सलाद, दही, दूध, दलिया, हरी सब्जियों, साबुत दाल-अनाज आदि का प्रयोग अवश्य करें। कोशिश करें कि आपकी प्लेट में 'वैरायटी ऑफ फूड' शामिल हो। खाना पकाने तथा पीने के लिए साफ पानी का उपयोग करें। सब्जियों तथा फलों को अच्छी तरह धोकर प्रयोग में लाएं।

खाना पकाने के लिए अनसैचुरेटेड वेजिटेबल ऑइल (जैसे सोयाबीन, सनफ्लॉवर, मक्का या ऑलिव ऑइल) के प्रयोग को प्राथमिकता दें। खाने में शकर तथा नमक दोनों की मात्रा का प्रयोग कम से कम करें। जंकफूड, सॉफ्ट ड्रिंक तथा आर्टिफिशियल शकर से बने ज्यूस आदि का उपयोग न करें। कोशिश करें कि रात का खाना आठ बजे तक हो और यह भोजन हल्का-फुल्का हो।

अपने विश्राम करने या सोने के कमरे को साफ सुथरा, हवादार और खुला-खुला रखें। चादरें, तकियों के गिलाफ तथा पर्दों को बदलती रहें तथा मैट्रेस या गद्दों को भी समय-समय पर धूप दिखाकर झटकारें। मेडिटेशन, योगा या ध्यान का प्रयोग एकाग्रता बढ़ाने तथा तनाव से दूर रहने के लिए करें। कोई भी एक व्यायाम रोज जरूर करें। इसके लिए रोजाना कम से कम आधा घंटा दें और व्यायाम के तरीके बदलते रहें, जैसे कभी एयरोबिक्स करें तो कभी सिर्फ तेज चलें। अगर किसी भी चीज के लिए वक्त नहीं निकाल पा रहे तो दफ्तर या घर की सीढ़ियां चढ़ने और तेज चलने का लक्ष्य रखें। कोशिश करें कि दफ्तर में भी आपको बहुत देर तक एक ही पोजीशन में न बैठा रहना पड़े। 45 की उम्र के बाद अपना रूटीन चेकअप करवाते रहें और यदि डॉक्टर आपको कोई औषधि देता है तो उसे नियमित लें। प्रकृति के करीब रहने का समय जरूर निकालें। बच्चों के साथ खेलें, अपने पालतू जानवर के साथ दौड़ें और परिवार के साथ हल्के-फुल्के मनोरंजन का भी समय निकालें।

मानसिक स्वास्थ्य महत्वपूर्ण

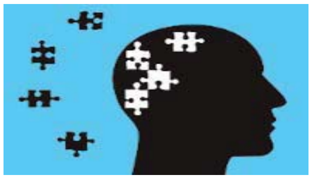

जहाँ किसी व्यक्ति के प्रारंभिक वर्षों से ही उसको शारीरिक रूप से फिट होने पर बहुत महत्व दिया जाता है वहीं कई लोग भावनात्मक और मानसिक रूप से मजबूत रहने की ज़रूरत और महत्व की अनदेखी करते हैं। यह सही समय है जब लोगों को यह समझना चाहिए कि मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखना और उस दिशा में काम करना कितना महत्वपूर्ण है।

स्वस्थ्य जीवन सुंदर जीवन

माता-पिता को अक्सर अपने बच्चों के द्वारा खाए जाने वाले भोजन को और उनके शारीरिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए स्वच्छता के स्तर को बनाए रखने को महत्व देते देखा जा सकता है। कई माताएं अपने बच्चों की खाने की आदतों पर चिंता करती देखी जा सकती है। वे अपने बच्चों को शारीरिक रूप से फिट और ऊर्जावान रखने के लिए अलग-अलग तरीकों का उपयोग करते हुए भोजन करने के लिए मजबूर करते हैं लेकिन हमने शायद ही कभी यह जानने की कोशिश की है बच्चे के मन में क्या चल रहा है। हमें यह समझना चाहिए कि माता-पिता अक्सर अपने बच्चों को काम करने के लिए निर्देश देते हैं लेकिन इस चीज़ का विश्लेषण करने का प्रयास नहीं करते कि उनका बच्चा क्यों काम करने से बच रहा है या इनकार कर रहा है। बच्चों के साथ समय बिताना और उनकी भावनात्मक जरूरतों को पूरा करने की ही तरह उन्हें खिलाना भी महत्वपूर्ण है।

स्वास्थ्य उस स्थिति का नाम है जब एक व्यक्ति अच्छी तरह से शारीरिक और मानसिक रूप से फिट हो, सबसे अच्छे पारस्परिक संबंध हो और आध्यात्मिक रूप से जागृत हो। सेहतमंद जीवन का आनंद लेने के लिए अपने स्वास्थ्य के हर पहलू का अत्यधिक ध्यान रखना चाहिए।

अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने की ओर पहला कदम विभिन्न सूक्ष्म पोषक तत्वों से समृद्ध आहार होना है। आपके आहार में विशेष रूप से ताजे फल और हरी पत्तेदार सब्जियां शामिल होनी चाहिए। इसके अलावा दालें, अंडे और डेयरी उत्पाद भी हैं जो आपके समग्र विकास और अनाज में मदद करती हैं जो पूरे दिन चलने के लिए ऊर्जा प्रदान करते हैं। अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पर्याप्त ऊर्जा प्रदान करने और काम करने के लिए ऊर्जा बनाए रखना आवश्यक है। इसके लिए 8 घंटों के लिए सोना ज़रूरी है। किसी भी मामले में आपको अपनी नींद पर समझौता नहीं करना चाहिए। नींद की कमी आपको सुस्त बना देती है और आपको शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान करती है।

व्यायाम

आपको अपने पसंद के किसी भी शारीरिक व्यायाम में शामिल होने के लिए अपने दैनिक कार्यक्रम से कम से कम आधे घंटे का समय निकालना चाहिए। आप तेज़ चलना, जॉगिंग, तैराकी, साइकिल चलाना, योग या अपनी पसंद कोई भी अन्य व्यायाम का प्रयास कर सकते हैं। यह आपको शारीरिक रूप से फिट रखता है और अपने दिमाग को आराम देने का एक शानदार तरीका भी है।

दिमागी खेल खेलें

जैसा कि आप के लिए शारीरिक व्यायाम में शामिल होना महत्वपूर्ण है आपके लिए दिमागी खेल खेलना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ये आपके संज्ञानात्मक स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

ध्यान लगाना

ध्यान आपके मन को शांत करने और आत्मनिरीक्षण करने का एक शानदार तरीका है। यह आपको एक उच्च स्थिति में ले जाता है और आपके विचारों को और अधिक स्पष्टता देता है।

सकारात्मक लोगों के साथ रहें

सकारात्मक लोगों के साथ रहना आवश्यक है। उन लोगों के साथ रहें जिनके साथ आप स्वस्थ और सार्थक चर्चाओं में शामिल हो सकते हैं तथा जो आपको निराश करने की बजाए आपको बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। यह आपके भावनात्मक और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

रूटीन चेक-अप कराते रहें

वार्षिक स्वास्थ्य जांच कराना एक अच्छा विचार है। सावधानी हमेशा इलाज से बेहतर है। इसलिए यदि आप अपनी वार्षिक रिपोर्ट में किसी भी तरह की कमी या किसी भी तरह के मुद्दे को देखते हैं तो आपको तुरंत मेडिकल सहायता प्राप्त करनी चाहिए और इससे पहले कि यह बढ़े इसे ठीक कर लेना चाहिए। आज के समय में लोग इतने व्यस्त है कि वे अपने स्वास्थ्य की देखभाल करना भूल जाते हैं। यह समझना आवश्यक है कि स्वास्थ्य सबसे पहले है। स्वास्थ्य को अनुकूलित करने और सेहतमंद रहने के लिए उपर्युक्त बिंदुओं का पालन करना चाहिए।

सामाजिक स्वास्थ्य

सामाजिक स्वास्थ्य समाज में अपने दोस्तों, पड़ोसियों, रिश्तेदारों और अन्य लोगों के साथ पारस्परिक संबंधों को संवारने और बनाए रखने की क्षमता रखता है। यह उचित रूप से कार्य करने और विभिन्न सामाजिक परिस्थितियों के अनुकूल होने के लिए किसी व्यक्ति की क्षमता को दर्शाता है।

मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य

इसमें एक व्यक्ति का मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक कल्याण भी शामिल है। हमारा मानसिक स्वास्थ्य मूल रूप से, जिस तरह से हम महसूस करते हैं, अलग-अलग परिस्थितियों में सोचते हैं और स्थिति को नियंत्रित करते हैं, आदि को प्रभावित करता है। मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए शारीरिक स्वास्थ्य को बरकरार रखना महत्वपूर्ण है।

संज्ञानात्मक स्वास्थ्य

जब एक व्यक्ति का मस्तिष्क सभी मानसिक प्रक्रियाओं को कुशलता से निष्पादित करता है तो उसे अच्छे संज्ञानात्मक स्वास्थ्य का आनंद लेना कहा जाता है। प्रक्रियाओं और क्रियाकलापों में नई बातें, अच्छे निर्णय, अपनी बात और मजबूत अंतर्ज्ञान संवाद करने के लिए भाषा का कुशल उपयोग करना शामिल है।

यह न केवल बच्चों के लिए बल्कि हर उम्र के लोगों के लिए अच्छा है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को उतना महत्व देना चाहिए जितना वह अपने शारीरिक स्वास्थ्य को देता है। इस बात की कमी की वजह से अवसाद, उच्च रक्तचाप और तनाव जैसी समस्याएँ जन्म ले रही हैं।

भारत में हेल्थकेयर

भारत के नागरिकों के लिए कोई राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा प्रणाली नहीं है। यही कारण है कि निजी क्षेत्र हमारे देश में मुख्य स्वास्थ्य प्रदाता है। देश में जहाँ-जहाँ पर सरकारी अस्पताल हैं वहां इलाज मुफ़्त किया जाता है और लोगों को मुफ्त दवाइयाँ प्रदान की जाती है पर बहुत से लोग स्वच्छता की कमी के कारण इन अस्पतालों से दूर रहते हैं। इसके अलावा चूंकि ये सेवाएं मुफ्त मुहैया कराई जाती हैं इसलिए यहां लंबी-लंबी लाइन लगती हैं। सरकार को इन सुविधाओं को बनाए रखने के लिए काम करना चाहिए और इन्हीं सुविधाओं की तरह और अधिक अस्पताल स्थापित करने चाहिए ताकि प्रत्येक नागरिक की जरूरतों को पूरा किया जा सके। भारत में आम आदमी को स्वास्थ्य देखभाल के लिए भारी मात्रा में पैसे की आवश्यकता होती है। उनके द्वारा की गई अधिकांश बचत अपने परिवार के स्वास्थ्य की देखभाल करने में खर्च होती है। जो लोग हेल्थकेयर बीमा खरीदते हैं उन्हें भी विभिन्न उपचारों के दौरान पैसे की ज़रूरत होती है क्योंकि इन पॉलिसियों में बहुत कमियां हैं। जीवन में हर कदम पर प्रतिस्पर्धा होती है। प्रत्येक व्यक्ति दूसरे की बराबरी करना चाहता है चाहे वह स्कूल या कॉलेज स्तर पर हो या जीवन में स्वास्थ्य शैली को बनाए रखनी की हो। लोगों को इस तथ्य को पहचानना चाहिए कि स्वास्थ्य पहले है। हम यह सब तभी कर सकते हैं जब हम स्वस्थ होते हैं और जीवन के अन्य पहलुओं पर बेहतर काम करते हैं।

स्वास्थ्य की परिभाषा कैसे विकसित हुई?

स्वास्थ्य एक व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और सामाजिक बेहतरी को संदर्भित करता है। एक व्यक्ति को अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेते हुए तब कहा जाता है जब वह किसी भी शारीरिक बीमारियों, मानसिक तनाव से रहित होता है और अच्छे पारस्परिक संबंधों का मज़ा उठाता है। पिछले कई दशकों में स्वास्थ्य की परिभाषा काफी विकसित हुई है। हालांकि इससे पहले इसे केवल एक व्यक्ति की भौतिक भलाई से जोड़ा जाता था पर अब यह उस स्थिति को संदर्भित करता है जब कोई व्यक्ति अच्छे मानसिक स्वास्थ्य का आनंद ले रहा है, आध्यात्मिक रूप से जागृत है और एक अच्छा सामाजिक जीवन जी रहा है। शुरुआत में स्वास्थ्य का मतलब केवल शरीर को अच्छी तरह से कार्य करने की क्षमता होता था। इसको केवल शारीरिक दिक्कत या बीमारी के कारण परेशानी का सामना करना पड़ता था। 1948 में यह कहा गया था कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने किसी व्यक्ति की संपूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्थिति को स्वास्थ्य में शामिल किया है न कि केवल बीमारी का अभाव। हालांकि यह परिभाषा कुछ लोगों द्वारा स्वीकार कर ली गई थी लेकिन फिर इसकी काफी हद तक आलोचना की गई थी। यह कहा गया था कि स्वास्थ्य की यह परिभाषा बेहद व्यापक थी और इस तरह इसे सही नहीं माना गया। इसे लंबे समय के लिए अव्यवहारिक मानकर खारिज कर दिया गया था। 1980 में स्वास्थ्य की एक नई अवधारणा लाई गई। इसके तहत स्वास्थ्य को एक संसाधन के रूप में माना गया है और यह सिर्फ एक स्थिति नहीं है। आज एक व्यक्ति को तब स्वस्थ माना जाता है जब वह अच्छा शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, आध्यात्मिक और संज्ञानात्मक स्वास्थ्य का आनंद ले रहा है।

स्वास्थ्य को बनाए रखने का महत्व

अच्छा स्वास्थ्य जीवन में विभिन्न कार्यों को पूरा करने के लिए आधार बनता है। यहां बताया गया है कि यह कैसे मदद करता है।

पारिवारिक जीवन: कोई व्यक्ति जो शारीरिक रूप से अयोग्य है वह अपने परिवार की देखभाल नहीं कर सकता है। इसी तरह कोई व्यक्ति मानसिक तनाव का सामना कर रहा है और अपनी भावनाओं को संभालने में अक्षम है तो वह परिवार के साथ अच्छे रिश्तों का निर्माण और उनको बढ़ावा नहीं दे सकता है।

कार्य: यह कहना बिल्कुल सही है कि एक शारीरिक रूप से अयोग्य व्यक्ति ठीक से काम नहीं कर सकता। कुशलतापूर्वक काम करने के लिए अच्छा मानसिक स्वास्थ्य बहुत आवश्यक है। काम पर पकड़ बनाने के लिए अच्छे सामाजिक और संज्ञानात्मक स्वास्थ्य का आनंद लेना चाहिए।

अध्ययन: ख़राब शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी अध्ययन में एक बाधा है। अच्छी तरह से अध्ययन करने के लिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के अलावा अच्छा संज्ञानात्मक स्वास्थ्य बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना अति आवश्यक है। जब आप स्वस्थ होंगे तो आप अपने जीवन के अन्य पहलुओं की भी देखभाल करने में सक्षम होंगे।

स्वास्थ्य को शुरू में एक ऐसी स्थिति के रूप में जाना जाता था जिसमें एक व्यक्ति मानसिक और शारीरिक रूप से फिट था। ख़राब स्वास्थ्य की समस्या तब होती थी जब कोई व्यक्ति बीमार हो जाता या अन्य शारीरिक बीमारियों से पीड़ित हो जाता है। हालांकि समय गुजरने के साथ स्वास्थ्य की परिभाषा में परिवर्तन आया है और अब इसमें एक व्यापक परिप्रेक्ष्य शामिल किया गया है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

चार सू रौशनी रौशनी

चार सू रौशनी रौशनी है। चाँदनी पूनमी सी खिली है। जब भी शायर के दिल से निकलती, होती मक़बूल वो शायरी है। अब्र छाये हैं नीले फ्लक पर, आज तो साँझ भी सुरमई है। खूबसूरत सी गज़लें मुकम्मल, कितनी दिलकश ये महफ़िल सजी है। चंद अशआर कह फिलबदीह में, लग गयी 'हरि' की भी हाज़िरी है।

– हरिवल्लभ शर्मा 'हरि' शर्मा

क्या कहूँ मै किस

क्या कहूँ मै किस वजह मातम रहा खोल दिल हँसता कहाँ आदम रहा हो गये शिथिल काम सारे आपके आज क्यो इन्सान यह बेदम रहा इस धरा पर देश कितने ही बसे इस वतन का रूतवा तो नम रहा दुश्मनी कोई ठान ले चाहें भले पर रवैया तो सदा ही क्षम रहा।

– डॉ. मधु त्रिवेदी

ख़ास पाती | तू खुश्बू का दीवाना हम लोग

तू खुश्बू का दीवाना हम लोग शहरे पतझर के, तुम्हें कुछ नहीं मिलेगा हमसे रफ़ाकत कर के, मैं उस तन की लौ में जिस्म जलाना चाहता हूँ, जिसमें आँखें सेकें हैं दीवाने यार शहर भर के, हमारे ही नहीं तुम किसी के भी नहीं हो सकते, तुम देखते ही नहीं अना की ऊंचाई से उतर के, बारिशें सर पे हैं और इश्क़वालों की ख़बर नहीं, आज न रोको साकी पीने दो हमको जी भर के, इल्तिज़ा मिन्नतें दुआएं सजदे सब बेअसर रहे, हमने देख लिया है उनके कदमों में सर धर के।

– अनिल अनमोल शर्मा

कभी मेरे दिल के बुलाने पे

कभी मेरे दिल के बुलाने पे आजा कभी तो मुहब्बत निभाने पे आजा हैं उल्फ़त के मेले में हम तो अकेले कभी साथ चलने चलाने पे आजातू रूठे तो सजदा करूँ मैं खुदा का खुदा के लिए ही मनाने पे आजा बही क़तरे-क़तरे मुहब्बत हमारी दरिया-ए दिल तू नहाने पे आजा तेरी ख़्वाहिशों में हैं रातें जो रोशन चरागों की हस्ती मिटाने पे आजा कहीं ख़ाक मेरी ये बुझकर न तड़पे दफ़्न हो तो मिट्टी मिलाने पे आजा।

– नीरू श्रीवास्तव

हॉफती हवायें ठिठकी है ठहरी हुई

हॉफती हवायें ठिठकी है ठहरी हुई है, रात काली और बहुत गहरी हुई है ! दूर तलक नही है दरख़्तों की छांह , आस जलती-तपती दोपहरी हुई है ! मौन को थामें रखना आसान नही है , संवेदनाऐं क्यो इतनी बहरी हुई है ! बहुत भोली अनगढ सी हैं तमन्नाएं , अब वह तेज तुर्श और शहरी हुई है ! नाच रहा मन-मगन बन सुफ़्यािना , भावनाएं मुग्ध मोहित लहरी हुई है !!

– राज चुन्नी

इस तरह इश्क़ सर पे तारी है

इस तरह इश्क़ सर पे तारी है। ज़िन्दगी ज़िन्दगी पे भारी है। ज़िन्दगी इक दरख़्त है उस पर। वक़्त जैसे कि क़ोई आरी है। ज़िस्म अपना तो है मगर जां पर। सारी दुनिया की दावेदारी है। झूठ हम बोलते नहीं लेकिन सच बयानी में रिस्क भारी है हमसे वो ही सवाल करते हैं जिनकी हम से जवाबदारी है वो हमारी है जान और वो ही दुश्मन ए जान भी हमारी है।

– राजीव कुमार

ज़िंदगी मुझको तेरा पता चाहिए

ज़िंदगी मुझको तेरा पता चाहिए। चैन से जी सकूं वो हवा चाहिए। आज रूठी हुई क्यों मुझे ही लगे, चांदनी चांद से ना खफा चाहिए। बाद मुद्दत मिली अब लगा ले गले, साथ तेरा मुझे अब सदा चाहिए। मौत आए कभी तो नहीं हो भरम, पैरहन इस बदन पर नया चाहिए। पास आकर कभी देख मेरे जख्म, दे मुझे जो शफ़ा वो दवा चाहिए।

– डॉ दीपा संजय दीप

मेरी आँखों के ये छलकते जाम उनकी

मेरी आँखों के ये छलकते जाम उनकी मधुशाला से कम नहीं पी के मेरी नज़रों के मय के प्याले वो कहीं मदहोश न हो जाये कहीं मिट जाये न फासले उनके ज्यादा करीब आने से बस इसी डर से अपने दिल पर वो दूरियों के दरबान बिठा रक्खे हैं।

– किरण मिश्रा

दिल हो रहा उस पर फिदा

दिल हो रहा उस पर फिदा,जिसे प्यार की कदर नहीं। उसे याद करती हरेक पल , मैं सो सकी पलभर नहीं। मेरे पाँव छलनी हो गए , जब से चली इस राह पर। मेरे जख्मों को कुरेदता,वो बना कभी मरहम नहीं।

– शोभा किरण

QUIZ TIME

1) किस राज्य में 'हेएिबस लैक्रिमा' नामक रोनवाली कीलबैक साँप प्रजाति की खोज की गई है?
(क) नागालैण्ड (ख) केरल (ग) अरूणाचल प्रदेश (घ) हिमाचल प्रदेश

2) सकल घरेलू ज्ञान उत्पाद यानि जीडीकेपी के प्रणेता कौन है?

3) विश्व शासन सम्मेलन 2019 कहाँ आयोजित हुआ? (दोहा / दुबई)

4) निम्नलिखित में से किस जगह पर श्री नारायण गुरू आध्यात्मिक तीर्थ सार्किट का उद्घाटन किया गया?
(क) अट्टापैदी गाँव (ख) तीर्थला गाँव (ग) नीलाम्बर गाँव (घ) वर्कला

5) व्यक्ति का नाम बताइए जिन्होंने रीडिफ़कॉम की स्थापना 1996 में की?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) अरूणाचल प्रदेश (2) अनिल गुप्ता (3) दुबई (4) वर्कला (5) अजीत बालकृष्णन

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1634 - रूस और पोलैंड के बीच पोलियानोव शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए। 1658 - ड्यून्स की लड़ाई में ब्रिटिश और फ्रांसीसी सेनाओं ने स्पेन को हराया। 1775 - अमेरिकी सेना की स्थापना हुई। 1777 - अमेरिकी कांग्रेस ने बैठक के दौरान अपना झंडा चुना। 1880 - वैज्ञानिक सतीश चंद्र दासगुप्ता का जन्म। 1900 - हवाई क्षेत्र अमेरिका का हिस्सा बना। 1901 - पहली बार गोल्फ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। 1905 - प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकार हीराभाई बारोडकर का जन्म। 1907 - नॉर्वे में महिलाओं को मतदान का अधिकार मिला। 1909 - केरल के महान नेता ई एम एस नंबूदरीपाद का जन्म हुआ। 1917 - इंग्लैंड पर जर्मनी का पहला हवाई हमला, पूर्वी लंदन में 100 से ज्यादा लोगों की मौत।

न्यूज गैलरी

रतन मुनि का दीक्षा संयम दिवस आज

दुर्ग। श्रमण संघ के छत्तीसगढ़ प्रवर्तक लोकमान्य संत रतनमुनी महाराज का 71 वा दीक्षा संयम दिवस 14 जून को मनाया जा रहा है। उक्त आयोजन जैन परिवारों के घरों में आयोजित होंगे। श्रमण संघ के प्रचार प्रसार प्रमुख नवीन संचेती ने उक्त आयोजन के संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया सामायिक त्याग तपस्या एवं धार्मिक अनुष्ठान के द्वारा श्रमण संघ परिवार के सदस्य मुनि के प्रति श्रद्धा भक्ति और विश्वास रखने वाले जैन परिवार के सदस्य अपने निवास स्थान में अपने समय अनुसार सामायिक तप एवं नवकार महामंत्र की स्तुति करते हुए आराधना करेंगे। श्रमण संघ अध्यक्ष निर्मल बाफना, टीकम छाजेड़, पारसमल संचेती, जसराज पारख, प्रवीण श्रीमाल, अनिल पारख, सुरेश लुनिया, रमेश बाघमार ने दीक्षा दिवस पर उपस्थिति की अपील की है।

कोरोना पॉजिटिव केस आने पर एरिया सील

दुर्ग। जिले के अंतर्गत ग्राम चरौदा, वार्ड 23 नवीन नगर तहसील पाटन एवं ग्राम भरनी धमधा तहसील धमधा एवं ग्राम गोंडपेंड्री सेलूद तहसील पाटन में नया कोरोना पॉजिटिव केस पाये जाने के कारण कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भूरे ने उक्त क्षेत्र को कन्टेनमेंट जोन घोषित किया है। कन्टेनमेंट जोन में चिन्हांकित क्षेत्र में सभी प्रकार के दुकानें व वाणिज्यिक प्रतिष्ठान बंद रहेगी। इसके अलावा सभी प्रकार की वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा। मेडिकल इमरजेंसी को छोड़कर अन्य किसी भी कारण से घर से बाहर निकलना प्रतिबंधित होगा। उक्त क्षेत्र की निगरानी के पुलिस विभाग के माध्यम से पेट्रोलिंग की जावेगी। जिला चिकित्सालय व स्वास्थ्य अधिकारी के माध्यम से संबंधित क्षेत्र में स्वास्थ्य की निगरानी के साथ निर्देशानुसार सेम्पल की जांच की जायेगी।

दो कोरोना पॉजीटिव मिले, कन्टेनमेंट जोन घोषित

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग/ रिसाली। जिले में कोरोना के दो पॉजीटिव मरीज सामने आया है। जिसमें जामुल व एक नेवईभाठा का बताया गया है। जामुल में मिला कोरोना पॉजीटिव पहले से ही एम्स अस्पताल में भर्ती है। वही रिसाली निगम क्षेत्रांतर्गत वार्ड नेवई भाठा तिरंगा चौक में एक और युवक का कोरोना संक्रमित रिपोर्ट पॉजिटिव आने से अपर कलेक्टर व आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे मातहत अधिकारी रमाकांत साहू के साथ संक्रमित स्थल पर पहुँच कर युद्ध स्तर पर सैनिटाईजेशन कराने के निर्देश स्वास्थ्य अमला को दिये है। साथ ही आवश्यक सुरक्षा एवं व्यवस्था के लिए निगम अधिकारियों को दायित्व सौप दिये गये है। उल्लेखित वार्ड में एक सप्ताह के भीतर 2 कोरोना पॉजिटिव मिलने से निगम प्रशासन में हड़कम्प मचा हुआ है। कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आते ही अपर कलेक्टर व निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे एवं जोन आयुक्त रमाकांत साहू ने निगम अमले के साथ उल्लेखित स्थल पर पहुंचकर पुरे क्षेत्र को कंटेन्टमेंट जोन में तब्दील कर दिये है। स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौके पर पहुंचकर कोरोना संक्रमित परिवार की सेम्पल प्राप्त कर रिपोर्ट भेज दी गई है। क्षेत्र के अंतर्गत सभी दुकाने आफिस व अन्य वाणिज्यक प्रतिष्ठान आगामी आदेश तक पूर्णतः बंद रहेंगे। वाहनों के आवागमन पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। घर पहुंच सेवा के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति उचित दरों पर किए जाने निगम प्रयासरत है।

डॉ. सुभाष पांडे संभागीय संयुक्त संचालक संभाग द्वारा दौरा किया गया। जिसमें उन्होंने भिलाई सेक्टर-9 निर्देशक स्वास्थ्य सेवाएं से स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर क्रियान्वयन के संबंध में विस्तृत चर्चा की। साथ ही भिलाई सेक्टर 6 के डिस्पेंसरी का भी भ्रमण एवं निरीक्षण करते हुए वहां टुनाट स्थापित किए जाने के संबंध में चर्चा की। साथ ही जिले के सभी खंड चिकित्सा अधिकारियों, शहरी खंड चिकित्सा अधिकारी, शहरी कार्यक्रम प्रबंधक से कोविड.19 एवं नान कोविड.19 कार्यक्रमों पर विस्तृत समीक्षा एवं दिशा.निर्देश प्रदाय किये। श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज के परिसर में संचालित कोविड.19 अस्पताल का भ्रमण एवं निरीक्षण किया। जिसमें उन्होंने सेवाओं के बेहतरी के संबंध में निर्देश दिए।

लोहा चोरी कर भाग रहे युवकों को पुलिस ने पकड़ा

नवप्रदेश संवाददाता

कुम्हारी। खपरी रोड स्थित केडिया कम्पनी के प्लॉट पर निर्माणाधीन बाउंड्रीवॉल पर घेरा लगाने के लिए प्रयुक्त होने वाले 250 लोहे के एंगल जिसकी कीमत करीब 4 लाख 30 हजार है चोरी कर टाटा मैजिक गाड़ी नम्बर सीजी 04 एम बी 3291 में लाद कर खदान से भाग रहे युवकों को स्थानीय पुलिस ने धर दबोचा है। जानकारी के मुताबिक मुखबिर द्वारा सूचना मिली की कुछ युवक एक गाडी में लोहा चुराकर भाग रहे हैं। सूचना पर थाना पेट्रोलिंग द्वारा पीछा कर युवकों को पकड लिया गया।

चोरी कर भाग रहे इन युवकों में तिलक दास डहरिया पिता राधेलाल 19 वर्ष, मनीष यादव पिता राधेश्याम यादव 20 वर्ष, लक्ष्मी नारायण पिता रोहित यादव, 21 वर्ष एवम् संदीप सैलीक पिता दिलीप सेलीक 17 वर्ष को पकड़ लिया गया तथा प्रार्थी हर्षद बोरद पिता प्रेम भाई 34 वर्ष के शिकायत पर अपराध क्र. 85/2020, धारा-379, 34 भादवि. के अन्तर्गत मामला दाखिल कर जेल भेज दिया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी आशीष यादव एएसआई जीआर साहू, प्रधान आरक्षक अशोक साहू, परसराम साहू, आरक्षक वीरेंद्र यादव एवं वसीम खान रहे।

कलेक्टर ने ली निगम अधिकारियों की क्लास

विकास कार्यों में नहीं हो कोई लेटलतीफी : वोरा

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। शासन द्वारा राशि की स्वीकृति मिलने के बाद भी शहर में बड़े विकास कार्यों एवं जनउपयोगी निर्माण कार्यों में हो रही देरी को लेकर विधायक अरुण वोरा व महापौर धीरज बाकलीवाल ने कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे के साथ निगम के अधिकारियों की जमकर क्लास ली। विधायक वोरा ने पूछा कि ठगड़ाबांध सौंदर्यीकरण, पुलगांव नाला डायवर्सन, इंदिरा मार्केट में यूनिशेड निर्माण की निविदा हो जाने के बावजूद आखिर कार्य प्रारम्भ करने में देर क्यों हो रही है इसके अलावा अमृत मिशन के अंतर्गत एक भी वार्ड में शत प्रतिशत कार्य 26 माह में पूर्ण नहीं किया गया है। वोरा के सवालों पर निगम अधिकारी बगलें झांकते नजर आए। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि विकास कार्यों में लेटलतीफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी निविदा हो चुके कार्यो को तत्काल प्रारंभ कराने के साथ ही शीतला तालाब सौंदर्यीकरण, गौरव पथ संधारण, शक्तिनगर तालाब गहरीकरण व शहर के सभी तालाबों की साफ सफाई एवं हरनाबांधा व शिवनाथ तट स्थित मुक्तिधाम को सर्वसुविधायुक्त बनाने की कार्ययोजना बनाएं। महापौर धीरज बाकलीवाल ने कार्यों में प्रशासनिक कसावट लाने व शहर में मूलभूत विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। श्री वोरा ने कलेक्टर से नगर निगम की समीक्षा बैठक लेकर रुके हुए कार्यों के शीघ्र निष्पादन करवाने का आग्रह किया जिसपर कलेक्टर भूरे ने सहमति जताई। इस दौरान एमआईसी अब्दुल गनी, राजेश शर्मा, अंशुल पांडेय, कार्यपालन अभियंता मोहनपुरी गोस्वामी, आरके पांडेय, सहायक अभियंता जितेंद्र समैय्या व जगदीश केशरवानी मौजूद थे।

सचिव प्रसन्ना ने किया बाल देख-रेख संस्थाओं का निरीक्षण

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव आर प्रसन्ना ने जिले में किशोर न्याय बालकों की देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम के तहत जिले में संचालित शासकीय बाल सम्प्रेक्षण गृह, प्लेस ऑफ सेफ्टी एवं विशेष गृह निरीक्षण किया। निरीक्षण में श्री प्रसन्ना द्वारा इन संस्थाओं में रह रहे विधि विरूद्ध बालकों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना गया। साथ ही उनके भोजन, वस्त्र, दैनिक वस्तुओं की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली गई। किशोर के दिनभर के क्रियाकलापों उपलब्ध संसाधनों, मनोरंजन की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। श्री प्रसन्ना द्वारा संस्था में कार्यरत कर्मचारियों से भी चर्चा की गई जिसमें उनके कर्तव्य पालन में हो रही समस्याओं का निराकरण किया गया। साथ ही इन संस्थाओं में चल रहे निर्माण कार्यो का भी जायजा लिया गया इन निर्माण कार्यो को जल्द से पूर्ण कराये जाने निर्देशित किया गया। श्री प्रसन्ना द्वारा इन संस्थाओं में निवासरत किया गया साथ ही इन संस्थाओं में चल रहे निर्माण कार्यो का भी जायजा लिया गया इन निर्माण कार्यो को जल्द से पूर्ण जल्द से पूर्ण कराए जाने निर्देशित किया।

16 अतिरिक्त नये ट्रांसफार्मर लगे

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत गुण्डरदेही एवं अर्जुन्दा नगर पंचायत में 57.38 लाख की लागत से 07 वितरण ट्रांसफामरों की क्षमता बढ़ाने के साथ ही 16 अतिरिक्त नये वितरण ट्रांसफार्मर लगाए गए। एकीकृत विद्युत विकास योजना आईपीडीएस के तहत संपादित इस कार्य से पर्याप्त वोल्टेज एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति के साथ लगभग 4800 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। क्षेत्रीय कार्यपालक निदेषक संजय पटेल ने बताया कि विभागीय दुर्ग ग्रामीण उपसंभाग के अंतर्गत गुण्डरदेही एवं अर्जुन्दा नगर पंचायत में आईपीडीएस योजना के अंतर्गत विभिन्न विद्युतीय विकास कार्य किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अर्जुन्दा नपं में उक्त योजना के तहत 21.98 लाख की लागत से 25 केव्ही के 1, 63 केव्ही के 4 एवं 100 केव्ही के 3 सहित कुल 8 नये अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मर लगाये गये हैं। इसी कड़ी में 4.77 लाख से 63 केव्ही की 2 ट्रांसफामरों की क्षमता बढ़ाकर 100 केव्ही किया गया। श्री पटेल ने बताया कि 20.74 लाख से 25 केव्ही के 2, 63 केव्ही के 4 एवं 100 केव्ही के 2 नये अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं।

अतिक्रमण हटाकर नाली सफाई का चला अभियान

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। नगर पालिक निगम क्षेत्रांतर्गत आने वाले वार्ड 5 में निजामी चौक से लेकर सुपेला लक्ष्मी मार्केट के पीछे तक लगभग 1 किलोमीटर रोड के दोनों किनारे नाली में हुए अतिक्रमण को हटाकर नाली सफाई का विशेष अभियान आज चलाया। बाढ़ आपदा प्रबंधन की बैठक में आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने बड़ा नाला एवं नालियों की सफाई के निर्देश निगम के अधिकारियों को दिए हैं। 50 से अधिक स्वच्छता कर्मचारियों द्वारा नाली सफाई का विशेष अभियान चलाया गया। मोहल्ले वासियों ने अतिक्रमण हटाकर नाली सफाई की मांग की थी जिस पर आज कार्यवाही की गई। प्रातः 6 बजे से स्वच्छता के कर्मचारी मौके पर मौजूद होकर अभियान में जुटे तथा दो जेसीबी और दो डंपर के माध्यम से नाली पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। कई व्यवसायियों एवं रहवासियों को अतिक्रमण हटाने की समझाइश दी गई।

समस्याओं का अंबार | निगम से बार- बार शिकायत के बावजूद कोई पहल नहीं, कल्याण समिति ने खोला मोर्चा

अवधपुरी रिसाली में मूलभूत सुविधाओं की दरकार

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। नवगठित नगर निगम कार्यालय के ठीक पास स्थित अवधपुरी में एक लंबे अरसे से समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। इन समस्याओं के निराकरण के लिए तात्कालिक भिलाई नगर निगम से कई बार नागरिकों ने शिकायत की लेकिन उस पर कोई ध्यान नही दिया। अब रिसाली निगम के अस्तित्व में आने के बाद अवधपुरी के बाशिंदों में उम्मीद जगी है कि उन्हे समस्याओ के मकडजाल से छुटकारा मिलेगा। अवधपुरी कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष टीकम सिंह चंद्राकर, पूर्व सचिव रामेश्वर प्रसाद प्रजापति और युवा कार्यकर्ता व समाजसेवी हरिओम चौहान ने रिसाली निगम के आयुक्त को एक ज्ञापन सौपकर अवधपुरी की विभिन्न जन समस्याओं के निराकरण का आग्रह किया है। ज्ञापन में कहा गया है कि अवधपुरी कालोनी रिसाली में सड़क नंबर एक एवं दो के बीच स्थित गार्डन का कायाकल्प किया जाए। उसमें स्थाई पाथवे, झूला और ओपन जीम आदि की व्यवस्था की जाएं ताकि कालोनी के बच्चोंए बुजुर्गो और महिलाओं के लिए वह गार्डन सार्थक सिद्ध हो। अवधपुरी कालोनी में नागरिकों की लगातार मांग के बाद सीमेंट की सड़क बनी है लेकिन कालोनी के भीतर निर्माण कार्य चलते रहने की वजह से इस सड़क पर ट्रक . डंपर जैसे भारी वाहनो का आना जाना लगे रहने से सभी सड़के जगह.जगह टूट गई है। पुलिया भी क्षतिग्रस्त हो गया है और नालियां जाम हो गई है, जिसकी वजह से कालोनी का पूरा गंदा पानी नालियों से बाहर आकर सड़क पर फैल जाता है और गढ्ढों में एकत्रित हो जाता है जहां मच्छर पनप रहे है और उनके कारण मलेरिया और अन्य बीमारियों फैलने का खतरा उत्पन्न हो गया है। टूटी फूटी सड़कों के कारण आए दिन वाहन दुर्घटना होती रहती है। अवधपुरी कालोनी में रेलवे लाईन की तरफअभी तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है जिसकी वजह से उस तरफ रहने वाले लोग वर्षो से नर्क जैसी यातना भोग रहे है। वहां पर पक्की सड़क व नाली निर्माण अविलंब कराया जाना चाहिए। कालोनी में सड़क 1 नाली से भी निचे हो गई है जिसकी वजह से नाली का गंदा पानी सड़क पर जमा हो जाता है। इस सड़क का संधारण कर उसे उंचा कराया जाएं। कालोनी में बनी सड़कों के किनारे कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया है और वृक्षारोपण का सड़क को संकरा कर दिया है जो भविष्य के लिए खतरनाक हो सकता है। सड़क किनारे हुए ऐसे सभी अवैध कब्जों को तत्काल हटाया जाएं। अवधपुरी के नहर किनारे और जयअंबे निवास क्षेत्र के पांच कच्चे सड़क का सीमेंटीकरण एवे नाली निर्माण कार्य भी निहायत जरूरी है। टूटे हुए पुल पुलिया की मरम्मत तथा सर्वजित राम के निवास वाली कच्ची सड़क का सीमेंटीकरण भी आवश्यक है। चौहान आटा चक्की के सामने पाईप लिकेज होने के कारण सीसी रोड क्षतिग्रस्त हो गया है और वहां दो भयानक गढ्ढे हो गए है। जिसमें अकसर दुपहिया वाहन दुर्घटना ग्रस्त हाते रहते है उस सड़क का भी संधारण कराया जाए। गार्डन में स्थाई फेंसिंग भी लगाई जाए। समिति पदाधिकारियों ने निगम आयुक्त से आग्रह किया है कि वे कालोनी वासियों की इन सभी मांगों को जल्द से जल्द पूरा करें अन्यथा अवधपुरी के नागरिक आंदोलन पर बाध्य होंगे।

डॉ. आहूजा ने पीएम फंड में सहयोग किए 5 लाख

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। इस्पात संयंत्र से सेवानिवृत्त उप महाप्रबंधक व 82 वर्षीय उम्रदराज डॉ एस एन आहूजा ने अपने सामाजिक सेवा से भिलाई का नाम रोशन किया है। कोविड के इस संकटकाल में जब देश को सहायता की जरूरत पड़ी तब डॉ आहूजा ने अपने बचत से देश की मदद करने की ठानी। डॉ आहूजा छत्तीसगढ़ के एक ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने वर्तमान महामारी कोविड के संकटकाल के दौरान सरकार के कल्याणकारी योजनाओं में सहयोग करने के लिए पीएम केयर फंड में अपने बचत से 5 लाख रुपये दान में दिया। उनके इस योगदान की सर्वत्र प्रशंसा की जा रही है। विदित हो कि भिलाई इस्पात संयंत्र में डॉ आहूजा, लम्बे समय से अपनी समर्पित सेवाएँ प्रदान की। उन्होंने बीएसपी में सन् 1962 में ग्रेजुएट इंजीनियर के रूप में अपनी सेवाएँ प्रारंभ की और सन् 1997 में उप महाप्रबंधक के पद पर कार्य करते हुए सेवानिवृत्त हुए। डॉ आहूजा अपनी 3-4 होमियो क्लीनिक के माध्यम से निरंतर समाज की सेवा कर रहे हैं। इसके साथ ही वे योगा क्लास का भी संचालन कर लोगों को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इस उम्र में स्वयं की बचत से 5 लाख रुपये का दान देकर मानवता की सेवा करने के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। समाज कल्याण के प्रति डॉ एस एन आहूजा की प्रतिबद्धता ने युवा पीढ़ी के साथ-साथ समाज के अनेक लोगों को प्रेरित किया है।

सुबह 5 से रात 9 तक संचालित हो सकेंगी दुकानें

दुर्ग (नवप्रदेश)। राज्य शासन के द्वारा जारी गाइडलाइन के परिप्रेक्ष्य में दुर्ग जिले के आम दुकानों के संचालन के संबंध में राज्य शासन के आदेशानुसार जिले में अनुमति प्राप्त दुकानोंए व्यावसायिक एवं अन्य प्रतिष्ठानोंए जिनको गृह मंत्रालयए भारत सरकार द्वारा संचालन की अनुमति हैए को प्रातः 5:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक संचालन की अनुमति प्रदान की गई है। व्यवसायिक प्रतिष्ठान उपरोक्त समयावधि के मध्य दुकान संचालन कर सकेंगे। उक्त आदेश घोषित कंटेनमेंट जोन में लागू नहीं होगा। शर्तें यथावत लागू रहेंगे

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202006100400360

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक हिमेश साहू आ. छबलूराम निवासी शंकर नगर दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम चंदखुरी प.ह.न. 29 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1428/3 रकबा 0.021 हें/ 2250 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 09.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202006100400362

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक अरुण प्रसाद आ. दिपेन्द्र प्रसाद निवासी हुडको सेक्टर भिलाई द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम चंदखुरी प.ह.न. 29 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1429/6 रकबा 0.012 हें/ 1350 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 09.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202006100400361

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक अनुप प्रसाद आ. दिपेन्द्र प्रसाद निवासी हुडको सेक्टर भिलाई द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम चंदखुरी प.ह.न. 29 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1429/5 रकबा 0.012 हें/ 1350 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 09.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202006100400

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका अन्नारानी मालाकार पति मनीन्द्रनाथ मालाकार निवासी पद्मनाभपुर दुर्ग द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम चंदखुरी प.ह.न. 29 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1428/12, 1429/12 रकबा 0.007, 0.009 हें/ 1000 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 09.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202006100400392

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री जसवन कुमार देवांगन आ. श्री शिवकुमार निवासी शंकरपारा स्टेशन मरोदा द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम धनोरा प.ह.न. 39 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1005/5 रकबा 0.011 हें/ 1075 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 10.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202006100400399

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री इम्मानुएल साधू आ. श्री चन्द्रभूषण साधू निवासी मरोदा सेक्टर भिलाई द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम उमरपोटी प.ह.न. 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 432/10 रकबा 0.020 हें/ 2050 वर्गफीट के आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 09.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग-1 (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदिका शशी देवांगन पति बृजभूषण देवांगन साकिन डुण्डेरा के द्वारा ग्राम डुण्डेरा प.ह.न. 41 रा.नि.मं. अण्डा तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 320 रकबा 0.0200 हे. अर्थात 2178 वर्गफीट भूमि विक्रेता तिरिथराम आ. रामाधीन से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 26.05.2020 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को क्रेता के नाम पर प्रमाणीकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय मे प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर दावा हो तो व नियत पेशी दिनांक 15.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम ये इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

आज दिनांक 04.06.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया है।

मुहर

नायब तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यूज गैलरी

जिला पंचायत सदस्य हर्षिता स्वामी बघेल ने किया मास्क का वितरण

राजनांदगांव। जिला पंचायत सदस्य हर्षिता स्वामी बघेल के द्वारा घुमका हाट बाजार मे विशेष कर सब्जी पसरा दुकानदारों को मॉस्क का वितरण किया गया और श्रीमती स्वामी ने सभी को मॉस्क लगाने कि कड़ी हिदायत भी दिए कि आप मॉस्क लगाए और जो खरीदारी करने आते हैं, उन्हें भी मॉस्क लगाने को प्रेरित करे। साथ ही सोशल डिस्टेसिंग का भी ध्यान रखे। श्रीमती स्वामी घुमका सोसायटी प्रबंधक समिति से भी रूबरू हुए। सोसायटी में खाद, बीज कि व्यवस्था की पूरी जानकारी प्राप्त की। खाद के लिए ना भटके किसान इसको ध्यान मे रख कर खाद वितरण करने के हिदायत दिए। इस वितरण मे जिला पंचायत सदस्य हर्षिता स्वामी, ग्राम पंचायत घुमका के सरपंच श्रीमती फुलमती वर्मा, प्रहलाद यादव, नवनीत सिंह, दक्षेस स्वामी, गौरव शर्मा, राज वर्मा उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने दिव्यांग साहू की मांग तत्काल पूरी कर दी

राजनांदगांव। कलेक्टर टोपेश्वर वर्मा ने पेण्ड्री राजनांदगांव के दिव्यांग वीरेन्द्र कुमार साहू की मोटराईज ट्राईसायकल की मांग तत्काल पूरी कर दी। श्री साहू मोटराईज ट्राईसिकल की मांग करने कलेक्टोरेट पहुंचे थे। इसकी जानकारी मिलने पर कलेक्टर वर्मा ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को मोटराईज ट्राईसिकल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। विभाग के अधिकारियों ने तुरंत ही मोटराईज ट्राईसिकल की व्यवस्था कर दी। कलेक्टर श्री वर्मा ने वीरेन्द्र साहू को मोटराईज ट्राईसिकल सौंपते हुए कहा कि इसकी समुचित रख-रखाव करने की समझाईश दी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर ओंकार यदु, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक बीएल ठाकुर उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सह चिकित्सालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

राजनांदगांव। कलेक्टर टोपेश्वर वर्मा ने शासकीय चिकित्सा महाविद्याल संबंद्ध चिकित्सालय राजनांदगांव का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने मुख्य ऑपरेशन थियेटर, पुरूष सर्जिकल वार्ड, महिला सर्जिकल वार्ड, दवाईयां रखने के सेन्ट्रल स्टोर, आईसीयू, माईनर ओटी, नवजात शिशु गहन कक्ष, कोविड-19 सस्पेक्टेड यूनिट, केजवल्टी वार्ड, नेत्र ऑपरेशन कक्ष का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने महिला सर्जिकल वार्ड में मिलने के निर्धारित समय के पहले मरीजों के रिश्तेदारों को देखकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रदीप बेक से कहा कि मरीजों से मिलने के निर्धारित समय शाम 4 बजे से 6 बजे का कड़ाई से पालन करें। उन्होंने हॉस्पिटल में व्यवस्था एवं अनुशासन बनाए रखने को कहा। कोविड-19 की रोकथाम के लिए हॉस्पिटल में सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने एवं मास्क लगाने के लिए कहा और स्टॉफको आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश दिए।

महापौर ने इंदिरा नगर, मोतीपुर, रामनगर नाले का जायजा लिया

राजनांदगांव। धीमी रफ्तार से जैसे-जैसे मानसून का का आगाज हो रहा है और इसी के चलते कल लगभग दो घंटे शहर में जमकर बारिश हुई जिससे कुछ जगहों पर पानी निकासी की भी समस्या से लोगों को जुझना पड़ा तो वहीं कहीं कहीं पर जलभराव जैसे कि स्थिति उत्पन्न हो गई थी जिस पर स्वतः संज्ञान लेकर महापौर श्रीमती हेमासुदेश देशमुख ने आज अलसुबह मेयर इन कौंसिल के प्रभारी सदस्यों के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों मोतीपुर-रामनगर और झुलेलाल वार्ड स्थित इंदिरा नगर नाले की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।इस दौरान महापौर श्रीमती हेमासुदेश देशमुख और स्वास्थ्य विभाग के चेयरमेन श्रीगणेश पवार, लोक निर्माण विभाग के चेयरमेन मधुकर बंजारी, विधि विभाग के चेयरमेन राजेश गुप्ता सहित स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी अधिकारी अजय यादव के अमले के साथ इंदिरा नगर, रामनगर,मोतीपुर में स्थित नाला का निरक्षण किया गया ।इस दौरान महापौर श्रीमती हेमासुदेश देशमुख ने नाले में जमा बारिश के पानी के निकासी करने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती हेमासुदेश देशमुख ने स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी अधिकारी अजय यादव से कहा कि आगामी दिनों में मानसून आने को है समय रहेते नाली/नाले का युध्द स्तर पर सफाई अभियान चलाकर पानी निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कवर्धा, राजनांदगाव, दुर्ग के लोगों से मंत्री अकबर ने वीडियों कॉफ्रेंसिंग में की चर्चा

- **लोगों की सुरक्षा व जीवन-यापन को सुगम बनाना सरकार की प्राथमिकता - मो. अकबर**

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। वन, आवास एवं पर्यावरण मंत्री मोहम्मद अकबर शनिवार को मंत्रालय महानदी भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों से चर्चा की और कबीरधाम, दुर्ग तथा राजनांदगांव जिले में जन सुविधाओं के लिए संचालित कार्यों के बारे में जानकारी ली। साथ ही उन्होंने कोरोना संकट के कारण उत्पन्न विषम परिस्थिति से निजात पाने के लिए उनसे आवश्यक सुझाव भी लिए। इस अवसर पर विधायक एवं महापौर देवेन्द्र यादव, नगरपालिक निगम राजनांदगांव के महापौर श्रीमती हेमा देशमुख तथाा दुर्ग से श्रीमती तुलसी साहू कवर्धा से नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि शर्मा आदि वरिष्ठ नागरिक तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

श्री अकबर ने कहा कि राज्य में सरकार द्वारा कोरोना के कारण संकट की इस घड़ी में लोगों की परेशानियों को दूर करने अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए है। इसके तहत शासन द्वारा क्षेत्र में चलाए जा रहे विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों से लोगों को काफी राहत मिली है। उन्होंने अवगत कराया कि कोरोना संकट के इस दौर में लोगों की सुरक्षा और उनके सुगम जीवन-यापन के लिए कार्यक्रमों का बेहतर ढंग से संचालन सरकार की प्राथमिकता में है। इसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए लोगों को काफी तादाद में रोजगार उपलब्ध कराए जा रहे है। इसी तरह वनांचल में वनोपजों के संग्रहण कार्य का सुव्यवस्थित संचालन कर वनवासी ग्रामीणों को रोजगार के साथ-साथ अतिरिक्त आमदनी का भी भरपूर लाभ दिलाया जा रहा है। इसके अलावा गांव-गांव में मनरेगा आदि योजना के अंतर्गत लोगों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर कबीरधाम, दुर्ग एवं राजनांदगांव जिले के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों तथा स्थानीय प्रतिनिधियों ने चर्चा में भाग लेते हुए राज्य शासन द्वारा जनहित में लिए गए विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णयों और कार्यक्रमों के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित वन मंत्री मोहम्मद अकबर के प्रति आभार भी जताया।

सरपंच ने पूर्व महिला उपसरपंच के परिवार वालों के खिलाफ थाना में की शिकायत

- **नवनिर्वाचित सरपंच और पुर्व उपसरपंच में आपसी मतभेद को लेकर अपशब्दो का उपयोग**

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। पुरानी रंजीश को लेकर दो पक्षो में जमकर विवाद हुआ। मामला इतना बढ गया कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष को जान से मारने की धमकी तक दे डाली। आखिरकार पीडित ने इसकी शिकायत संबंधित थाने में की है। तथा उचित कार्यवाही की मांग लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में भी ज्ञापन सौंपा गया है। पीडित ने अपने आवेदन में बताया कि समीपस्थ ग्राम हरमो में 9 जून 2020 को शाम करीबन 7 बजे आरोपित विश्राम साहू पिता उमेदी साहू, धनी साहू, भुनेश साहू पिता मनीराम ने पुरानी रंजीत को लेकर अपने परिवार वालों के साथ मिलकर नवनिर्वाचित सरपंच के छोटे भाई सीता राम पटेल पिता मगतू राम पटेल 29 वर्ष के घर में जाकर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी है. वही धमकी देने वालो ने पीडित के घर के सामने काफी समय तक हाथापाई करते रहे। इस समय मोहल्लेवासियो उत्तम पिता मयाराम धुर्वे, प्रहलाद पिता सुखु राम, विजय पिता मिलाप ने पीडित की मदद करने के लिए आगे आये. इसके बाद भी दोनों पक्षों में कुछ देर तक बहस होते रहे. इसके पश्चात पीडित के बड़े भईया नवनिर्वाचित सरपंच नेमीचन्द पटेल ने तत्काल मोबाइल के माध्यम से नजदीकी भोरमदेव थाना में सूचना दी गई और पुलिस को ग्राम हरमो में गाली गलौज की सूचना मिलती ही तुरंत घटना स्थल पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझाईश भी दी. इसके बावजूद भी दूसरे दिन 10 जून को जब पीडित सीताराम पटेल ने दोपहर 12.30 बजे मैं टेक्टर लेकर राजानवागांव से अपने गांव हरमो की ओर से आ रहे थे। इस दौरान आरोपित देवराज पिता धनी साहू एवं इंदल पिता मनीराम ने गौतम के घर के सामने टेक्टर को डंडे से वार करते हुए दोनों टेक्टर के सामने आने पर पीडित ने अपने जान को बचाने के लिए टेक्टर को वहां से छोडकर भाग निकला।

पीडित ने बताया कि आरोपित के खिलाफ जुर्म दर्ज होना चाहिए तथा 11 जुन को पीडित ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उपस्थित होकर आरोपित के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज की है।

पीडित सीताराम पटेल सरपंच प्रतिनिधि के छोटे भाई ने बताया कि अब खेती किसानी का कार्य शुरू हो गये है इसी के चलते अपने टेक्टर को हरमो से राजानवागांव की ओर जा रहे थे इसी बीच आरोपित धनी साहू तथा उनके पत्नि एवं बच्चे ने टेक्टर को रोक दिया तब पीडित ने थाना जाकर आरोपित के खिलाफ शिकायत करने पर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर टेक्टर को पीडित को वापस दिलाया गया।

आरोपित के खिलाफहो जुर्म दर्ज

पीडित सीताराम पटेल ने भोरमदेव थाना में जाकर थाना प्रभारी को आरोपित के खिलाफ एफआईआर दर्ज का ज्ञापन सौंपा गया है। इसके बाद भी आरोपित धनीराम साहू ने नवनिर्वाचित नेमीचन्द पटेल के सामने पीडित सीताराम पटेल को जान से मारने की धमकी दी है।

पुरानी रंजीश को लेकर पीडित को दी धमकी

ग्राम हरमो में पुरानी रंजीश को लेकर नवनिर्वाचित सरपंच नेमीचन्द के छोटे भाई को पुरानी रंजीत को लेकर दोनों के बीच काफी बहस बाजी हुई है। इसी के चलते आरोपित ने अपने फायदा उठाने के लिए मौका ढुंढ रहा था तब जाकर आरोपित ने पीडित के साथ कहासुनी बाते भी हुई और जान से मारने की धमकी दी गई है।

''पढई तुंहर दुआर'' कार्यक्रम के गुरू तुझे सलाम अभियान अंतर्गत विडियों काफ्रेंसिंग पर हुई ''अहा क्षण'' कार्यक्रम

कवर्धा। जिला शिक्षा अधिकारी के.एल..महिलांगे,व पढई तुंहर,दुआर''योजना के जिला नोडल अधिकारी यू.आर.चंद्राकर के मार्गदर्शन, तथा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एम.एल.पटेला के नेतृत्व एवं कवर्धा विकासखण्ड के नोडल अधिकारी अनिल केशरवानी के संयोजन में ''अहा क्षण'' कार्यक्रम'' वेबेक्स एप्प पर विडियो कांफ्रेसिंग से आयोजित की गई। कार्यकम का संचालन शास.नवीन कन्या उच्च.माध्य.विद्यालय कवर्धा के प्राचार्य प्रमोद कुमार शुक्ला ने करते हुए ''बच्चों को शिक्षा अर्जित करने के साथ-साथ,किसी शिक्षक के कार्य से प्रेरित होने की बात कही। सन्1985 में गरीब विद्यार्थी को कुत्ते के काटने पर कुंण्डा से मुंगेली तक प्राचार्य द्वारा गाडी व्यवस्था कर अस्पताल पहुँचाने के,शिक्षक के मानवीय पहलू को रखा। विकासखण्ड नोडल अधिकारी अनिल कुमार केशरवानी ने ''अहा क्षण'' को वह क्षण बताया-जिसमें अचानक कोई नया आइडिया, किसी नए खोज, किसी ऐसे चीज की जानकारी जो पहले से शिक्षक के भीतर है पर अचानक पहचानना, सही समय में सही आईडिया का सामने आना, कक्षा अध्यापन के दौरान कुछ नई चीजें, शिक्षा से जुडे को यादगार पल, आइडियाज सामने आना इत्यादि है।

सभी प्रकार का मत्स्याखेट 16 जून से 15 अगस्त 2020 तक पूर्ण निषिद्ध

कवर्धा । वर्षा ऋतु में मछलियों की वंश की वृद्धि (प्रजनन) के .ष्टिकोण से उन्हे संरक्षण देने हेतु राज्य में छत्तीसगढ़ नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम 1972 की धारा-3 उपधारा-2 (दो) के तहत 16 जून 2020 से 15 अगस्त 2020 तक को ÷बंद ऋतु÷ (क्लोज सीजन) के रूप मे घोषित किया गया है। मछली पालन विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त नदियों, नालों तथा छोटी नदियां और उनकी सहायक नदियों में जिन पर सिंचाई के तालाब तथा जलाशय (छोटे-बड़े) जो भी निर्मित किये गये हैं। इसके अतिरिक्त केज कल्चर के अतिरिक्त सभी प्रकार का मत्स्याखेट 16 जून 2020 से 15 अगस्त 2020 तक पूर्ण निषिद्ध रहेगा। इन नियमों के उल्लंघन करने पर छत्तीसगढ़ राज्य मत्स्य क्षेत्र संशोधित अधिनियम 1981 के नियम-3 (6) के अंतर्गत अपराध सिद्ध होने पर एक वर्ष का कारावास अथवा दस हजार रूपए का जुर्माना अथवा दोनों एक साथ होने का प्रावधान है। उक्त नियम केवल छोटे तालाब या अन्य स्त्रोत, जिनका कोई संबंध किसी नदी, नाले से नहीं है के अतिरिक्त जलाशयों में किये जा रहे केज कल्चर में लागू नही होंगें।

विश्व रक्तदाता दिवस पर जिला अस्पताल में रक्तदान का आयोजन आज

कवर्धा। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर रक्तदान का आयोजन समय प्रातः 9 से 1 बजे तक जिला चिकित्सालय स्थित ब्लड बैंक कबीरधाम में रेडक्रास एवं स्वंय सेवी संस्था के सहयोग से किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सचिन रेडक्रास सोसायटी डॉ. सुरेश कुमार तिवारी ने बताया कि 14 जून को विश्व रक्तदान दिवस या विश्व रक्तदाता दाता दिवस यानी वर्ल्ड ब्लड डोनर डे मनाया जाता है। वर्ल्ड ब्लड डोनर डे का उद्देश्य रक्तदान को बढ़ावा देना है। विश्व रक्तदान दिवस पहली बार साल 2004 में मनाया गया।

विश्व रक्त दाता दिवस 2020 की थीम है 'सेफ ब्लड, सेव्स लाइव्स' है। 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। वर्ल्ड ब्लड डोनर डे का उद्देश्य रक्तदान को बढ़ावा देना है। विश्व रक्तदान दिवस पहली बार साल 2004 में मनाया गया। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने इसकी शुरुआत की थी। दुनिया में खून की जरूरत और इस जरूरत के मुताबकि खून उपलब्ध न होने यानी खून की कमी को पूरा करने के इरादे से वर्ल्ड ब्लड डोनर डे मनाया जाता है। डॉ. एस.आर.चुरेन्द्र ब्लड बैंक प्रभारी ने विश्व रक्त दाता दिवस के इतिहास के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि 14 जून को नोबल प्राइस विजेता कार्ल लैंडस्टेनर का जन्म हुआ था।

अनियंत्रित होकर कार पेड़ से टकराई

कवर्धा। रेंगाखार-सडक पर सुतियापाट के पास शुक्रवार को एक कार अनियंत्रित होकर पेंड से टकरा गई। जिससें वाहन चालक को मामूली चोट आई है लेकिन कार के पटखच्चे उड गए है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बम्हनी निवासी उमेश पिता गोविंद राहंगडाले अपने निजी कार्य से जा रहा था। सुतियापाट के समीप पहुंचते ही कार अचानक अनियंत्रित होकर पेंड से जा टकराई जिससे वाहन के सामने का पूरा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं उमेश को हल्की चोंट आई है। घटना को देखकर आसपास के लोगो ने इसकी मद्द की तथा अस्पताल पहुंचाया गया।

गुरु तुझे सलाम अहा क्षण कार्यक्रम में सोशल मीडिया के माध्यम से बीईओ पंडरिया शिक्षकों से रूबरू हुए

कुंडा। वर्तमान समय में कोविड-19 कोरोनावायरस वैश्विक महामारी से देश प्रदेश के समस्त विभाग जूझ रहे हैं। साथ ही साथ शासन के मंशानुरूप विभाग के कार्यों को भी सोशल डिस्टेंस, मास्क एवं सैनिटाइजर का प्रयोग करते हुए कर रहे हैं। इसी कड़ी में विकासखंड पंडरिया शिक्षा विभाग के शिक्षा अधिकारी जी पी बनर्जी एवं खंड स्त्रोत समन्वयक रमाशंकर राजपूत के प्रतिनिधित्व में विकासखंड के 30 स्कूलों से चयनित दो-दो शिक्षकों का सोशल मीडिया के माध्यम से अपने विचार रखना गुरु तुझे सलाम अहा क्षण के वर्चुअल क्लास का कार्यक्रम संकुल केंद्र कुंडा में आयोजित किया गया।

जहां से विकास खंड शिक्षा अधिकारी जी.पी. बनर्जी एवं खंड स्त्रोत समन्वयक रमाशंकर राजपूत सोशल मीडिया के माध्यम से जुड़कर उनके विचारों को सुना इसके लिए बनर्जी शिक्षकों को अनिवार्य मार्गदर्शन करते हुए उनके द्वारा की गई विचार अभिव्यक्ति की सराहना किया।

साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि कोविड-19 कोरोनावायरस को मद्देनजर रखते हुए आगामी दिनों में स्कूलों को बंद भी रखना पड़ सकता है, इसलिए सभी शिक्षक वर्चुअल क्लास के माध्यम से बच्चों को शिक्षा देने के लिए तैयार रहें एवं ऑनलाइन शेड्यूल अध्यापन व्यवस्था में आवश्यक तैयारी भी करके रखें।

पूर्व सांसद अभिषेक सिंह मिले 5 परिवारों से जनसंपर्क का किया शुभारंभ

- **शहर भाजपा मंडल के कार्यकर्ता करेंगे 2000 परिवार से जनसंपर्क**

कवर्धा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल के एक वर्ष पूरे होने पर पूरे देश भर में भाजपा कार्यकर्ता जनसम्पर्क कर एक साल के उपलब्धियों को जन जन तक पहुचाने का कार्य करेंगे। इसी कड़ी में कवर्धा शहर मण्डल के कार्यकर्ता 42 बूथों के 2000 परिवारों में 200 कार्यकर्ता जनसम्पर्क करेंगे। जिले में भाजपा के विभिन्न मंडलो में इसकी शुरुवात हो चुकी है पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने मण्डल के औपचारिक बैठक के बाद शहर के पांच परिवारों से जनसम्पर्क कर कार्यक्रम की शुरुवात की जिसे अब भाजपा कार्यकर्ता आगे बढाएंगे।

बैठक में अभिषेक सिंह ने कार्यकर्ताओं के बीच मोदी के कार्यकाल के उपलब्धियों को विस्तार से रखते हुए कहा नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में ऐसे ऐसे निर्णय लिए गए जिनका पूरा देश दशकों से इंतजार कर रहा था। कॉंग्रेस ने पहले भी इन मुद्दों को राजनीतिक बना रखा था और फैशले लेने के बाद भी रोकने का प्रयाश किया चाहे 370 कश्मीर से हटाने के मुद्दे हो या सी ए ए अमेंडमेंट बिल लाने की बारी हो। मोदी ने बड़े विषयों के साथ साथ छोटे छोटे किंतु अनिवार्य विषयो को भी गंभीरता से लागू कराया जिसमे जनधन खाते खोलना शामिल रहा। देश अभी जब कोरोना संकट में संघर्ष कर रहा है तब इसी जनधन खातों के माध्यम से करोड़ो लोगों के खाते में सीधे लाभ पहुंचाने का कार्य केंद्र सरकार ने किया। किसान सम्मान निधि की राशि भी सीधे किसानों के खाते में भेजा गया। मोदी ने जनधन, आधार और मोबाइल को लिंक कर ये भी सुनिश्चित किया कि जो खाते खुले वे सही व्यक्ति के खुले। आयुष्मान भारत योजना भी स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने की दिशा में बड़ा कदम रहा है। ऐसे अनेक कार्य केंद्र सरकार ने किये है जो बरसो से लंबित रहा है। अब इन विषयों को लेकर हम सभी कार्यकर्ता अपने मोहल्ले में जनसम्पर्क कर जनता के बीच रखेंगे ।

समझाईश राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश, क्वारेंटाईन सेन्टरों में प्रवासी श्रमिकों के लिए अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक

राजनांदगांव। कलेक्टर टोपेश्वर वर्मा ने जिले के राजस्व अधिकारियों को राजस्व वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। श्री वर्मा ने राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में स्पष्ट रूप से कहा कि राजस्व वसूली राजस्व अधिकारियों के मूल कार्यो में शामिल है। आगामी 25 जून तक राजस्व वसूली में प्रगति दिखनी चाहिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को डायवर्सन भू-भाटक वसूली, डायवर्सन रिकार्ड दुरूस्तीकरण तथा सार्वजनिक विकास के कार्यों में भू-अर्जन के प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में करने के लिए भी निर्देशित किया। बैठक में अपर कलेक्टर ओंकार यदु, सहायक कलेक्टर ललितादित्य नीलम, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती लता उर्वशा, सभी एसडीएम, तहसीलदार और नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री वर्मा ने बैठक में प्रवासी श्रमिकों के लिए जिले में बनाए गए क्वारेंटाईन सेन्टरों में की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इन सेन्टरों में श्रमिकों के लिए भोजन और आवास के समुचित प्रबंध होने चाहिए। क्वारेंटाईन सेन्टरों में बरसात के दौरान विशेष रूप से ध्यान रखने की जरूरत है। यहां पर क्वारेंटाईन के नियमों का पालन होना चाहिए। क्वारेंटाईन सेन्टर में 14 दिन पूरे होने के बाद भी ऐसे श्रमिकों जिनका सेम्पल भेजा गया है उन्हें रिपोर्ट आने तक सेन्टर में ही रखा जाए। श्री वर्मा ने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जिले में अच्छे कार्य हुए है। कलेक्टर ने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचने के लिए गांव-गांव में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। केन्द्र शासन, राज्य शासन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी निर्देशों का समुचित पालन होना चाहिए। विभिन्न विभागों के मैदानी अमलों और जनप्रतिनिधियों के जरिए आम लोगों में जागरूकता लाने विशेष प्रयास करने की जरूरत है। ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी समितियों, बैंकों और उचित मूल्य की दुकानों में भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए कारगर योजना बनाकर अमल किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि प्रवासी श्रमिकों को गांवों में रोजगार दिलाने प्राथमिकता से कार्रवाई की जानी चाहिए। खेती-किसानी का मौसम शुरू हो गया है। कन्टेंनमेंट जोन क्षेत्रों में खेती-किसानी का कार्य व्यवस्थित ढंग से शुरू होना चाहिए।

कलेक्टर श्री वर्मा ने राजस्व अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र जब भी खुलेंगे तब नियमित निरीक्षण की जरूरत पड़ेगी। इन ओर भी राजस्व अधिकारियों को ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारी मैदानी क्षेत्रों में सरकार के प्रतिनिधि होते है।

■ न्यूज गैलरी

अब तक ठीक होकर लौटने वाले मरीजों की संख्या हुई 15

महासमुंद। जिले में कोरोना से संक्रमित मरीजों के उपचार के (स्वस्थ्य होकर आने) सकारात्मक परिणामों का ग्राफ भी तेजी से बढ़ता नजर आ रहा है। स्वास्थ्य विभाग की एकीकृत रोग निगरानी शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 11 जून 2020 को तीन और कोविड-19 धनात्मक प्रकरणों के ऋणात्मक में तब्दील होकर चिकित्सालय से छुट्टी मिल गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इनमें एक प्रकरण बागबाहरा शहर के 14 वर्षीय किशोर का है, जिसे रायपुर के एम्स चिकित्सालय में उपचारित कर स्वस्थ्य किया गया। वहीं दूसरा और तीसरा प्रकरण रायपुर के माना चिकित्सालय के हैं, इनमें क्रमशः बसना विकासखण्ड के ग्राम जलकोट एवं भूकेल के रहने वाले 21 एवं 23 वर्षीय युवा शामिल हैं। 12 जून 2020 को सुबह तक जिले में मिले कोरोना के धनात्मक प्रकरणों की संख्या 62 थी, जिनमें से 15 मरीजों के स्वस्थ हो जाने के बाद अब धनात्मक प्रकरण 47 हो गई है। ज्ञातव्य है कि 24 घंटों में जहां प्रदेश सहित भारत के अन्य राज्यों में कोविड-19 के कई नए धनात्मक प्रकरण सामने आए, वहीं इस दौरान जिले में नवीन प्रकरणों के उजागर होने का आंकड़ा थमा हुआ नजर आया।

मांगों को लेकर कांग्रेस का ज्ञापन

महासमुंद। जिला मुख्यालय महासमुंद में कांग्रेस कमेटी के लिए भूमि आवंटन, जिला अस्पताल जाने के लिए मुख्य मार्ग से अस्पताल के बीच पडने़ वाली पुलिया का चौड़ीकरण करते नया निर्माण किए जाने और ग्राम कलेंडा के क्वारेंटाइन सेंटर में मृतक महिला के जुड़वा अनाथ बच्चों के लिए राहत आर्थिक पैकेज की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेसियों ने कलेक्टर को बसों से आने वाले प्रवासी मजदूरों को नियमित रूप से क्वारेंटाइन सेंटर पहुंचाने का आग्रह किया। सभी मांगों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई करने का आश्वासन कलेक्टर ने दिया। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. रश्मि चंद्राकर, प्रभारी महामंत्री जिला कांग्रेस हरदेव ढिल्लो, शहर कांग्रेस अध्यक्ष जसबीर ढिल्लो, अध्यक्ष महिला शहर कांग्रेस लक्ष्मी देवांगन, पूर्व कोषाध्यक्ष जिला कांग्रेस सुरेश द्विवेदी, पूर्व पार्षद खिलावन बघेल आदि कांग्रेसी शामिल थे।

ट्रैक्टर की ठोकर से घायल की मौत, जुर्म दर्ज

महासमुंद। विगत दो दिन पूर्व खट्टी मार्ग में एक ट्रेक्टर चालक ने बाइक चालक को ठोकर मार दी। घायल की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने जांच पश्चात बाइक चालक के खिलाफ 304 ए के तहत जुर्म दर्ज कर जांच में लिया है। खम्हारमुड़ा निवासी रिभासु गिरी पिता भास्कर गोस्वामी बाइक क्रमांक सीजी 04 जीएन 9996 से घर जा रहा था जिसे ट्रेक्टर चालक ने लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए सामने से ठोकर मार दी। घायल बाइक सवार की उपचार के दौरान मौत हो गई। जांच पश्चात पुलिस ने ट्रेक्टर चालक गौतम यादव के खिलाफ 304 ए के तहत जुर्म दर्ज किया है।

मकान निर्माण को लेकर मारपीट

महासमुंद। बसना के ग्राम पंचायत गौरटेक में मकान निर्माण को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। रोशनी नायक पिता संतकुमार (24) ने पुलिस को बताया कि वह अपनी जमीन पर मकान निर्माण कर रहा था। इसी दौरान गांव के ही चित्रसेन नायक पिता लिंगराज (38) ने मकान निर्माण स्थल को अपनी जमीन बताते हुए मारपीट की। पुलिस ने मामले में 294,506 के तहत जुर्म दर्ज किया है।

गाली गलौज कर मारपीट

महासमुंद। लघुशंका करने की बात को लेकर दो लोगों ने मिलकर एक अधेड़ की पिटाई कर दी। कुर्मीपारा निवासी छन्नू पटेल ने पुलिस को बताया कि वह घर के रास्ते में लघुशंका कर रहा था। इस दौरान रास्ते से गुजर रहे मोहल्ले के निवासी जीतू पटेल और गैंदू पटेल ने उनके साथ गाली-गालौज और मारपीट कर दी। पुलिस ने 294, 323, 506, 34 के तहत जुर्म दर्ज किया है।

जुआ खेलते तीन पकड़ाए

महासमुंद। बसना पुलिस ने ग्राम चनाट में जुए खेलते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 13 जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर छापा मारकर नेहरू लाल पटेल पिता धनेश्वर पटेल एवं अन्य दो लोगों को जुआ खेलते पकड़ा। जिनके पास ताशपत्ती के साथ 42 हजार रूपए नकद जब्त की गई है।

बारिश से दीवार गिरी, दबने से मौत

महासमुंद। बारिश की वजह से दीवार गिरने से दबकर एक वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। मामला पिथौरा थाना क्षेत्र के ग्राम सुखीपाली का है। कैलाश साहू ने पुलिस को बताया कि अधिक बारिश होने की वजह से गांव के गाड़ाराय भोई के मकान की दीवार गिर गई जिसमें दबकर उनकी मौत हो गई।

सट्टा खेलते पकड़ाया

महासमुंद। पिथौरा थाना क्षेत्र के ग्राम लाखागढ़ में पुलिस ने एक युवक को सट्टा खिलाते हुए पकड़ा। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ताड़ी शुक्ला पिता नारायण शुक्ला (20) सट्टा-पट्टी लिखते हुए मिला। जिसके पास से पुलिस ने 13 सौ रूपए नकदी जब्त कर सट्टा 4 (क) के तहत कार्रवाई की।

पुरानी रंजिश पर डंडे से पिटाई

महासमुंद। सरायपाली पुलिस ने अधेड़ की डंडे से पिटाई मामले में जुर्म दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक जम्हर निवासी शिव गिरी पिता रेशम गिरी (51) ने पुलिस को बताया है कि पुरानी रंजिश की बात को लेकर घाघरो चौहान ने रास्ता रोककर डंडे से उसकी पिटाई कर दी। पुलिस ने धारा 294, 323, 506, 341 के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

राज्य से आई टीम ने किया कोविड-नान कोविड सेक्शन का सुपरविजन

नवप्रदेश संवाददाता

महासमुंद। जिला चिकित्सालय और कोविड केयर सेंटर में नए प्रारूप के तहत किए जा रहे आमूलचूल परिवर्तनों में जिला स्तरीय अफसरों के अलावा राज्य स्तर के आला अधिकारी भी विशेष रुचि ले रहे हैं। 12 जून को राज्य स्तरीय उच्चाधिकारियों के चार सदस्यीय टीम मे राज्य कार्यक्रम प्रबंधक डॉ प्रदीप टण्डन और राज्य सलाहकार डॉ रणवीर बघेल सहित दो अन्य उच्च स्तरीय विशेषज्ञों ने जिला चिकित्सालय के कोविड और नॉन कोविड सेक्शन में किए जा रहे बदलावों का आंकलन किया। उन्होंने यहां किए जा रहे कार्य की प्रगति को देखकर सराहना करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए। इस दौरान उन्होंने जिला चिकित्सालय के कोविड सेक्शन से शुरूआत की और बारी-बारी सभी कक्षों में भ्रमण किया। सेंट्रल ऑक्सीजन की पाइप लाइन देखी एवं बनाए जा रहे पार्टीशन चैम्बर्स की व्यवस्था में प्रयोग में लाई जा रही नई तकनीक की सराहना भी की। डॉनिंग और डॉफिंग क्षेत्र में हुए निर्माण का नक्शा परखा और नहाने के साथ-साथ पीपीई किट बदलने एवं सैनिटाइज्ड होने की जगह का माप लेकर प्रक्रिया के दौरान बरती जाने वाली सावधानी के बारे में अद्यतन जानकारी दी। इसके बाद नॉन-कोविड सेक्शन के लिए भी ओपीडी एवं आईपीडी में प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का मूल्यांकन किया। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में कोविड और नॉन-कोविड मरीजों के सम्पर्क नहीं होनी चाहिए । जिस पर सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ आरके परदल ने उन्हें बताया कि कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के निर्देशन और मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ रवि मित्तल के मार्गदर्शन में बन रहे इस मॉडल को कई अनुभवी सलाहकारों द्वारा परखा जा चुका है, साथ ही स्वास्थ्य विभाग सहित ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, लोक निर्माण एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की देख-रेख में कार्यों में दक्ष और जानकार मिस्त्रियों से काम लिया जा रहा है। इससे आंतरिक परिसर में संक्रमण फैलाव की आशंका नहीं के बराबर है। इस दौरान टीम के साथ जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार, अस्पताल सलाहकार डॉ निखिल गोस्वामी और जिला कार्यक्रम समन्वयक उत्तम श्रीवास सहित अन्य विभागीयअधिकारी उपस्थित थे।

कंटेनमेंट जोन बागबाहरा में शुरू हुई अत्यावश्यक घर पहुंच सेवाएं

- सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) अंतर्गत खाद्यान्न आपूर्ति के लिए दी जा रही घर पहुँच सेवा
- ऑनलाइन खरीददारी की सुविधा से लोगों तक पहुंचाया जा रहा रोजमर्रा के समान

महासमुंद। केन्द्र एवं राज्य शासन के गाईड लाइन के अनुसार विभन्न स्थानों में कोरोना पॉजिटिव प्रकरणों के आधार पर इन स्थानों को कंटेनमेंट जोन घोषित किया जाता है। इसी के तहत् 04 जून 2020 को 13 कोरोना पाजिटिव प्रकरणों के आधार पर नगरपालिका परिषद बागबाहरा क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है। तथा तीन किलोमीटर की परिधि को चारों ओर से सील किया गया है।

नगरपालिका परिषद् बागबाहरा के मुख्य मार्ग को भी सील किया गया है। इसके साथ साथ बागबाहरा नगरीय क्षेत्र में लॉकडाउन के समय कोई भी व्यक्ति घर से बाहर न निकलें और घर पर रहते हुए स्थानीय प्रशासन के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित कराने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। नागरिकों को इस अवधि में आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके इसके लिए प्रशासन विशेष प्रयास कर रहा हैं।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बागबाहरा के मार्गदर्शन में नागरिकों के लिए सर्वप्रथम सार्वजनिक खाद्यान्न वितरण प्रणाली के अंतर्गत 02 वाहनों की व्यवस्था स्थानीय स्तर पर की गई है। ऐसे वाहन पी.डी.एस. प्रणाली के अंतर्गत राशन का वितरण घर पहुंच सेवा देकर कर रहे हैं। स्थानीय स्तर पर 36 व्यावसायिक संस्थानों को आवश्यक सामग्रियों की घर पहुंच सेवा के लिए आदेश जारी किया गया है। इन व्यावसायिक संस्थानों ने मात्र 04 घण्टे में 190 घरों तक अपनी घर पहुंच सेवा के माध्यम से लोगों को लाभान्वित किया है। इसी के साथ स्थानीय मेडिकल दुकानों, किराना व्यावसायी, सब्जी विक्रेताओं, दूध विक्रेताओं और अन्य सामग्रियों के लिए फुटकर विक्रेताओं को घर पहंच सेवा प्रदान करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। 10 किराना व्यवसायी को आदेश के माध्यम से निर्देशित किया गया है कि रोजमर्रा के किराना सामानों के लिए घर पहुंच सेवा प्रदान की जाए। इसके लिए ऐसे दुकानदारों के मोबाइल नंबर आम नागरिकों के लिए सार्वजनिक किए गए हैं। इन नंबरों पर कोई भी व्यक्ति सम्पर्क कर आवश्यक सामग्री हेतु आर्डर कर सकता है। उनके द्वारा किए गए आर्डर की सामग्री आधे घण्टे के भीतर नगरीय क्षेत्र में डिलीवर किया जा रहा है।

कड़ारवासियों को अब पीने के पानी की नहीं होगी समस्या : संगीता साहू

भाटापारा। जल ही जीवन है और जल है तो कल है,, पानी का संचय ही हमारे भविष्य की परिकल्पनाओं को मूर्त रूप देगा,उक्त उदगार जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती संगीता साहू ने ग्राम कडार में बोर खनन का श्रीफल तोड़ने के बाद उपस्थित ग्राम वासियो और पंचायत प्रतिनिधियो से कही। ग्राम पंचायत कडार मे नवीन बोरखनन का शुभारम्भ जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती संगीता मनोहर साहू ने बोर मशीन के समक्ष श्रीफल तोड़ कर किया। इस दौरान जनपद अध्यक्ष ने कहा की ग्राम कडार के लोगो के लिए आज अच्छा दिन है।गॉव के लोगो की प्यास बुझाने आज नल कूप खनन का कार्य हो रहा है और लोगो को इससे पानी मिलने लगेगा,ग्राम वासियो की काफी लम्बे समय से पानी की समस्या से व्याकुल होना पड़ रहा था।आपके गॉव के सरपंच मेरी बहन साध बाई बंजारे लगातार इस वार्ड में पानी की विकराल समस्या के निदान के लिये मुझे कहती रहती थी और में आप लोगो से उम्मीद करती हू की पानी की महत्ता को जरूर समझे।पानी ही हमारे जीवन का मजबूत आधार है, पानी ना हो तो किसी प्रकार की कल्पना भी नही कर सकते।पानी को व्यर्थ ना बहाये क्योकि जल ही जीवन है और जल है तो कल है।

प्रदेश के विकास को देख विरोधी पिट रहे छाती : सुशील शर्मा

भाठापारा। प्रदेश के छत्तीसगढ़िया मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के दुवारा केंद्र सरकार को जिम्मेदारी का निर्वहन करने पत्र लिखने से तिलमिलाए विरोधियो पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए

प्रदेश कांग्रेस सचिव सुशील शर्मा ने कहा कि जिस प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किसानों को धान का समर्थन मूल्य 2500 रुपिया प्रति किवंतल देकर छत्तीसगढ़ प्रदेश का नाम पूरे देश मे विख्यात कर दिया हो ऐसी बातों को इसी सदन के विधायक के दुवारा भूला देना उनकी याददाश्त के कमजोर होने का जीता जागता उदाहरण है,सरकार बनने के 2 घंटे के भीतर लाखो किसानों का कर्जा माफ किया,बस्तर के लोहंडीगुड़ा गांव के किसानों की बिकी हुई जमीनों को टाटा कंपनी से वापसी कराने में अग्रणी भूमिका निभाया, लगातार किसानों और मज़दूरों के हितार्थ राजीव गांधी किसान न्याय योजना,श्रमिक न्याय योजना,के माध्यम से निरंतर लाभ देते हुये इस आपातकालीन समय मे कोरोना वायरस जैसी भयानक महामारी बीमारी का गंभीरता पूर्वक सामना करते हुये अपने प्रदेश की जनता के जानमाल की हिफाजत बिना केंद्र सरकार की सहायता के करने वाले भूपेश बघेल पर आरोप लगाना शोभा नही देता।

सुशील शर्मा ने कहा कि विरोधियो को भा जा पा सरकार के 15 साल के अंधेर नगरी चौपट राजा के राज्य में किये गये घोषणा पत्रों के बारे में सोचना चाहिये जिसके तीन बार के संकल्प घोषणा पत्र में सिर्फ और सिर्फ वादे ही वादे किये गये थे जो आज तक पूरा नही हुये, घोटाले और भ्रष्टाचार की जननी भा जा पा के कार्यकाल में करोड़ों रुपये का धान घोटाला,चाँवल घोटाला,शक्कर घोटाला,ताबूत घोटाला,पुलिस भर्ती में घोटाला,पटवारियों की भर्ती में घोटाला,शिक्षा कर्मी भर्ती घोटाला, पनामा पेपर घोटाला,गर्भाशय कांड,आँख फोड़वा कांड,बैंक डकैती कांड,जैसे अनेक घोटाले और कांडों को जन्म दिया।

बंद की अवहेलना, व्यवसायियों पर चालानी कार्रवाई

महासमुंद। जिला प्रशासन के दिशा-निर्देश के बावजूद व्यवसाय कर रहे व्यापारियों के विरुद्ध नगर पालिका द्वारा चालानी कार्रवाई करते हुए उनसे 7 हजार रुपए अर्थदण्ड वसूला गया है। कोरोना (कोविड 19) के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम के लिए जिला प्रशासन द्वारा सप्ताह में शुक्रवार को पूर्ण रूप से बंद रखने के निर्देश जारी किया गया। लेकिन, आदेश की अवहेलना करते हुए दुकानें खोल कर व्यवसाय करने वाले किराना एवं फल ठेला के विरुद्ध कार्यवाही की गई है। नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी एके हलधर ने व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि वैश्विक महामारी के संक्रमण से सभी की सुरक्षा करनी है। इस लड़ाई में सभी की सहभागिता होगी, तभी इस महामारी से जीता जा सकता है।

भुवन सिंह बने सेवादल अध्यक्ष

भाटापारा। शासकीय सेवा में रहते लोगो की सेवा करने वाले भुवन सिंह ठाकुर को भाटापारा सेवादल का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

कांग्रेस की विचार धारा से जुड़े भुवन सिंह को अब नई जवाबदारी मिलने से कांग्रेस खेमे में खुशी की लहर है। प्रजापिता ब्रह्मकुमारी संस्थान से जुड़े सेवा भावी भुवन सिंह ठाकुर को प्रदेश अध्यक्ष अरुण ताम्रकर के निर्देश पर जिला अध्यक्ष संतोष यादव ने भाटापारा सेवादल का नया अध्यक्ष बनाया गया है। सेवा दल की सेवा भाव से पूर्व से परिचित भुवन सिंह ठाकुर सी एस इ बी की सेवा से रिटायरमेंट होने के बाद कांग्रेस पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा व् लगन को प्रदर्शित करते हुए कांग्रेस पार्टी के कार्यक्रमों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते रहे है।

गांवों में आम लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे झोलाछाप डॉक्टरों पर लगाम लगाने में विभाग नाकाम

> झोलाछाप डॉक्टरों की सूची मंगाया जाएगा और जांच-पड़ताल के बाद बीएमओ को कार्यवाही के लिए बिल्कुल निर्देशित किया जाएगा
>
> **अनुपम आशीष टोप्पो,** एसडीएम

देवभोग । पिछले दिनों की खानापूर्ति कार्यवाही के बाद क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों की संख्या मैं काफी बढ़ोतरी देखने को मिल रहा है। मुख्यालय से लेकर गांव गांव में बिना डिग्री वाले डॉक्टर आम मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। मतलब झोलाछाप डॉक्टर छोटे बच्चे से लेकर अधेड़ बुजुर्ग को तक हाई डोज देकर इलाज करना बताया जाता है। जानकारों की माने तो पानी से कई गुना अधिक झोलाछाप डॉक्टरों की इलाज से लोगों की किडनी खराब हो रही है और इससे स्वास्थ्य अमला भली-भांति अवगत है लेकिन कार्यवाही सिर्फ ऊपर वाले अधिकारियों के भरोसे देखे जाते हैं यही वजह है। कि आज भी झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्यवाही नहीं हो पा रहा है । जबकि इन दिनों आम लोगों को सर्दी खांसी बुखार अन्य का इलाज करने झोलाछाप डॉक्टरों के पास काफी संख्या में देखी जा सकती है। करीब 100 झोलाछाप डॉक्टर इलाके मैं घूम घूम कर लोगों की जिंदगी को खतरे में डाल रहे हैं। इनमें कई ऐसे झोलाछाप डॉक्टरी कर रहे हैं जिनकी क्वालिफिकेशन मात्र आठवीं से दसवीं तक ही है ।

मजदूरों को स्टेशन के पास छोड़कर भाग गया ट्रक चालक

भाटापारा। तेलंगाना से ट्रक में लाकर मजदूरो को स्टेशन के पास छोड़कर चालक फरार हो गया। ऑटो की तलास में स्टेशन की और आ रहे सभी मजदूरो एसडीएम महेश सिंह राजपूत ने उन्हें उनके ब्लाको में भेजवाने की व्ययस्था करी।

रेलवे स्टेशन मॉल धक्का रोड पर शुक्रवार की शाम 4 बजे तेलंगाना से मजदूरो को लाया ट्रॅक चालक मजदूरो को उतार कर ट्रक लेकर चलता बना। 30 से ज्यादा मजदूर श्रमिको को स्टेशन के समीप छोड़ने के बाद ये सभी मजदूर अपने गॉव ब्लाक जाने ऑटो की तलाश में स्टेशन के समीप पहुँच गए।इस बात की जानकारी एसडीएम महेश सिंह राजपूत को जोनल रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य राजेश शर्मा ने दूरभाष पर दी। सुचना मिलते ही एसडीएम महेश सिंह जो की स्टेशन के अंदर ही श्रमिक स्पेशल ट्रैन से आये मजदूरो को भेजने के बाद उसकी पूरी जानकारी बनवा रहे थे,वे फ़ौरन ब्लाक मेडिकल ऑफिसर डॉ राजेश अवस्थी के साथ बाहर आये और सभी मजदूरो को अपने अधिनस्त नायाब तहसीलदार सौरभ चोरसिया के माध्यम से उनके जिले ब्लाक की जानकारी ली फिर उन सभी मजदूरो को क्वार टाईन सेंटर के लिए।रवाना कर दिया गया।

तेलंगाना से आये मजदूरो ने बताया की ये लोग एक कम्पनी में कार्य करते है और उस कम्पनी के मालिक ने ट्रक से उन्हें यहाँ भेजवाने की व्यवस्था की थी।तेलंगाना से आये श्रमिको में महिला पुरुस और बच्चे भी शामिल थे। इतनी दूर से कई राज्यो को पार करने के बाद ट्रॅक में इतने तादाद मेंजदूर आ गए ,जो कई प्रकार के सवालिया निशान लगाता है। उसी तरह प्रदेश के बार्डर और फिर इस जिले में प्रवेश तथा फिर शहर के अंदर आ कर ट्रक चालक दिन दहाडे मजदूरो को छोड़कर चला गया जो निश्चित रूप से कही ना कही प्रसासन की कमजोरी को इंगित करता है। बहरहाल एसडीएम महेश सिंह ने उन्हें रोक कर जाँच उपरांत उन्हें बस से भेजवा दिया नही तो ये सभी मजदूर स्टेशन होते बस स्टेण्ड की और पैदल सदर बाजार की और जाते और निश्चित रूप से कई दुकानों से कुछ ना कुछ सामान लेते जिससे शहर में संक्रमक को रोकने एसडीएम सफल हो गए।

विकास | मनरेगा के तहत 524 पंचायतों में एक लाख 34 हजार 67 जॉब कार्डधारी कर रहे कार्य

3154 कार्यों के लिए 87 करोड़ 80 लाख 18 हजार रुपए स्वीकृत

महासमुंद। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत जिले में 374 धान संग्रहण केन्द्र (चबूतरा) निर्माण किया जा रहा है। महात्मा गांधी नरेगा एवं प्राथमिक कृषि साख समिति के अभिसरण से धान संग्रहण केन्द्र (चबूतरा) बनाए जा रहे हैं, जिससे वर्षा ऋतु में भी धान को रखने की उचित व्यवस्था हो सके और धान को सुरक्षित रखा जा सके। धान संग्रहण केन्द्रों में चबूतरा निर्माण होने से धान को पॉलीथीन में ढंककर रखा जा सकता है, जिससे धान को अंकुरित होने से बचाया जा सकता है।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनान्तर्गत जिले के 551 ग्राम पंचायतों में से 524 ग्राम पंचायतों में कार्य चल रहे हैं। जिसमें एक लाख 34 हजार 67 जॉब कार्डधारी मजदूर कार्य कर रहे हैं, जो कि राज्य में दूसरे स्थान पर है। जिले में वित्तीय वर्ष 2020-21 में तीन हजार 154 कार्यों के लिए 87 करोड़ 80 लाख 18 हजार रूपए स्वीकृत की गई है, जिसमें निजी डबरी निर्माण के 383 कार्य, मत्स्य पालन हेतु निजी डबरी के 44 कार्य,

भूमि सुधार के 911 कार्य, बकरी शेड के 106 कार्य, मुर्गी शेड के 28 कार्य, पशु शेड के 44 कार्य, नया तालाब निर्माण के 27 कार्य, तालाब गहरीकरण के 491 कार्य, जल संवर्धन के 170 कार्य, सोक पिट के 210 कार्य, रिचार्ज पिट के 104 कार्य, वर्मी टेंक के 25 कार्य एवं नाडेप टेंक के 58 कार्य स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार स्टापडेम 23, चेकडेम 05, नहर लाईनिंग कार्य 01, नवीन पंचायत भवन के 07, आंगनबाड़ी भवन निर्माण के 93 कार्य स्वीकृत की गई है। ठोस तरल एवं अपशिष्ट प्रबंधन के 109 कार्य स्वीकृत किए गए हैं।

इसके अलावा मजदूरों के लिए छह हजार से अधिक नए जॉब कार्ड बनाये गए हैं। क्वारेन्टाईन अवधि पूर्ण कर चुके मजदूरों को चार हजार से अधिक मानव दिवस रोजगार प्रदाय किया जा रहा है। जिले में अब तक लगभग 60 करोड़ रूपए राशि के कार्य कराए जा चुके हैं। जिले में रोजगार गारंटी के कार्य चालू होने के कारण लॉकडाउन की अवधि में भी मजदूरों को जीवकोपार्जन के लिए राशि की कमी नहीं हो रही है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में अब तक 34 लाख 33 हजार 43 मानव दिवस सृजित किया गया है, जो कि माह मई 2020 के लक्ष्य का 150 प्रतिशत से अधिक है। सुराजी गांव योजना 'नरूवा, गरूवा, घुरूवा एवं बाड़ी' के तहत गरूवा अंतर्गत 241 गौठान एवं 80 चारागाह स्वीकृत किए गए हैं। जिसमें से 87 गौठान एवं 61 चारागाह पूर्ण हो चुके हैं तथा 72 गौठान एवं 19 चारागाह प्रगतिरत है। पशुओं के पीने के लिए पानी की व्यवस्था के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा बोर खनन का कार्य करवाया गया है।

शिकायत के बाद जोरा क्वारेंटाइन सेंटर निरीक्षण करने पहुंचे तहसीलदार श्रीवास्तव

■ **सरपंच सचिव के ध्यान नही देने से गंदगी का अंबार बना कोरेण्टाइन सेंटर जोरा**

नवप्रदेश संवाददाता

भटगांव। इन दिनो सरपंच सचिव की लापरवाही से प्रवासी मजदूर कोरेण्टाइन सेंटर में गंदगी के बीच रहने को मजबूर है ना ही कोई साफसफाई ना ही कोई मास्क दिया गया है ना ही कोई सेनिटाइजर की व्यवस्था की गई है।

दरसल ताजा मामला बिलाईगढ़ विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत जोरा का है। जहां सरपंच सचिव की बड़ी लापरवाही देखने को मिली है । जोरा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला को कोरेण्टाइन सेंटर बनाया गया है जहाँ.....प्रवासी मजदूर उपस्थित है। इन स्कूल के अंदर बाउंड्री तो है किंतु देख रेख की अभाव में गाय अंदर घुस अपना अड्डा जमा लेता है जिसके चलते गोबर की भरमार लग जाती है। जिनकी सफाई में सरपंच ,सचिव ध्यान नहीं दिया । जिसके चलते गोबर कई दिनों तक वहीं पड़ा रहा ।जिनकी शिकायत कुछ ग्रामीणों और पंच द्वारा क्षेत्रीय अधिकारी को की गई। मौके पर बिलाईगढ़ तहसीलदार अमित श्रीवास्त निरीक्षण करने जोरा कोरेंटिन सेंटर पहुँचा । लेकिन वहाँ अधिकारी की पहुंचने की भनक सरपंच सचिव को लग गया और तहसीलदार के पहुँचने से पहले ही जे सी बी से गोबर की साफई करवा दिया। वहीं तहसीलदार श्रीवास्तव ने कोरेंटिन सेंटर के चारो ओर बाँस की बाउंड्री बनाकर बन्द करने निर्देश दिए। तांकि गाये अंदर न घुस सके साथ ही साथ वहाँ रह रहे मजदूरों को सुखा राशन सहित हरि सब्जी व अंडे वितरण करने कहा।

और सभी मजदूरों को मास्क सेनिटाइजर उपलब्ध कराने निर्देश दिए।

> ग्राम पंचायत जोरा से हम लोगो को शिकायत मिल रही थी कि श्रमिकों के खान पान पर ध्यान नही दिया जा रहा है और साफसफाई को लेकर समस्या थी। जहां एसडीएम व सीईओ सर से चर्चा करके साफसफाई व खान पान की ठीक से व्यवस्था करने को सरपंच व सचिव को निर्देश दिया गया है।
>
> **अमित श्रीवास्तव,** तहसीलदार बिलाईगढ़

25 श्रमिकों को किया गया क्वॉरंटाइन

अर्जुनी। बलौदा बाजार जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत अर्जुनी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 25 श्रमिको को क्वॅारेंटाइन में रखा गया। ज्ञात हो कि पहले भी क्वॅारेंटाइन में रखे गए श्रमिकों में केवल 4 क्वॅारेंटाइन श्रमिक बचे हुए थे जिसमें आज दिनांक 13 ,6 ,2020 को 25 श्रमिकों को भी क्वॅारेंटाइन में रखा गया। ग्राम पंचायत द्वारा राशन सामग्री व नियमित दिनचर्या में उपयोगी सामान तत्काल क्वारंटाइन स्थल पर पहुंच कर प्रदान किया गया। अर्जुनी सरपंच प्रमोद जैन ,सचिव परमानंद निषाद,कार्यालय सहयोगी विजय वर्मा, पंच गुरुचरण वर्मा, पंच प्रतिनिधि सेवाराम वैष्णव, संतोष सेन द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए उपयुक्त सामाग्री प्रदान किया गया।

विधायक नवागढ़ ने कोरोना वायरस से निपटने 20 लाख रु. की सहायता प्रदान की

बेमेतरा/साजा। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से निपटने के लिए नवागढ़ विधायक गुरुदयाल सिंह बंजारे ने कलेक्टर शिव अनंत तायल को कल मुख्यमंत्री सहायता कोष मे 20 लाख रु. की सहायता राशि प्रदान की। इस अवसर पर जावेद खान (छिरहा) उपस्थित थे।

कृषि वैज्ञानिकों ने दी किसानों को सामयिक सलाह

बेमेतरा/साजा। कृषि संचालनालय एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के वैज्ञानिकों ने किसानों को मौसम आधारित सलाह दी है कि मानसून के आगमन को मद्देनजर रखते हुए किसान खरीफसीजन के लिए धान एवं अन्य फसलों के लिए तैयारियां कर ले। कीट व्याधियों की प्रतिरोधी एवं सहनशील किस्में छत्तीसगढ़ राज्य एवं विकास निगम एवं इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में उपलब्ध है। इन पर पौध रोगों एवं कीटों का असर कम होता है इसलिये किसान अपने प्रक्षेत्रों में लगाने वाली किस्मों का चुनाव करें एवं बीजों को फफूंद नाशी का उपचार करने के बाद ही बोवाई हेतु उपयोग करें। किसान भाई मृदा स्वास्थ्य के आधार पर ही खाद उर्वरक का उपयोग करें। किसानों को मौसम आधारित सलाह दी गई है कि धान का रोपा पद्धति हेतु नर्सरी डालें। धान की रोपा हेतु नर्सरी की बोआई करे। इसके लिए मोटा धान 50 किलो ग्राम या पतला धान 40 कि.ग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से बीज डाले।

लॉकडाउन की अवधि में 305 नये राशन कार्ड जारी

■ **जिले मे अब-तक 2007 प्रवासी मजदूरों को नि:शुल्क उपलब्ध कराया गया खाद्यान**

बेमेतरा/साजा। कोरोना वायरस के चलते राज्य में लॉकडाउन जारी है। लॉकडाउन के चलते लोगो को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हॉलाकि राज्य सरकार ने कई इलाकों में लॉकडाउन के दौरान छूट दी है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सरकार ने राज्य के लोगो को राशन बांटने का लक्ष्य तय किया है, ताकि कोरोना लॉकडाउन के दौरान कोई भी व्यक्ति भूखा न रहें। सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत राज्य के लोगो को सरकार की ओर खाद्यान्न/राशन उपलब्ध कराया जा रहा है।

लॉकडाउन में राज्य के लोगो के लिए खाद्यान्न/राशन उपलब्ध कराने हेतु माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार जिले में लॉकडाउन की अवधि में 305 नये राशनकार्ड जारी किये गये हैं साथ ही 1091 नवीन सदस्य पूर्व प्रचलित राशनकार्डों में जोड़े गये हैं। जिससे लोगो को सुगमता से राशन सामग्री प्राप्त हो सकें और किसी प्रकार की समस्या का सामना करना न पड़े। वर्तमान में राशनकार्ड हितग्राहियों को पात्रतानुसार चावल के साथ, अरहर दाल भी शासन द्वारा दिये जा रहे है।

कोरोना वायरस के चलते लॉकडाउन होने के कारण खाने कमाने की दृष्टि से बाहर गये श्रमिकों में से छत्तीसगढ़ वापस लौटे श्रमिकों और व्यक्तियों को जिनके पास राशनकार्ड नहीं हैं या किसी भी राशनकार्ड में नाम दर्ज नहीं है उनको माननीय मुख्यमंत्री भुपेश बघेल के निर्देशानुसार माह मई एवं जून के लिए 05 किलो चावल प्रति व्यक्ति प्रति माह और 01 किलो चना प्रति परिवार प्रति माह की दर से निःशुल्क प्रदाय किया जाना है। इस कड़ी में जिला बेमेतरा में अब तक 797 प्रवासी परिवारों का पहचान कर 2007 प्रवासी सदस्यों को मुख्यमंत्री जी के इस योजना का लाभ प्रदाय किया जा रहा है।

सोशल डिस्टेंसिंग का पालन व मास्क का उपयोग करना जरुरी

बेमेतरा/साजा। -कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिव अनंत तायल ने आज शुक्रवार को एक आदेश जारी कर नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के नियंत्रण हेतु लॉकडाउन उपायों को चरणबद्ध रूप से खोलने तथा दिनांक 30 जून 2020 तक लॉकडाउन संशोधित रूप से लागू करने के निर्देश दिये थे।

वर्तमान में जिला बेमेतरा में लगातार कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। जिले में लॉकडाउन की छूट पश्चात बाजारों/दुकानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का तथा मास्क के उपयोग का सही ढ़ग से जनसामान्य द्वारा पालन नहीं किया जा रहा है। जिले में संचालित दुकानों में लगातार अनावश्यक रूप से भीड़ को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे जिले में कोरोना वायरस के संक्रमण तेजी से फैल रहा है। पूर्व में समय-समय पर भारत सरकार गृह मंत्रालय व छ.ग. शासन द्वारा इस संबंध में जारी दिशा-निर्देशों के बाबत् व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार कर सभी जिले वासियों को शासन के निर्देशों का समुचित रूप से पालन करने बाबत् अवगत कराया गया है साथ ही इन नियमों के उल्लंघन पर धारा 188 भारतीय दण्ड संहिता, आपदा प्रबंधन अधिनियम व महामारी रोग नियंत्रण अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्यवाही बाबत् अवगत कराया गया है, बावजूद इसके समुचित रूप से इन आदेशों का पालन नहीं हो रहा है।

अतः एतत् द्वारा सभी व्यापारी संघो व जिले वासियों से यह अपील किया जाता है कि कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु शासन के नियमों का पालन करें, किसी भी उद्योग में राज्य के बाहर से श्रमिकों को कार्य पर नहीं लाया जाये, यदि बाहर के राज्यों से आकर श्रमिक यहां के स्थानीय उद्योगों में कार्यरत हो तो इसकी सूचना तत्काल जिला प्रशासन को दी जावे तथा बगैर अनुमति के अन्य राज्यों से प्रवासी श्रमिकों को कार्य पर न लिया जावे। औद्यौगिक इकाईयों में तकनीकि समस्याओं के निराकरण हेतु यदि कोई व्यक्ति बाहर राज्य से लाया जाना आवश्यक हो तो इसके पूर्व अनुमति जिला प्रशासन से प्राप्त करना अनिवार्य होगा। नियम उल्लंघन की दशा में संबंधित व्यक्तियों पर दाण्डिक कार्यवाही की जा सकेगी।

शहर के विकास कार्यो का विधायक आशीष छाबड़ा ने किया निरीक्षण

बेमेतरा/साजा। बेमेतरा शहर में चल रहे विकास कार्य एवं शहर सौंदर्यीकरण कार्यो का विधायक आशीष छाबड़ा ने स्वयं निरीक्षण किया। सर्वप्रथम विधायक ने कईहा तालाब में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यो का निरीक्षण किया तथा उपस्थित अधिकारियों को माता भद्रकाली मंदिर से लगे हुए तालाब के किनारे में गार्डनिंग कराये हेतु निर्देशित किया। जिससे यहां आने वाले श्रद्धालु अपने परिवार के साथ सुखद पल व्यतीत कर सकें। विधायक ने वार्ड नं 04 में पांडे तालाब सौदर्यीकरण गहरीकरण कार्यो का निरिक्षण किया और अधिकारियों को कार्य मे गतिशिलता लाने को निर्देशित किये। विधायक आशीष छाबड़ा में जय स्तम्भ चौक के समीप चल रहे वालपेंटिंग कार्य का निरिक्षण किया तथा अधिकारियों को पीडब्लूडी भवन कर आहता के पास सड़क से लगी रिक्त भूमि पर प्लांटेशन करते हुए गार्डन चेयर रखवाने के निर्देश दिए, जिससे इस मार्ग पर वाक करने वाले लोगों को कुछ पल सुखद रूप से बैठने को मिल सकें। विधायक आशीष छाबड़ा ने बेसिक स्कूल का निरिक्षण किया एवं कार्य कर रहे एजेंसी को गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने की हिदायत दी। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शंकुतला मंगत साहू, मुखूयनगर पालिका अधिकारी होरीसिंह ठाकुर, मिथलेश वर्मा उपाध्यक्ष जनपद पंचायत बेमेतरा सहित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सितली नाला से खरोरा तक एलईडी लाइट की तैयारी

नवप्रदेश संवाददाता

महासमुंद। शहर को विकसित बनाने के साथ ही सुंदरता बढ़ाने के लिए अब राष्ट्रीय राजमार्ग-353 सितली नाला से खरोरा तक रोशनी से जगमगाएंगे। इसके लिए करीब 570 विद्युत पोल, 110वॉट के एलईडी सहित मुख्य मार्ग के बीच लगाए जाने की तैयारी की जा रही है। कलेक्टर के आदेशानुसार करीब 2 करोड़ की लागत से यह कार्य कराया जाएगा।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर ने बताया कि शहर के तमाम मुख्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 14वें वित्त अंतर्गत कुशाभाऊ ठाकरे उद्यान के पास साढ़े 7 लाख लीटर पानी टंकी का निर्माण कराया जाएगा।

> **5-5 लाख से होंगे सड़क और नाली निर्माण**
>
> उन्होंने बताया शहर के 30 वार्डों में पार्षदों की अनुशंसा पर विकास कार्यों में 5-5 लाख रुपए से सड़क और नाली निर्माण किया जाना है। वहीं एक जेसीबी मशीन क्रय की जाएगी। इसी प्रकार 2 डंफर, एक हाइड्रोलिक लेडर (हाइड्रोलिक सीढ़ी) जो विद्युत पोल में लाइट लगाने के उपयोग में लाया जाएगा। डोर टू डोर कचरा कलेक्शन करने वाली बहनों के लिए 20 ई-रिक्शा भी खरीदने की तैयारी है। बता दें कि गुरुवार को हुई प्रेसिडेंट इन कॉउंसिल की बैठक में साढ़े 6 करोड़ के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी गई थी। जिसे शुक्रवार को राज्य सरकार को भेजा गया है।

महिला स्व-सहायता समूह मौहाभाठा का आत्मनिर्भरता की ओर कदम

बेमेतरा/साजा। प्रदेश सरकार की सुराजी गांव योजना के अंतर्गत घुरवा से जैविक खाद के उत्पादन को बढ़ावा देने और भूमि की उपजाऊ क्षमता को बढ़ाने आदर्श गौठान मौहाभाठा मे यह कहावत चरितार्थ होती नजर आ रही है। बेमेतरा जिले के साजा विकासखण्ड के ग्राम मौहाभाठा मे निर्मित आदर्श गौठान में महिला स्व-सहायता समूहों की मेहनत एवं शासन के प्रयास से वहां की महिलाएं अपने पैरो पर खड़ी हो रही है। मौहाभाठा के गौठान मे महुआ स्व-सहायता समूह एवं कल्पना स्व-सहायता समूहों की महिलाओं की ही मेहनत का नतीजा है कि वहां मशरुम उत्पादन की कल्पना को चरितार्थ किया जा रहा है। दोनो ही समूहो के द्वारा वर्तमान मे 120 बैग लगाये गये हैं। जिसमे कुछ ही समय मे मशरुम का उत्पादन शुरु हो जायेगा। इसके साथ ही और बैग लगाने की तैयारी की जा रही है। इनके द्वारा उत्पादित मशरुम की आज खुले मार्केट मे भी अच्छी मांग है, आज मशरुम सूखे और गीले दोनो रुपो मे बिक रहा है, जो कि भोजन मे प्राटीन का अच्छा स्त्रोत है।

साथ ही महुआ महिला स्व-सहायता समूह द्वारा तार जाली का भी निर्माण किय जा रहा है बता दें कि उक्त गौठान की फेसिंग मे भी इसी समूह द्वारा तैयार किये गये तार जाली का उपयोग किया गया है। साथ ही साथ विधानसभा अंतर्गत पंचायतों मे उपयोग किये जाने वाले फेसिंग के लिए इसी समूह से बात की जा रही है। इसके अलावा कल्पना महिला स्व-सहायता समूह द्वारा वर्मी खाद का निर्माण किया जा रहा है।

विधायक का पीए बताकर ठगी का प्रयास

महासमुंद। विधायक का पीए बताकर दो लोगों से एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा ठगी करने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। जब इस बात की जानकारी विधायक को हुई तो उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि अज्ञात मोबाइल धारक बेटे का फीस जमा करने के नाम पर खाते में रुपए डालने के लिए कहा था। मामला महासमुंद सिटी कोतवाली का है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मेघा टेंभुरकर का कहना है कि विधायक ने शिकायत दर्ज कराई कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन से बेटे के फीस जमा करने के लिए ठगी का प्रयास कर रहा है। साइबर सेल को नंबर ट्रेस करने दिया गया है। विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने बताया कि लकी व सोमश दोनों मेरे पहचान के हैं। दोनों मनी ट्रांसफर का काम करते हैं। इसके पास से मैं भी काम कराता हूं। शुक्रवार को लकी के मोबाइल नंबर पर एक फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि विधायक विनोद सेवन बात करना चाहते हैं। उसके बाद विधायक बनकर बात करने वाले ने कहा कि मैं किसी काम से बाहर आ गया हूं और हमारे लड़के का फीस 21776 रुपए जमा करना है। मैं नंबर देता हूं उसमें पैसे डाल दो और घर जाकर पैसे ले लो। इसी प्रकार दूसरा फोन सोमेश के पास आया और अपने आप को पीए बताया और कहा कि विधायक के लड़के की फीस 21776 रुपए जमा करा दो, नंबर दे रहा हूं और घर से ले लेना। लकी व सोमश दोनों ने कंफर्म करने तत्काल विधायक से बात की, जिस पर विधायक ने नकारा।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बेरला, जिला- बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

1158 दिनांक 9.6.2020

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोमिता माहेश्वरी पति संतोष माहेश्वरी साकिन देवरबीजा तहसील बेरला जिला बेमेतरा द्वारा अपने भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम देवरबीजा स्थित भूमि ख.नं. 384/2, 389 रकबा 0.86, 0.33 हे. भूमि को औद्योगिक (राईस मिल गोदाम) प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किए जाने हेतु आवेदन पत्र पेश किया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति का उजर दावा हो तो दिनांक 30.06.2020 तक स्वतः अधोहस्ताक्षर कर्ता के न्याायलय में शाम 5.00 बजे तक दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं। तथा समय पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय के पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

सील

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेरला

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बेरला, जिला- बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

1157 दिनांक 9.6.2020

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दौलतराम माहेश्वरी पिता बाल किशन माहेश्वरी साकिन देवरबीजा तहसील बेरला जिला-बेमेतरा द्वारा अपने भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम देवरबीजा स्थित भूमि ख.नं. 1058/12 रकबा 0.01 हे. भूमि को आवासीय सह व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किए जाने हेतु आवेदन पत्र पेश किया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति का उजर दावा हो तो दिनांक 30.06.2020 तक स्वतः अधोहस्ताक्षर कर्ता के न्याायलय में शाम 5.00 बजे तक दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं। तथा समय पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय के पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

सील

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेरला

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हमारी खबर पर फिर...

बता दे की ग्राम पंचायत सरंगपाल से सटे ग्राम पंचायत साल्हेटोला लगा हुआ है।जहाँ के किसानो की उपजाऊ खेती महानदी के उफनते सैलाब की चपेट में समाकर किसानों की खेत कम होने लगे थे।सैलाब की चपेट में आए किसानों की खेत के कटाव लगातार होने से किसानों के माथे पर चिंता की लकीर खिंचा गई थी।और प्रभावित किसान तत्कालीन मध्यप्रदेश सरकार से लेकर नवगठित छत्तीसगढ़ सरकार से विगत 26 साल से गुहार लगाकर थक चुके थे।लेकिन किसानों पर यह कहावत सटीक जमती है।की देर आए दुरुस्त आए यानी किसान अपनी मांगों को लेकर विगत 26 साल से गुहार लगाई और वर्तमान छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार और विधायक शिशुपाल शोरी के प्रयास से किसानों की मांग अब पूरी होती दिखाई दे रही है।अब प्रभावित किसान बेहद खुश दिख रहे है।और वर्तमान सरकार विधायक का आभार व्यक्त किया है।

सरकारी जमीन का आवंटन...

प्रचलित गाईडलाईन के आधार पर किया जाएगा।

ऐसा गुस्सा.. डेढ़ साल की बच्ची...

जानकारी के मुताबिक, जांजगीर निवासी अशोक कुमार रात्रे (28) पुत्र वंशराम रात्रे यहां दीपका क्षेत्र के गांधी नगर में पत्नी रागिनी रात्रे (25) और डेढ़ साल की बेटी एशि के साथ किराये से मकान लेकर रहता था। शनिवार सुबह जब काफी देर तक कोई दिखाई नहीं दिया तो आसपास के लोगों ने आवाज लगाई। कोई जवाब नहीं मिलने पर दरवाजा भी खटखटाया, लेकिन कोई बाहर नहीं निकला। इसके बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर गई तो तीनों के शव फंदे से लटके हुए थे। इसके बाद उनके शवों को नीचे उतारा गया। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच देर रात तक झगड़े की आवाजें आ रही थीं। ऐसे में अंदेशा है कि इसी के चलते अशोक ने दोनों की हत्या की होगी और फिर खुद भी पंखे से फंदा लगाकर जान दे दी। सूचना मिलने पर परिवार के लोग पहुंच गए हैं। वहीं अकलतरा में रागिनी के परिवार को भी सूचना दी गई है।

राजधानी के ब्राम्हणपारा में मिली...

एक्टिव केस 962 के करीब हैं।

राजधानी में आज एक और केस देर शाम पुष्टि हुई है जिसमें आजाद चौक-ब्राम्हणपारा शनि मंदिर के बाजू वाली गली में महिला संक्रमित पाई गई है। महिला की कोई ट्रेवल हिस्ट्री नहीं है और वह गृहणी है। कुछ दिन पहले स्वास्थ्य खराब होने पर निजी चिकित्सकों को दिखाने के बाद परामर्श पर एम्स भेजा गया था, जांच रिपोर्ट आने पर आज देर शाम महिला को एम्स में दाखिल करा दिया गया है। उनके परिवार के सदस्य को होम क्वारेंटाइन कर दिया गया है। आसपास के इलाके को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में पेसा कानून...

चर्चा में शामिल सभी लोगों से प्रदेश में इस कानून को प्रभावी तरीके से लागू करने सुझाव मांगे। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री गौरव द्विवेदी भी मौजूद थे। आदिवासी समाज और नागरिक संगठनों के अनेक प्रतिनिधि वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए भी चर्चा में शामिल हुए।

जानकारों के सुझावों को किया जाएगा शामिल: उन्होंने कहा कि 'पेसा' अनुसूचित क्षेत्र के लोगों के लिए संवेदनशील विषय रहा है। इसे लागू करने के लिए अनुसूचित क्षेत्रों के रहवासियों, समुदायों, जनप्रतिनिधियों और आदिवासी मुद्दों के जानकारों के सुझावों को शामिल कर नियम तैयार किए जाएंगे। श्री सिंहदेव ने कहा कि 'पेसा' के लिए नियम बनाने आज शुरू हुई चर्चा का विस्तार किया जाएगा। अनुसूचित क्षेत्रों वाले जिलों और विकासखंडों के लोगों से भी चर्चा कर उनके सुझावों को इसमें शामिल किया जाएगा।

3 8 प्रावधान प्रदेश में प्रभावी ढंग होगा लागू: उन्होंने कहा कि 'पेसा' के सभी 38 प्रावधान प्रदेश में प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.)

anaranpalika3@gmail.com

क्र./534/न.पा./लो.नि.वि./2020-21 आरंग, दिनांक 08/06/2020

// मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना //

नगर पालिका परिषद आरंग में निम्नांकित कार्यों के लिए सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/ इच्छुक फर्मो से निविदा प्रपत्र ''अ'' एवं ''ब'' में सीलबंद निविदाएं दिनांक 30.06.2020 सायं 4.00 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में स्पीड पोस्ट/ पंजीकृत डाक के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रुपए लाख में)	कोरा निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4
1	निकाय के विभिन्न बोर में ब्लास्टिंग एवं फंसे सबमर्सिबल पम्प को निकालने तथा सफाई कार्य	10.00	26.06.2020
2	निकाय में उपलब्ध वाहनों पानी टेंकर, वैक्यूम एम्पटीयर, जे.सी.बी. मशीन एवं अन्य स्वच्छता वाहनों का मरम्मत कार्य।	10.00	--,,--

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद आरंग

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, राजनांदगांव (छ.ग.)

// निविदा निरस्तीकरण सूचना //

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा, निविदा सूचना क्रमांक-23 दिनांक 28.05.2020, समूह क्रमांक -2 जिसके अंतर्गत विकासखंड छुरिया के ग्राम पैरीटोला में पाईप लाईन कार्य की निविदा को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है। इस निविदा का समूह क्रमांक 01 तथा निविदा की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

जी-81525/2

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

श्रद्धा को अभी काम नहीं करने देगें शक्ति

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता शक्ति कपूर का कहना है कि वह अभी अपनी बेटी श्रद्धा कपूर को काम करने नहीं देंगे। कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए लोगों की सुरक्षा के लिए देश भर में लॉकडाउन कर दिया गया था। वहीं, देश लॉकडाउन धीरे-धीरे खुल रहा है और अनलॉक-एक के साथ कई रियायतें भी मिल रही हैं। धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ा काम भी शुरू हो रहा है। जहां एक तरफ फिल्में शुरू होने के कारण मेकर्स और कई एक्टर्स के बीच खुशी का माहौल है, वहीं दूसरी तरफ श्रद्धा कपूर के पिता शक्ति कपूर अपनी बेटी श्रद्धा को काम शुरू नहीं करने देना चाहते हैं।

शक्ति कपूर का कहना है कि ÷मैं काम के लिए भी घर से बाहर न निकलूंगा और न ही किसी को जाने दूंगा। मैं श्रद्धा को भी काम करने बाहर नहीं जाने दूंगा। मुझे नहीं लगता कि अभी ये खतरा कम हुआ है। मुझे ऐसा अहसास हो रहा है कि असल तबाही तो अभी आनी बाकी है। मैं अपने बच्चों को बिलकुल भी इस समय बाहर जाने की इजाजत नहीं दूंगा। शक्ति कपूर ने कहा, ÷मैं जानता हूं कि काम बहुत जरूरी है, लेकिन जिंदगी से ज्यादा जरूरी नहीं है। यह बड़ी अजीब बात होगी यदि लोग शूट शुरू कर देंगे। मैंने इंडस्ट्री के अपने ग्रुप से भी कहा है कि अभी हमें और इंतजार करना बहुत जरूरी है। इस वक्त बाहर बहुत खतरा है.. घर पर बैठना ही ठीक है।

हर प्रोजेक्ट को चुनौती मानते हैं अमिताभ

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन का कहना है कि वह हर प्रोजेक्ट को चुनौती मानते हैं। शुजीत सिरकार के निर्देशन में बनी फिल्म गुलाबो सिताबो अमेजन प्राइम पर 12 जून को रिलीज हो गयी है। फिल्म में अमिताभ और आयुष्मान ने मुख्य भूमिका निभायी है।अमिताभ ने फिल्म गुलाबो सिताबो में काम करने के दौरान आई सबसे बड़ी चुनौतियों के बारे में बताया।उन्होंने कहा, ÷हर दिन चार से पांच घंटे तक प्रोस्थेटिक मेकअप में रहता था। बुजुर्ग मिर्जा के किरदार के लिए मई की तेज गर्मी के मौसम में इसमें परेशानी हुई। यदि आप खूद को पेशेवर कहते हैं तो यह सब इसके साथ आता है, और आप इसे अच्छी तरह से स्वीकार करते हैं और इसका आनंद लेते हैं। फिल्म गुलाबो सिताबो में अमिताभ ने मिर्जा की भूमिका निभाई है, जो लखनऊ के बीचों-बीच बसी एक पुरानी जीर्ण हवेली के मकान मालिक हैं, जिसका नाम फातिमा महल है। जबकि आयुष्मान खुराना उनके चतुर किरायेदार बांके हैं। अमिताभ ने कहा कि इस फिल्म पर काम करना एक आनंदमय अनुभव था। उन्होंने कहा लखनऊ शहर, वहां के लोग और उनके साथ काम करने में बहुत खुशी हुई।

तापसी ने कविता के जरिये प्रवासी मजदूरों के दर्द को किया बयां

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू ने एक कविता के माध्यम से प्रवासी मजदूरों के उस दर्द को आवाज दी है, जिनका सामना उन्होंने कोरोना काल में किया है।

तापसी का कहना है कि यह महामारी देश के लिए वायरल इंफेक्शन से कहीं ज्यादा बदतर रही है। तापसी की कविता का शीर्षक 'प्रवासी' है जिसके वीडियो में लॉकडाउन के दौरान वायरल हुए उन तमाम मजूदरों की तस्वीरें हैं, जिनके दर्द को देखकर पूरा देश भावुक हो गया था। इन तस्वीरों को एनिमेशन का रूप दिया गया है। वीडियो की शुरुआत 'हम तो बस प्रवासी हैं, क्या इस देश के वासी है' इन पंक्तियों के साथ होती है।

दर्दभरी एनिमेटेड तस्वीरों के साथ तापसी बैकग्रांउड में अपनी आवाज में कविता पढ़ती रहती हैं। इसमें उन प्रवासियों की समस्याओं एवं परेशानियों को प्रस्तुत किया गया है, जो किसी इंसान के दिल को झकझोर कर रख देने के लिए काफी है। तापसी ने लिखा ,तस्वीरों की एक श्रृंखला, जो शायद हमारे दिमाग से कभी नहीं मिट पाएगी। ये पंक्तियां लंबे समय तक हमारे दिमाग में गूजेंगी। यह महामारी भारत के लिए एक वायरल इंफेक्शन से भी बदतर रही।

अमिताभ के साथ काम कर रोमांचित हैं आयुष्मान

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना महानायक अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म गुलाबो सिताबो में काम कर रोमांचित महसूस कर रहे हैं।

शुजीत सिरकार के निर्देशन में बनीं फिल्म गुलाबो सिताबो अमेजन प्राइम पर 12 जून को रिलीज हो गयी है। फिल्म में अमिताभ और आयुष्मान ने मुख्य भूमिका निभायी है।आयुष्मान ने अमिताभ के साथ अपने अनुभवों को शेयर करते हुये सोशल मीडिया पर लिखा ,÷जब भी हमारे देश में कोई नौजवान अभिनय के क्षेत्र में कदम रखना चाहता है तो उसका ध्येय होता है अमिताभ बच्चन। मेरी आखिरी फिल्म में एक डायलॉग था कि बच्चन बनते नहीं है, बच्चन तो बस होते हैं। जब मैंने बचपन में चंडीगढ़ के नीलम सिनमा में 'हम' देखी थी और बढ़े से बच्चन को बढ़े से पर्दे पर देखा था तो शरीर में ऐसी ऊर्जा उत्पन्न हुई जिसने मुझे अभिनेता बनने पर मजबूर कर दिया।

भारतीय टीम बड़े मैचों का दबाव नहीं झेल पाती: गंभीर

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का मानना है कि भारतीय टीम आईसीसी टूर्नामेंटों के बड़े मैचों में दबाव नहीं झेल पाती है और यही वजह है कि उसने कई निर्णायक मैच गंवाएं हैं।

नई दिल्ली (वार्ता)। गंभीर ने स्टार स्पोटर्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड में बड़े टूर्नामेंटों में भारतीय खिलाड़ियों के दबाव झेलने पर कहा, ÷एक अच्छे खिलाड़ी और एक बहुत अच्छे खिलाड़ी में यह अंतर होता है कि आप निर्णायक मुकाबलों में कैसा प्रदर्शन करते हैं जो आपको ऐसे मैच जिता सके। मेरी नजर में भारतीय टीम इन मैचों में दबाव नहीं झेल पाती है जबकि अन्य टीमें ऐसा कर लेती हैं।

उन्होंने कहा, ÷अगर आप सेमीफाइनल और फाइनल के प्रदर्शन को देखें तो आपको दिखेगा कि टीम लीग स्तर में बेहतरीन प्रदर्शन करती है लेकिन जैसे ही सेमीफाइनल और नॉकआउट मुकाबले आते हैं तो टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहता है। यह शायद कमजोर मानसिकता के कारण हो सकता है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, ÷हम हमेशा कहते हैं कि हमारे पास सब कुछ है। हमारे पास विश्व चैंपियन बनने की झमता है लेकिन जब तक आप इसे क्रिकेट के मैदान पर साबित नहीं करते तब तक आप विश्व चैंपियन नहीं कहला सकते । गंभीर ने कहा, ÷आपको ऐसी स्थिति में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करना होगा। मैं हमेशा कहता हूं कि द्विपक्षीय सीरीज और लीग स्तर में आपके पास गलती करने के मौके होते हैं लेकिन नॉकआउट में आप गलती नहीं कर सकते। अगर आपने गलती की तो आपको सीधे घर जाना होगा। इस जगह भरोसे की जरुरत पड़ती है जो निर्णायक मुकाबलों में भारतीय टीम के पास नहीं होती। उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम अकसर नॉकआउट मुकाबलों में गोता खा जाती है। टीम इंडिया को 2016 में हुए टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज, 2017 में चैंपियंस ट्राफी के फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान और पिछले साल हुए आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप के सेमीफाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इन सभी टूर्नामेंटों के लीग मुकाबलों में टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन किया था।

पूर्व क्रिकेटर वसंत रायजी का 100 वर्ष की उम्र में निधन

मुंबई (वार्ता)। भारत के सबसे उम्रदराज पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर वसंत रायजी का मुंबई में शनिवार को निधन हो गया। वह 100 वर्ष के थे।

रायजी के दामाद सुदर्शन नानावटी ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए बताया कि पूर्व क्रिकेटर की मृत्यु उम्र संबंधी बीमारी के कारण हुई है। रायजी के दामाद के अनुसार उनकी मृत्यु रात को दो बजकर 20 मिनट पर मुंबई स्थित उनके निवास पर हुई। उनके परिवार में पत्नी और दो पुत्रियां हैं।

दाएं हाथ के बल्लेबाज रायजी ने 1939 में क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया के लिए फेस्टिवल मैच में नागपुर में मध्य प्रांत और बेरार के खिलाफ पदार्पण किया था। इस मैच में दिग्गज क्रिकेटर सीके नायुडू, मुश्ताक अली, विजय हजारे और लाला अमरनाथ जैसे खिलाड़ी भी शामिल थे। रायजी इसके बाद 1941 में मुंबई के लिए खेले। उन्होंने मुंबई के लिए विजय मर्चेंट की कप्तानी में वेस्टर्न इंडिया के खिलाफ अपना पदार्पण किया था। उन्होंने अपने करियर में कुल नौ प्रथम श्रेणी मैच खेले। नौ मैचों की 14 पारियों में उन्होंने 277 रन बनाए जिसमें 68 रन उनका सर्वाधिक स्कोर था। उनका एक दशक लम्बा करियर द्वितीय विश्व युद्ध के कारण प्रभावित रहा। वह बाद में क्रिकेट इतिहासकार बने और उन्होंने कई किताबें लिखीं।

महेन्द्र सिंह धोनी क्रिकेट के सबसे बड़े सुपरस्टार हैं : ड्वेन ब्रावो

नई दिल्ली (वार्ता)। भारत की विश्व कप के सेमीफाइनल में हार के बाद महेंद्र सिंह धोनी की जितनी भी आलोचना की जाती रही हो लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स के कैरेबियाई ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो का कहना है कि चेन्नई टीम के कप्तान धोनी क्रिकेट के सबसे बड़े सुपरस्टार हैं। ब्रावो 2011 से चेन्नई टीम में शामिल हैं और अकसर धोनी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हैं। चेन्नई ने 2010, 2011 और 2018 में आईपीएल का खिताब जीता था और यह तीनों खिताब उसने धोनी के नेतृत्व में जीते हैं। ब्रावो ने जिम्बाब्वे के पूर्व तेज गेंदबाज पोमी मबांग्वा के साथ इंस्टाग्राम पर लाइव चैट के दौरान चर्चा करते हुए चेन्नई के साथ बिताए अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा, ÷धोनी हमारी टीम के और क्रिकेट के सबसे बड़े सुपरस्टार हैं। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जिनसे आसानी से मेलजोल बढ़ाया जा सकता है। मैदान के बाहर वह वीडियो गेम्स खेलते हैं और लोगों के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं। ऑलराउंडर ने कहा, जब भी आप सबसे बड़े सुपरस्टार की बात करते हैं तो इसके लिए एक ही व्यक्ति का नाम सामने आता है और वह हैं धोनी।

ऑस्ट्रेलिया के स्टेडियम में 10 हजार से अधिकतम लोगों को ही मिलेगा प्रवेश

मेलबोर्न (वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मोरिसन ने शुक्रवार को कहा कि देश में जुलाई से सामाजिक दूरी प्रतिबंधों में ढील देने के उद्देश्य से छोटे स्टेडियमों में 10000 दर्शकों को ही प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। मोरिसन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के राज्य इस बारे में काम कर रहे हैं जिसमें 40000 की क्षमता वाले स्टेडियमों में 10000 दर्शकों को प्रवेश करने की अनुमति दी जायेगी। उन्होंने कहा कि यह नियम कंसर्ट और उत्सवों में भी लागू किया जाएगा। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मोरिसन ने कहा, ÷इसके लिए बड़ा क्षेत्र चाहिए। स्टेडियमों में बैठने के लिए उचित दूरी होनी चाहिए। इसके लिए टिकट लगनी चाहिए जिससे लोगों को समझ आए कि इवेंट में कितने दर्शक हैं।

बुल्गारिया ओपन टेबल टेनिस टूर्नामेंट रद्द

बीजिंग (वार्ता)। कोरोना वायरस के कारण वर्ल्ड टूर बुल्गारिया ओपन टेबल टेनिस टूर्नामेंट को रद्द कर दिया गया है। अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) ने शुक्रवार को यह घोषणा की। बुल्गारिया ओपन का आयोजन एक से छह सितम्बर तक होना था। इसके अलावा चेक ओपन यात्रा प्रतिबंधों के कारण पूरी तरह अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट के रूप में आयोजित नहीं होगा।

ओलंपिक के 80 फीसदी आयोजन स्थल सुरक्षित: टोक्यो 2020

टोक्यो 2020 के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तोशिरो मुतो ने शुक्रवार को कहा कि अगले साल होने वाले ओलंपिक खेलों के 80 फीसदी आयोजन स्थल सुरक्षित हैं।

टोक्यो (वार्ता)। मुतो ने कहा कि सुरक्षित आयोजन स्थलों में नया नेशनल स्टेडियम भी शामिल है और अन्य स्थलों को सुरक्षित करने को लेकर चर्चा जारी है। मुतो ने कहा, ÷हम उसी आयोजन स्थल का इस्तेमाल करने की कोशिश करेंगे। समायोजन की कोशिश जारी है लेकिन हम 80 फीसदी आयोजन स्थल को इस्तेमाल कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि वह इस बात की गारंटी नहीं दे सकते कि ओलंपिक अगले साल गर्मियों में आयोजित किए जाएंगे लेकिन साथ ही कहा कि टोक्यो 2020 खेलों को सुरक्षित तरीके से आयोजित करने के लिए हरसंभव कोशिश करेगा। मुतो ने कहा, ÷मुझे नहीं लगता कि कोई इस बात की गारंटी नहीं ले सकता है कि ओलंपिक और पैरालम्पिक का 100 फीसदी आयोजन होगा। लेकिन हम अगले साल खेलों को आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। जब तक हमारे पास कोरोना को रोकने के उपाय रहेंगे, हम 2021 में खेलों का आयोजन सुनिश्चित करेंगे। टोक्यो सरकार ने गुरुवार को टोक्यो अलर्ट हटा लिया था और व्यवसाय प्रतिबंधों में भी शुक्रवार से ढील दी थी। इसके बावजूद दुनियाभर में कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण ओलंपिक के आयोजन पर संशय बना हुआ है।

मुतो ने कहा कि टोक्यो 2020 दुनियाभर में हालात की समीक्षा करेगा और विशेषज्ञों से राय लेगा इसके बाद ही उपायों पर चर्चा करेगा। उन्होंने कहा कि टोक्यो 2020 तीन सिद्धांतों को अपनाए जिसके लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने अपनी सहमति जतायी है। मुतो ने कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता सुरक्षित वातावरण तैयार करना है। दूसरा ओलंपिक स्थगित होने के कारण लागत को कम से कम रखना और तीसरा खेलों को साधारण तरीके से

अजरबैजान, सिंगापुर और जापान फार्मूला वन ग्रां प्री रद्द

नई दिल्ली (वार्ता)। इस साल अजरबैजान, सिंगापुर और जापान में होने वाली फार्मूला वन ग्रां प्री रेसों को कोरोना वायरस के खतरे के कारण रद्द कर दिया गया है। आयोजकों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। फॉर्मूला वन ने इससे पहले मोनाको ग्रां प्री सहित चार रेस को रद्द कर दिया था। कोरोना वायरस के कारण दुनियाभर में खेल गतिविधियां ठप्प पड़ी हुई हैं और कई टूर्नामेंटों को स्थगित या रद्द किया जा चुका है। फॉर्मूला वन ने बयान जारी कर कहा, ÷कोरोना के कारण मौजूदा चुनौतियों को देखते हुए हमने अजरबैजान, सिंगापुर और जापान के आयोजकों के साथ चर्चा कर 2020 सत्र के लिए उनकी रेसों को रद्द करने का फैसला किया है।

विश्व कप जीतने के बाद क्रिकेटरों की मैच फीस 1500 रुपये, भत्ता 200 रुपये

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेटरों को आजकल आईपीएल में करोड़ों की कीमत मिलती है और उनकी मैच फीस लाखों रुपये होती है लेकिन 1983 में कपिल देव की कप्तानी में पहली बार विश्व कप जीतने के बाद भारतीय क्रिकेटरों को मैच फीस में 1500 रुपये और दैनिक भत्ता 200 रुपये मिलता था। भारत ने 25 जून 1983 को शक्तिशाली वेस्ट इंडीज को हराकर पहली बार विश्व कप जीता था। भारत ने उसी साल दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ 21 सितम्बर को दिन-रात्रि का प्रदर्शनी एकदिवसीय मैच खेला था। यह मैच प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए खेला गया था जिसे भारतीय एकादश ने एक विकेट से जीता था। यह आधिकारिक एकदिवसीय मैच नहीं था।

इस मुकाबले में पाकिस्तान ने 50 ओवर में तीन विकेट पर 197 रन बनाये थे। पाकिस्तान के लिए ओपनर मोहसिन खान ने 50 और मुदस्सर नजर ने 65 रन बनाये थे।

■ न्यूज गैलरी

विद्याचरण शुक्ल को कांग्रेस भवन में दी गई श्रद्धांजलि

भाटापारा। झीरम घाटी के नक्सली हमले में गोली लगने से घायल नेता पं.विद्याचरण शुक्ल की 11 जून 2013 को जिंदगी की जंग हारकर शहीद हो गए। उनके पुण्यतिथि को शहादत दिवस के रुप में कांग्रेस भवन में मनाया गया।,विद्या भैया भारत की राजनीति के सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति में से एक थे, 9 बार सांसद निर्वाचित हुए एवं अनेक महत्वपूर्ण मंत्रालय में केंद्र में मंत्री रहे, उनकी दूरदर्शी सोच एवं मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ में उनके किए कार्यो एवं योगदानों को भुलाया नही जा सकता, सभी ने उनके जीवन के अनेको संस्मरणों का स्मरण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की, आज के कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ,ग्रामीण अध्यक्ष भरत वर्मा, प्रदेश सचिव सुशील शर्मा, प्रदेश प्रतिनिधि सतीश अग्रवाल, पालिका उपाध्यक्ष त्रिलोक सलूजा, सभापति आलोक मिश्रा, जिला महामंत्री अशोक तिवाड़ी, कोशाध्यक्ष सत्य नारायण जोशी, ब्लाक महामंत्री प्रशान्त गाँधी, नानू सोनी, शैलेंद्र अहिरवार, मुकेश साहू एल्डरमैन, गोपाल शर्मा, रोशन हबलानी, अरुण यादव, नरेश चौबे, सचिन्द्र शर्मा, वैभव केशरवानी, कमल ठाकुर, रेवा परप्यानी, परमेश्वर वर्मा, दीपक वर्मा, विजय निषाद, मनहरण वर्मा, पवन यदु, लष्मी अजय पांडे, अजय यादब, नवीन बक्स, लोकेश यादव , गोविंदा देवदास, सत्यजीत शेंडे, चंदन सेन समेत कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खप्पर बाबा मन्दिर में आलोक ने कराया बोर

भाटापारा। नगर के प्रसिद्ध खप्पर बाबा मंदिर मे पार्षदनिधी से बोर कराया गया ,जिसमे मोटरआज पंप लगाकर जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष आलोक मिश्रा व सभापति श्वेता मिश्रा ने उदघाटन किया यह पंप भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने आये श्रद्धालुओ व आसपास के लोगो की जल प्रदान करेगा

ग्राम कैथी में बहने लगी पानी की धारा

भाटापारा। ग्राम पंचायत कैथी मे नवीन बोर का उद्घाटन जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता सत्यनारायण ठाकुर के हाथों से संपन्न हुआ ग्राम पंचायत कैथी के सरपंच अभय अनंत सहित ग्रान वासियो की पुरानी मांग को आज सरिता ठाकुर ने पूरा कर दिया। कैथी ग्रामवासीयो के द्वारा लम्बे समय से गॉव में पानी की समस्या के स्थाई हल के लिए मांग की जा रही थी ग्राम वासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है उक्त परेशानी को देखते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष सरिता सत्यनारायण ठाकुर के द्वारा तत्काल बोर खनन का आदेश उच्च अधिकारी को देते हुए तत्काल बोर खनन हेतु आदेशित किया गया इसके प्रतिपालन में ग्राम पंचायत कैथी में बोर खनन किया गया जिसमें ग्राम वासियों में अत्यंत खुशी की लहर है जिसके लिए ग्राम वासियों द्वारा प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष सरिता सत्यनारायण ठाकुर का आभार जताया है ।

गांव हो या शहर चारों ओर कोरोना का कहर : टेसुलाल धुरंधर

भाटापारा। विधान सभा चुनाव में अपना भाग्य अपना चुके टेसू लाल धुरंधर ने कहा कि आज़ हम वैश्विक महामारी कोरोना काल से गुजर रहे हैं । गांव हो या शहर चारों ओर कोरोना के कहर का ही समाचार है।देश में लाखों लोग संक्रमित व हजारों लोग काल कवलित हो चुके हैं .इसी प्रकार अपने प्रदेश में भी हजारों लोग संक्रमण का शिकार हो चुके हैं तो कुछ लोग मौत के मुंह में समा चुके हैं । श्री धुरन्धर ने कहा की स्थिति की भयावहता से लोग चिंतित व घबराहट में हैं . सरकार की अपनी तैयारी है.तैयारी में कमियां भी है और सुधार की गुंजाइश भी . कमियों को लेकर आरोप प्रत्यारोप का दौर भी जारी है जो कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जरूरी भी है ,लेकिन अब समय आ गया है कि हम सब आपसी विवाद को किनारे कर कोरोना महामारी से निपटने एकजुटता दिखायें .नहीं तो हम अपनी ऊर्जा एक दूसरे से लड़ने में लगाते रहेंगे और कोरोना 'कम्यूनिटी संक्रमण' के स्तर पर पहुंच जायेगा और हम कोरोना पर से अपना नियंत्रण खो देंगे. तब हाथ मलने और सिर धुनने के अलावा कोई विकल्प हमारे पास शेष नहीं रहेगा.ऐसी खतरनाक स्थिति से बचने हमें सावधान रहना होगा.कोरोना का संक्रमण जाति. धर्म .लिंग .भाषा .रंग .रूप आकार व अन्य किसी प्रकार के भेदभाव से मुक्त है अर्थात संक्रमण का शिकार कोई हो सकता है इस बात को गांठ बांध लेना है . उन्होंने कहा कि संक्रमण से बचने सरकार की गाइडलाइन- घर पर रहना . ज़रूरी हो तभी निकलना . भीड़ से बचना .स्वच्छता के नियमों का पालन करना .दो टाईम काढ़ा पीना .योग प्राणायाम करना . फिजिकल/सोशल डिस्टेंस का पालन करना .बार बार हाथ धोना.फेस मास्क लगाकर बाहर निकलना व सेनेटाइजर का अधिकतम उपयोग का अक्षरशः पालन करना है.।

गुरुओं ने साझा किया अहा क्षण ... !

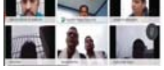

गंडई पंडरिया। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग की महत्वाकांची योजना पढ़ाई तुम्हार दुआर का गंडई संकुल मे सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। संचालन पश्चात शिक्षक पालक एवं बालक के बीच सुदृढ़ संबंध हेतु गुरु तुझे सलाम कैम्पेन की सफलता हेतु जिला एवं विकास खंड के निर्देशानुसार आज गंडई संकुल में संकुल 95 शिक्षकों का वर्चुअल क्लास के माध्यम से अपने जीवन के अहाक्षण पर चर्चा किया किया गया। शिक्षको ने बारी ब्क बारी से अपने अहाक्षण को यादकर उसी में लीन हो गए उक्त मीटिंग में विकासखंड शिक्षाधिकारी कोसरे जी एबीओ वंदना, सुधाकर एवं बीआरसी चौहान भी उपस्थित थे। उन्होंने भी अपना जीवन के अहाक्षण को शिक्षको से साझा किया ।

पेट शॉप और डॉग ब्रीडिंग सेंटर चलाने जीव जंतु बोर्ड की अनुमति जरूरी

■ फिश एक्वेरियम, कलर बर्ड बेचने वाली संस्थानों पर भी नियम होगा लागू FC

भाटापारा। अब पेट शॉप और डॉग ब्रीडिंग सेंटर का संचालन राज्य जीव जंतु बोर्ड की अनुमति से ही किया जा सकेगा। फिश एक्वेरियम और बर्ड शॉप के साथ-साथ उन सभी को यह अनुमति लेनी होगी जो पशु पक्षी या जीव-जंतु का कारोबार कर रहे हैं। बोर्ड ने जिलों में काम कर रहे पशु चिकित्सा विभाग को नए फैसले के परिपालन के लिए आदेश जारी कर दिया है और कहा है कि वह इस काम को प्रमुखता के साथ पूरा करें।

आसान नहीं होगा पेट शॉप या डॉग ब्रीडिंग सेंटर चलाना। फिश एक्वेरियम और पशु पक्षियों को बेचने के पहले वह सभी जरूरी मानक पूरे करने होंगे जिसमें ऐसे पशु पक्षी की सुरक्षा के लिए कड़ी शर्तें शामिल है। यह भी बताना होगा कि आहार के लिए क्या क्या व्यवस्थाएं हैं याने अब इस कारोबार के हर कदम पर राज्य जीव जंतु बोर्ड ने कानून की बेड़ियां लगा दी है। यह नियम उन पर भी समान रूप से लागू होगा जो पालतू मवेशियों व पशुओं का कारोबार कर रहे हैं। कड़ाई इतनी ज्यादा बरती जा रही है कि पोल्ट्री फॉर्म, शूकर फॉर्म, भेड़ और बकरी पालन या विक्रय का कारोबार करने वाले इसकी अनिवार्यता से बांधे जा चुके हैं।

इन्हें दी जिम्मेदारी

राज्य जीव जंतु बोर्ड ने इस नए आदेश के परिपालन की जिम्मेदारी पशु चिकित्सा विभाग को दी है। जिलों में काम कर रहे पशु चिकित्सा सेवाएं कार्यालय प्रमुखों को आदेश का परिपालन करवाने की जिम्मेदारी दी गई है। आदेश के साथ बोर्ड द्वारा जारी आवेदन फार्म भी भिजवाए गए हैं जिन्हें ऐसे कारोबारियों को दिया जाना है और समय रहते उनको भरवाया जा कर बोर्ड मुख्यालय को भेजा जाना है। स्पष्ट किया गया है कि यह आदेश अर्बन एरिया याने शहरी क्षेत्रों के ऐसे कारोबार पर प्रभावी होगा। याने शहरी क्षेत्र में चल रही ऐसी सभी संस्थानों पर यह नियम प्रभावी होगा जो जीव जंतु या पालतू मवेशियों का कारोबार कर रहे हैं।

> अर्बन एरिया से पेट शॉप, डॉग ब्रीडिंग, फिश एक्वेरियम और कलर बर्ड बेचने वाली संस्थानों को राज्य जीव जंतु बोर्ड से कारोबार संचालन की अनुमति लेना जरूरी होगा। इसमें वे सभी कारोबार भी आएंगे जो पालतू मवेशियों को खरीदी बिक्री के काम में लगे हुए हैं।
>
> **- डॉक्टर सीके पांडे,** सहायक संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं बलोदा बाजार

इंडेन उपभोक्ताओं ने की गंडई में सिलेन्डर वितरण की मांग

■ नर्मदा मे होता है वितरण

■ समस्याओ से जूझ रहे उपभोक्ता

गंडई पंडरिया। नगर पंचायत गंडई के गैस उपभोक्ताओ को इन दिनो सिलेन्डर लेने मे समस्याओ से जूझना पड़ रहा है नगर मे सिलेन्डर की रिफलिंग नहीं होने के कारण 7 किलोमीटर दूर नर्मदा से सिलेन्डर लाने जाना पड़ता है इससे समय का नुकसान होता है उपभोक्ताओ ने नगर मे ही इंडेन गैस सिलेन्डर मुहैया कराने की मांग की है ।

नगर के उपभोक्ताओ ने बताया की शिवा गैस एजेंसी खैरागढ़ द्वारा इंडेन गैस सिलेन्डर का वितरण यहाँ के उपभोक्ताओ को किया जाता है नगर संहित अंचल मे कई इनके ग्राहक है बावजूद इनके एजेंसी संचालक द्वारा गंडई नगर मे सिलेन्डर का वितरण नहीं किया जाता बल्कि यहाँ से 7 किलोमीटर दूर ग्राम नर्मदा मे सिलेन्डर की रिफलिंग की जाती है । एजेंसी संचालक द्वारा सप्ताह मे 2 दिन मंगलवार व शुक्रवार को सिलेन्डर वितरण हेतु भेजा जाता है समय निर्धारित नहीं होने के कारण उपभोक्ताओ को खासा परेशानी झेलनी पड़ती है नौकरी पेशा व्यक्तियों को अपना कम छोड़कर समय पूर्व सिलेन्डर लाने दौड़ना पड़ता है । नगर मे एचपी गैस वितरक की एजेंसी भी है लेकिन इंडेन के अधिक ग्राहक होने के बाद उपभोक्ताओ को नगर मे सुविधाएं नहीं मिल पा रही है ।

इस संबंध मे शिवा इंडेन गैस से लैडलाइन नंबर 07820234231 से संपर्क किया लेकिन फोन नहीं उठाया ।

गंडई मे खोले मिनी आफिस

इंडेन उपभोक्ताओ का कहना है की गंडई मे शिवा गैस एजेंसी के संचालक द्वारा एक मिनी ऑफिस खोली जानी चाहिए इससे नगर के ग्राहको को सिलेन्डर की रिफलिंग मे कोई परेशानी नहीं होगी और आसानी से सिलेन्डर मुहैया हो जाएगी इस समस्या को दूर कराने के लिए उपभिकताओ ने एसडीएम व तहसीलदार से भी गुहार लगाई है ।

कोरोना नियत्रंण के साथ विभागीय योजनाओं में प्रगति लाये- प्रभारी मंत्री साहू

गरियाबंद। गुरूवार को जिले के प्रभारी मंत्री ताम्रध्वज साहू ने वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से जिले में कोविड-19 नियत्रंण तथा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होने कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए लोगो को जागरूक करने कहा। इस बीमारी से बचने के लिए सावधानी बरतने तथा देश के अन्य राज्यों से आए श्रमिकों एवं अन्य लोग जिन्हें क्वारेंटाईन सेंटरों में रखा गया हैं वे बाहर नहीं जाएं इसके लिए सरपंच, सचिव एवं पटवारी की जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने क्वारेंटाईन सेंटरों में चाय, नाश्ता, भोजन-पानी और समुचित सुरक्षा व्यवस्था के भी निर्देश दिए हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि जो प्रवासी मजदुर क्वारेंटाइन अवधि पूर्ण कर चुके उन्हे मनरेगा के तहत काम उपलब्ध कराया जाए।

वीसी में विभागीय कार्यो की जानकारी लेते हुए उन्होने कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिए। प्रभारी ने कहा कि जिले के पहुंच विहीन क्षेत्रों में बरसात के पहले खाद्यान्न का भण्डारण सुनिश्चत करे। मानसून के पहले खाद और बीजों का पर्याप्त भण्डारण किया जाए ताकि किसानों को खाद, बीज की कमी ना हो। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप सुराजी गांव योजना नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी विकास के तहत लक्ष्य निर्धारित कर परिणाम मूलक कार्य किया जाए। उन्होने निर्माण कर्यों में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखने को कहा। बरसात के मौसम में आवागमन नहीं रूके और कोई भी गांव पहुंच विहीन नहीं रहे, इसके लिए जिन नदी-नलों पर पूल बनाना हो उसे चिन्हित कर प्राथमिकता से पूर्ण करने कहा। लोक निर्माण, जल संसाधन, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सहित विभिन्न निर्माण विभागों को आय का श्रोत बढ़ाने के लिए खाली पड़े शासकीय भूमि एवं अधिकारियों-कर्मचारियों के नये आवासीय कॉम्लेक्स के साथ ही शॉपिंग कॉम्पलेक्स बनाने को कहा, ताकि उन स्थानों का उपयोग नए आवास के साथ ही व्यवसायिक रूप से किया जा सके।

कंटेंटमेंट एरिया ग्राम केसला को किया गया सील

खरोरा। नगर से सटे ग्राम केशला मे बिलासपुर होटल में काम करने वाला से लौटे युवक निकला कोरोना पाजेटिव निकला कोरोना पाजेटिव की पुष्टी होते ही प्रशासन संक्रमित के घर पहुंचे युवक के घर के आस पास के क्षेत्र को कनटेन्टमेंट एरिया घोषित कर सील किया गया ।

प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम केसला निवासी 32वर्षीय युवक कुछ दिन बिलासपुर से लौट कर आया था जिसे स्थानीय प्रशासन द्वारा होम क्वारटाईन मे रखा गया था दो दिन पूर्व युवक का कोरोना परिक्षण किया गया जहाँ युवक का प्रथम जांच कोरोना पाजेटिव आते ही युवक को रायपुर मेकाहारा भेज जहाँ कोरोना जांच सैंपल लिया गया सैपल रिपोर्ट पाजेटिव आने पर युवक के गांव केशला मे घर के आस पास के क्षेत्र को स्थानीय प्रशासन द्वारा कन्टेटमेंट एरिया घोषित कर सील किया गया ।

बी एम ओ तिल्दा आशिष सिन्हा ने बताया कि युवक को कोरोना संक्रमण की पुष्टी हो गयी है ,रायपुर मे इलाज किया जा रहा है ।

डबरी तालाब का सफाई कार्य शुरू

खरोरा। नगर के हृदय स्थल मे स्थित पुरातन धरोहर डबरी तालाब की अस्तित्व बचाने के लिये विगत पांच वर्षो से चली आ रही सतत् लम्बी लडाई के मध्य आज क्षेत्रीय विधायक अनिता शर्मा के प्रयास व वस्त्र निगम के पूर्व अध्यक्ष तिलकदेवागंन के प्रभावी पहल के बदौलत प्रशासन जगा परिणाम तयः उक्त तालाब की साफ सफाई का कार्य नगर पंचायत द्वारा कराया जा रहा है उल्लेखनीय है कि देख रेख व जरूरी साफसफाई पर स्थानीय प्रशासन की लपरवाही से नगर के प्रमुख जलाशय डबरी तालाब जलकुंभी से पुरी पट गया साथ ही तलाब का पानी गाढा व काला पड चुका है गंदगी व किडे मकोडो से बजबजाती तालाब से अनेक घातक संक्रमण फैलने का डर व तालाब से उठते असहनीय दुगंध के मध्य वार्ड 9 व 10 के रहवासियों का जीना मुश्किल हो रहा है अब चूंकि लम्बे संघर्ष के बाद तालाब की साफसफाई कार्य प्रारंभ होने से वार्ड पार्षद व वार्ड वासी राहत की सांस ली है।

कलेक्टर और सीईओ ने किया नगर के तालाबों का औचक निरीक्षण

गरियाबंद। कलेक्टर छतर सिंह.डेहरे और जिला पंचायत के सी.ई.ओ. विनय कुमार लंगेह ने आज गरियाबंद नगर के छिंद तालाब, देवरनीन तालाब और नया तालाब का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां पर घाट की सफाई और तालाबों में जल भराव क्षमता बढ़ाने एवं सौंदर्यीकरण के लिए मौंके पर उपस्थित नगर पालिका के अध्यक्ष गफ्फार मेमन को आवश्यक पहल करने का सुझाव दिया। इस हेतु नगर के गणमान्य नागरिकों और जन प्रतिनिधियों से आवश्यक सहयोग की बाते कही। कलेक्टर श्री डेहरे ने नगर पालिका की मुख्य कार्यपालन अधिकारी को तालाबों की सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। नया तालाब मेढ़ चैड़ीकरण के लिए तहसीलदार गरियाबंद को निर्देशित किया। पार्षदगणों ने कलेक्टर को अवगत कराया कि नया तालाब ग्राम पंचायत आमदी, पारागांव व गरियाबंद क्षेत्रांतर्गत है। कलेक्टर श्री डेहरे ने उक्त तालाब गहरीकरण व सौंदर्यीकरण के लिए जिला पंचायत के माध्यम से राशि स्वीकृत कराने की बाते कहीं। सी.ई.ओ श्री लंगेह ने आश्वस्त किया कि उक्त तालाब के लिए ग्राम पंचायत पारागांव और आमदी को आवश्यक राशि की स्वीकृति दी जायेगी। इस अवसर पर तहसीलदार श्री राकेश साहू, नगर पालिका की सी.एम.ओ. संध्या वर्मा, जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी डॉ. सुधीर पंचभाई, नगर के पालिका के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सोनटेके एवं पार्षदगण उपस्थित थे।

कांग्रेस ने मनाई स्व. विद्याचरण की पुण्यतिथि कांग्रेस भवन में दी श्रध्दांजली

गरियाबंद। गुरूवार को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भावसिंह साहू के नेतृत्व में कांग्रेसियो ने स्व. विद्याचरण की पुण्यतिथि की स्थानीय कांग्रेस भवन में मनाई। इस दौरान कांग्रेसियो ने उनके द्वारा राष्ट्रहित में किए गए कार्यो का स्मरण किया। जिला अध्यक्ष भावसिंह साहू ने श्रध्दांजली अर्पित करते हुए कहा कि स्व. शुक्ल संघर्षशील नेता थे। देश और अविभाजित मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विकास के लिए श्री शुक्ल को हमेशा याद किया जाएगा। इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष बीरू यादव, जिला कोषाध्यक्ष ओम राठौर, महिला कांग्रेस अध्यक्ष ममता राठौर, कृष्णकुमार शर्मा, राजेश साहू, अवध यादव, सरोजनी रात्रे, देवा मरकाम, भुपेन्द्र चंद्राकर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजुद थे।

एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

छुरा। आई एस बी एम विश्वविद्यालय,नवापारा(कोसमी),छुरा, गरियाबंद मे कला एवं मानवीकी संकाय द्वारा 15 जून, सोमवार को एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है।आज सम्पूर्ण विश्व वैश्विक महामारी कोरोना के चपेट में है।भारत में भी संक्रमित मरीजों की संख्या प्रतिदिन बढती जा रही हैं।मनुष्य लॉकडाउन और अन-लॉकडाउन के बीच जीवन से संघर्ष कर रहा है।इन सब के बीच लोग ऑनलाइन एवं वर्क फ्रॉम होम के माध्यम से अपने कार्य पुरा कर रहे हैं। इन परिस्थितियों में भी हमारी अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं सुरक्षित नहीं है। सीमा पर पाकिस्तान द्वारा लगातार आतंकवादी घटनाएं जारी है, चीन अपनी नापाक इरादों से सीमा पर तनाव की स्थिति निर्मित कर रहा, वहीं दूसरी ओर नेपाल अपने नक्शे में भारतीय सीमाओं को दिखा रहा है।इन्हीं सब मुद्दों पर चर्चा के लिए राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है।जिसका विषय है- भारत का पड़ोसी देशों के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के मुद्दे पर संप्रातिक कुटनीतिक पहल, जिस पर विषय विशेषज्ञों के रूप डॉ.राकेश ढ़ेगवे,विभागाध्यक्ष-राजनीति विज्ञान, शासकीय महाविद्यालय तिल्दा, एवं डॉ. अमन झा,प्राध्यापक- राजनीति विज्ञान, दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ अपने विचार रखेंगे।उक्त राष्ट्रीय वेबिनार मे देशभर के 350 शोधार्थियों ने पंजीयन कराया है।

मोरध्वज साहू ने वद्यार्थियों की समस्या के निराकरण के संबंध में ज्ञापन सौंपा

बालोद। आज शासकीय महाविद्यालय बालोद के सांसद प्रतिनिधि श्री मोरध्वज साहू ने जिले के नव पदस्थ कलेक्टर श्री जनमेजय महोबे जी के माध्यम से छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के नाम महाविद्यालयीन स्वाध्यायी विद्यार्थियों की समस्या के निराकरण के संबंध में ज्ञापन सौंपा। उक्त ज्ञापन में मोरध्वज साहू ने उल्लेख किया कि जब महाविद्यालय के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के नियमित विद्यार्थियों को आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर जनरल प्रमोशन देने का निर्णय लिया जा रहा है तो प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के स्वाध्यायी छात्रों को भी किसी न किसी आधार के माध्यम से जनरल प्रमोशन दिया जा सकता है। उचित लगे तो महाविद्यालय या विश्वविद्यालय एसइन्मेंट बनवा कर या प्रोजेक्ट आदि को आधार मानकर स्वाध्यायी छात्रों को जनरल प्रमोशन दे सकती है। स्वाध्यायी छात्रों का ऐसे महामारी के समय मे परीक्षा लेना या सामूहिक रूप से किसी स्थान पर इकठ्ठा होने देना अभी उचित नही होगा। आगे श्री साहू ने कहा कि वर्तमान में कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के चलते प्रत्येक वर्ग प्रभावित है चाहे वह किसान हो, व्यापारी हो, या विद्यार्थी हो, सभी वर्ग इससे प्रभावित है। आज की स्थिति में कोरोना से लड़ने का केवल एक ही महत्वपूर्ण हथियार है सोशल डिस्टेंसिंग, जिसके पालन के चलते छत्तीसगढ़ बाकि राज्यों की अपेक्षा कोरोना की बड़ी मात्रा में चपेट में आने से बचता रहा है। हाल ही के दिनों में राज्य में जिस प्रकार मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है उससे यह प्रतीत होता है कि हमे और भी सतर्क या जागरूक होने की आवश्यकता है। जब सरकार अनेक महत्वपूर्ण मामलों पर रियायत दे रही है तो स्वाध्यायी छात्रों को भी किसी न किसी आधार के माध्यम से जनरल प्रमोशन दे देना ही उचित है, क्योंकि प्रदेश में स्वाध्यायी छात्रों की संख्या काफी ज्यादा है और उनकी परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा ली जाती है तो उनके साथ अन्याय तो होगा ही साथ ही साथ संक्रमण का बहुत बड़ा जोखिम भी हो सकता है। उच्च शिक्षा विभाग नियमित छात्रों को जनरल प्रमोशन इसलिए दे रही है कि उनके परीक्षा दिलाने हेतु सामूहिक रूप से इकठ्ठा होने से कोरोना संक्रमण का खतरा हो सकता है तो स्वाध्यायी विद्यार्थियों के परीक्षा देने हेतु इकठ्ठा होने से भी तो संक्रमण का खतरा हो सकता है।

न्यूज गैलरी

उड़ानें दुबारा शुरू होने के बाद 10 लाख लोगों ने की यात्रा

नई दिल्ली (वार्ता)। घरेलू यात्री उड़ानें दुबारा शुरू होने के बाद से यात्रा करने वालों की संख्या 10 लाख के पार पहुंच चुकी है। नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज बताया कि 25 मई को उड़ानें दुबारा शुरू होने के बाद 12 जून तक 11,500 से ज्यादा उड़ानों में 10 लाख से अधिक लोग सफर कर चुके हैं। शुक्रवार को भी सात सौ से अधिक उड़ानों का परिचालन हुआ जिनमें 68,146 यात्री अपने गंतव्यों को पहुँचे। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन 22 मार्च से ही बंद है। केंद्र सरकार ने नये दिशा-निर्देशों के साथ 25 मई से एक-तिहाई घरेलू यात्री उड़ानों के परिचालन की अनुमति दी है।

दिल्ली में पेट्रोल 75 रुपये के पार

नई दिल्ली (वार्ता)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत शनिवार को 59 पैसे बढ़कर 75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 58 पैसे बढ़कर 73 रुपये प्रति लीटर के पार निकल गई।

देश में पेट्रोल-डीजल के दाम में सातवें दिन भारी बढ़ोतरी की गई है। इन सात दिनों में दिल्ली में पेट्रोल 3.90 रुपये यानी 5.47 प्रतिशत और डीजल चार रुपये यानी 5.76 प्रतिशत महँगा हो चुका है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में पेट्रोल की कीमत शनिवार को 59 पैसे बढ़कर 75.16 रुपये प्रति लीटर पर पहुँच गई। यह इस साल 18 जनवरी के बाद का इसका उच्चतम स्तर है। डीजल भी 58 पैसे महँगा होकर 73.39 रुपये प्रति लीटर के भाव बिका जो 02 नवंबर 2018 के बाद का इसका अधिकतम खुदरा मूल्य है।

ओला ने वाहन उन्नयन मानकों की शुरू की नयी पहल

नई दिल्ली (वार्ता)। देश की अग्रणी मोबिलिटी प्लेटफार्म एवं दुनिया की सबसे बड़ी राइड हेलिंग कंपनी ओला ने अपने 'राइड सेफ इंडिया' मूवमेंट के तहत वाहनों से जुड़े मानकों के उन्नयन की पहल शुरू की है।

इस पहल के तहत सभी चालकों को गुणवत्तापूर्ण सुरक्षा के उपाय सुनिश्चित करना होगा। इनमें मास्क,सेनिटाइजर और विसंक्रमित करने वाले तरल पदार्थों का उपयोग करना अनिवार्य किया गया है। इन चालकों ने अपने-अपने शहरों में लोगों को गंतव्यों तक पहुंचाने का कार्य शुरू किया है। ओला की यह पहल कंपनी की ओर से नागरिकों और चालकों पर 500 करोड़ रुपये खर्च करने का संकल्प व्यक्त करने के बाद आयी है। गौरतलब है कि सुरक्षा एवं स्वच्छता के उच्च मानकों को हासिल करने के लिए ओला देश के 500 से अधिक फ्यूमीगेशन सेंटर पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये हैं।

गिरावट से उबरा शेयर बाजार, सेंसेक्स 243 अंक चढ़ा

घरेलू शेयर बाजारों में आज भारी उतार-चढाव देखा गया। खुलते ही करीब 1,200 अंक लुढ़कने वाला बीएसई का सेंसेक्स आखिरी घंटे में हुई लिवाली के दम पर 242.52 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की बढ़त में 33,780.89 अंक पर बंद हुआ।

मुंबई (वार्ता)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी शुरुआती गिरावट से उबरकर 70.90 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ 9,972.90 अंक पर बंद हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियों में लिवाली से बाजार हरे निशान में लौटने में कामयाब रहा। यूरोपीय शेयर बाजारों में लौटी तेजी से भी घरेलू स्तर पर निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। महिंद्रा के शेयर सात प्रतिशत और रिलायंस के साढ़े तीन प्रतिशत से अधिक चढ़े। ओएनजीसी में तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही।

मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली का जोर रहा। बीएसई का मिडकैप 0.96 प्रतिशत की छलाँग लगाकर

12,600.15 अंक पर और स्मॉलकैप 0.13 फीसदी चढ़कर 11,845.27 अंक पर बंद हुआ।

अमेरिकी शेयर बाजारों में गुरुवार को छह से सात फीसदी की गिरावट से अन्य एशियाई बाजारों के साथ घरेलू शेयर बाजारों पर भी सुबह जबरदस्त दबाव देखा गया। चौतरफा बिकवाली के बीच सेंसेक्स 1101.68 अंक लुढ़ककर 32,436.69 अंक पर खुला और खुलते ही 32,348.10 अंक तक टूट गया। हालाँकि इसके बाद इसमें लगातार सुधार देखा गया। आखिरी घंटे में यह हरे निशान में लौट आया। कारोबार की समाप्ति से पहले 33,856.27 अंक तक चढ़ने के बाद अंत में 33,780.89 अंक पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार में सेंसेक्स में डेढ़ हजार अंक से अधिक का उतार-चढ़ाव देखा गया।

निफ्टी 351.05 अंक की गिरावट के साथ 9,544.95 अंक पर खुला और खुलते ही 9,544.35 अंक तक उतर गया। सेंसेक्स की तरह इसका ग्राफ भी लगातार ऊपर की ओर बढ़ता गया। अंत में यह 9,972.90 अंक पर बंद हुआ। बीएसई में कुल 2,653 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें से 1,251 कंपनियों के शेयर बढ़त में और इतनों के ही शेयर गिरावट में रहे जबकि 151 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अपरिवर्तित बंद हुये।

मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली का जोर रहा। बीएसई का मिडकैप 0.96 प्रतिशत की छलाँग लगाकर 12,600.15 अंक पर और स्मॉलकैप 0.13 फीसदी चढ़कर 11,845.27 अंक पर बंद हुआ। अमेरिकी शेयर बाजारों में गुरुवार को छह से सात फीसदी की गिरावट से अन्य एशियाई बाजारों के साथ घरेलू शेयर बाजारों पर भी सुबह जबरदस्त दबाव देखा गया। चौतरफा बिकवाली के बीच सेंसेक्स 1101.68 अंक लुढ़ककर 32,436.69 अंक पर खुला और खुलते ही 32,348.10 अंक तक टूट गया।

सरकार ने पूरी कर दी विपक्ष की बड़ी मांग, पीएम केयर्स फंड का होगा ऑडिट

पीएम-केयर्स फंड में दान दी गई रकम पर इनकम टैक्स से 100 फीसदी छूट मिलेगी

नई दिल्ली। पीएम केयर्स फंड के ऑडिट के लिए दिल्ली की एक फर्म को जिम्मा सौंपा गया है। दिल्ली स्थित चार्टर्ड अकाउंटेंसी फर्म SARC & Associates प्रधानमंत्री की नागरिक सहायता और आपातकालीन स्थिति (पीएम केयर) फंड का ऑडिट करेगा। स्वतंत्र ऑडिटर को तीन साल के लिए नियुक्त किया गया है। फंड पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों के सेट में दिए गए विवरण के अनुसार, इस वित्तीय वर्ष के अंत में पीएम केयर्स फंड का ऑडिट किया जाएगा।

यह नियुक्ति इसलिए और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आलोचकों ने राहत कार्यों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) के अलावा बने इस पीएम केयर्स फंड के औचित्य पर सवाल उठाया है। विपक्षी दल इस निधि से धन के उपयोग के बारे में अधिक पारदर्शिता की लगातार मांग कर रहे हैं। फंड की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए स्पष्टीकरण में यह भी कहा गया है कि यह दो अधिकारियों द्वारा मानद आधार पर प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रशासित किया जा रहा है।

बता दें धर्मार्थ ट्रस्टों को आयकर में छूट मिलती है और इसलिए उन्हें चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा ऑडिट करवाने और आयकर विभाग को रिपोर्ट करने की जरूरत होती है। पिछले कुछ वर्षों से धर्मार्थ ट्रस्टों को नियंत्रित करने वाले नियमों को कड़ा कर दिया गया है ताकि प्राप्त धन का उपयोग इच्छित उद्देश्य के लिए हो। विभाग ने लेखापरीक्षा रिपोर्टों में ट्रस्टों के डिस्क्लोजर की आवश्यकता को भी बढ़ाया है।

पीएम-केयर्स फंड में दान दी गई रकम पर इनकम टैक्स से 100 फीसदी छूट मिलेगी। यह राहत इनकम टैक्स कानून के सेक्शन 80जी के तहत मिलेगी। पीएम-केयर्स फंड में दान भी कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी व्यय के रूप में गिना जाएगा। वहीं पीएम केयर्स फंड को भी FCRA के तहत छूट मिली है और विदेशों से दान प्राप्त करने के लिए एक अलग खाता खोला गया है। इससे विदेशों में स्थित व्यक्ति और संगठन पीएम केयर्स फंड में दान दे सकते हैं। यह प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) की ही तरह है। पीएमएनआरएफको 2011 से एक सार्वजनिक ट्रस्ट के रूप में विदेशी योगदान भी मिला है। बता दें प्रधानमंत्री, [illegible] कोष के पदेन अध्यक्ष और भारत सरकार के रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और वित्त मंत्री, निधि के पदेन ट्रस्टी होते हैं। बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के अध्यक्ष (प्रधानमंत्री) के पास 3 ट्रस्टीज को बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज में नामित करने की शक्ति होगी, जो अनुसंधान, स्वास्थ्य, विज्ञान, सामाजिक कार्य, कानून, लोक प्रशासन और परोपकार के क्षेत्र में प्रतिष्ठित व्यक्ति होंगे। ट्रस्टी नियुक्त किया गया कोई भी व्यक्ति निशुल्क रूप से कार्य करेगा।

पीएम-केयर्स फंड में दान दी गई रकम पर इनकम टैक्स से 100 फीसदी छूट मिलेगी। यह राहत इनकम टैक्स कानून के सेक्शन 80जी के तहत मिलेगी। पीएम-केयर्स फंड में दान भी कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी व्यय के रूप में गिना जाएगा। वहीं पीएम केयर्स फंड को भी [illegible] के तहत छूट मिली है और विदेशों से दान प्राप्त करने के लिए एक अलग खाता खोला गया है। इससे विदेशों में स्थित व्यक्ति और संगठन पीएम केयर्स फंड में दान दे सकते हैं। यह प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) की ही तरह है। पीएमएनआरएफको 2011 से एक सार्वजनिक ट्रस्ट के रूप में विदेशी योगदान भी मिला है। बता दें प्रधानमंत्री, [illegible] कोष के पदेन अध्यक्ष और भारत सरकार के रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और वित्त मंत्री, निधि के पदेन ट्रस्टी होते हैं।

जुकरबर्ग का विरोध करने वाले कर्मचारी को नौकरी से निकाला

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका में हुए दंगों को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेसबुक पर एक विवादित पोस्ट डाला था। इस पर फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने ट्रंप का बचाव करते हुए इस पोस्ट पर कार्रवाई करने से इनकार कर दिया था। जुकरबर्ग के इस फैसले का उनके कई कर्मचारियों ने विरोध किया था। उन्हीं कर्मचारियों में से एक ब्रैंडन डायल ने जुकरबर्ग के फैसले की कड़ी आलोचना की थी, जिसे फेसबुक ने नौकरी से निकाल दिया है। वहीं कंपनी ने कहा कि सीईओ के खिलाफ वॉकआउट करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ प्रतिशोध के तौर पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

ब्रैंडन डायल फेसबुक के सिएटल ऑफिस में यूजर इंटरफेस इंजीनियर के पद पर तैनात था। डायल ने ट्विटर पर लिखा कि उसे नौकरी से निकाल दिया है। डेल ही नहीं उनकी टीम के छह अन्य इंजीनियरों सहित दर्जनों कर्मचारियों ने मार्क जुकरबर्ग की खामोशी पर सार्वजानिक तौर पर नाराजगी जताई थी, जिसके बाद उन्हें सफाई पेश करने के लिए सभी कर्मचारियों को वर्चुअली संबोधित करना पड़ा। डेल का कहना है कि उन्हें गलत बात के खिलाफ आवाज उठाने के चलते निकाला गया है। फेसबुक ने ब्रैंडन डायल को नौकरी से निकाले जाने की पुष्टि की है। हालांकि, कंपनी ने इस संबंध में ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया है।

बता दें अमेरिका के मिनीपोलिस में एक अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड को एक दुकान में नकली बिल का इस्तेमाल करने के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें पुलिस अधिकारी को घुटने से आठ मिनट तक जॉर्ज फ्लॉयड की गर्दन दबाते हुए देखा गया। बाद में फ्लॉयड की मौत हो गई। फ्लॉयड की मौत के बाद पूरे अमेरिका में हिंसक प्रदर्शन हुए। इसको लेकर ट्रंप ने फेसबुक पोस्ट में कहा था 'जब लूट शुरू होती है, तो शूटिंग शुरू होती है।'

मालामाल | विदेशी मुद्रा भंडार लगातार छठे सप्ताह बढ़ता हुआ 501.70 अरब डॉलर पर पहुँच गया

पाँच सौ अरब डॉलर का हुआ विदेशी मुद्रा भंडार

मुंबई (वार्ता)। देश का विदेशी मुद्रा का भंडार पहली बार 500 अरब डॉलर के पार पहुँच गया है।

रिजर्व बैंक द्वारा आज जारी आँकड़ों के अनुसार, 05 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार लगातार छठे सप्ताह बढ़ता हुआ 501.70 अरब डॉलर पर पहुँच गया। सप्ताह के दौरान इसमें 8.22 अरब डॉलर की जबरदस्त वृद्धि देखी गई। इससे पहले 29 मई को समाप्त सप्ताह में यह 3.44 अरब डॉलर बढ़कर 493.48 अरब डॉलर रहा था। भारत समेत दुनिया के सिर्फ पाँच देशों के पास 500 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है। इसमें चीन 3,101 अरब डॉलर के साथ शीर्ष पर है। जापान 1,378 अरब डॉलर के साथ दूसरे, स्विटजरलैंड 848 अरब डॉलर के साथ तीसरे और रूस 565

अरब डॉलर के साथ चौथे स्थान पर है जबकि भारत पाँचवें नंबर पर है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार फरवरी 2002 में पहली बार 50 अरब डॉलर पर पहुँचा था। दिसंबर 2003 में यह पहली बार एक सौ अरब डॉलर, अप्रैल 2007 में दो सौ अरब डॉलर और फरवरी 2008 में तीन सौ अरब डॉलर पर पहुँच गया।

वैश्विक आर्थिक मंदी के दबाव में नवंबर 2008 तक एक बार फिर घटकर विदेशी मुद्रा भंडार 245 अरब डॉलर रह गया। यहाँ से दुबारा तीन सौ अरब डॉलर पर पहुँचने में सवा दो वर्ष का समय लगा। फरवरी 2011 में दुबारा यह तीन सौ अरब डॉलर पर पहुँचा। सितंबर 2017 में विदेशी मुद्रा भंडार पहली बार चार सौ अरब डॉलर के स्तर पर और 05 जून 2020 को समाप्त सप्ताह में पाँच सौ अरब डॉलर पर पहुँचने में कामयाब रहा। रिजर्व बैंक के अनुसार, 05 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में 8.42 अरब डॉलर की वृद्धि हुई और सप्ताहांत पर यह 463.63 अरब डॉलर पर रहा। इस दौरान स्वर्ण भंडार 32.90 करोड़ डॉलर घटकर 32.35 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 12 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.28 अरब डॉलर पर और विशेष आहरण अधिकार एक करोड़ डॉलर बढ़कर 1.44 अरब डॉलर पर पहुँच गया।

वैश्विक आर्थिक मंदी के दबाव में नवंबर 2008 तक एक बार फिर घटकर विदेशी मुद्रा भंडार 245 अरब डॉलर रह गया। यहाँ से दुबारा तीन सौ अरब डॉलर पर पहुँचने में सवा दो वर्ष का समय लगा। फरवरी 2011 में दुबारा यह तीन सौ अरब डॉलर पर पहुँचा। सितंबर 2017 में विदेशी मुद्रा भंडार पहली बार चार सौ अरब डॉलर के स्तर पर और 05 जून 2020 को समाप्त सप्ताह में पाँच सौ अरब डॉलर पर पहुँचने में कामयाब रहा। रिजर्व बैंक के अनुसार, 05 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में 8.42 अरब डॉलर की वृद्धि हुई और सप्ताहांत पर यह 463.63 अरब डॉलर पर रहा। इस दौरान स्वर्ण भंडार 32.90 करोड़ डॉलर घटकर 32.35 अरब डॉलर रह गया।

भोगापुरम् हवाई अड्डे के लिए जीएमआर का आंध्र सरकार के साथ समझौता

भोगापुरम् (वार्ता)। जीएमआर समूह की इकाई जीएमआर विशाखापत्तनम् अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (जीवीआईएएल) ने आँध्र प्रदेश के भोगापुरम् में नया हवाई अड्डा बनाने के लिए राज्य सरकार के साथ रियायत समझौते पर हस्ताक्षर किया है।

भोगापुरम् हवाई अड्डे के निर्माण के लिए बोली प्रक्रिया में इसका आवंटन जीएमआर समूह को किया गया था। राज्य सरकार के साथ रियायत समझौते पर हस्ताक्षर के साथ औपचारिक रूप से हवाई अड्डे के निर्माण और परिचालन का अधिकार उसे मिल गया है। समूह को 40 साल के लिए इस हवाई अड्डे के परिचालन का अधिकार मिला है जिसे बाद में 20 साल और बढ़ाया जा सकेगा। जीएमआर समूह ने आज बताया कि पहले चरण का निर्माण पूरा होने के बाद यह हवाई अड्डा

सालाना 60 लाख यात्रियों की आवाजाही के लिए तैयार होगा। समझौते की अवधि के दौरान हवाई अड्डे की डिजाइनिंग, निर्माण, वित्त की व्यवस्था, विकास, परिचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी जीवीआईएएल की होगी। विशाखापत्तनम् से 25 किलोमीटर की दूरी पर बनने वाला भोगापुरम् हवाई अड्डा आँध्र प्रदेश का मुख्य हवाई अड्डा होगा। राज्य के विभाजन के बाद हैदराबाद हवाई अड्डा तेलंगाना में चला गया है। विशाखापत्तनम् में नौसेना के हवाई अड्डे से अभी नागरिक विमान सेवाओं का भी संचालन किया जाता है।

आज का भविष्यफल

मेष: आज आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कुछ आकस्मिक लाभ भी हो सकता है। आज सुबह से ही किसी नई सोच को लेकर आपके अंदर नई शक्ति और उर्जा का संचार होगा।

वृषभ: आज आप कुछ ज्यादा ही भावुक रहेंगे, जरूरतमंदों की स्थिति देखकर आप सहायता करने के लिए आगे आ सकते हैं। आप अपने किए कार्यों से संतोष और आनंद की अनुभूति करेंगे।

मिथुन: भाग्य आज आप पर मेहरबान हो रहा है। जो भी काम करेंगे उनमें आप सफल होंगे। कोई भी काम उतावलेपन में ना करें, योजना बनाकर काम करेंगे तो सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

कर्क: आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं। अपनी कार्यकुशलता से समस्या का समाधान निकालने का प्रयास करें।

सिंह: कारोबार में अचानक आशा से अधिक लाभ व प्रगति होने से खोया हुआ विश्वास प्राप्त होगा। संतान पक्ष से अपेक्षित समाचार मिलेगा।

कन्या: अचानक कोई शुभ सूचना से मन प्रसन्न रहेगा। काफी दिनों से जो असमंजस बना हुआ है, आज उसका अंत होगा और मायूसी भी समाप्त हो जाएगी।

तुला: योग्यता के अनुसार मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान से सुखद समाचार प्राप्त होगा। यात्रा की योजना हो सके तो आज टाल दें।

वृश्चिक: आज आपकी मानसिक प्रवृत्ति नकारात्मक रह सकती है। क्रोध एवं आवेश से बचें। वाणी पर संयम रखें और वाद-विवाद से दूर रहें। आज आपका घरेलू और व्यावसायिक वातावरण काफी अस्त-व्यस्त रह सकता है। कई प्रकार के विवाद और झंझट आपके सामने आ सकते हैं।

धनु: आपके पराक्र म में वृद्धि होगी। प्रिय व्यक्तियों के साथ मुलाकात यादगार रहेगी। यात्रा को महामारी के दौर में टालने में ही भलाई है, अगर बहुत जरूरी हो तो सावधानी के साथ घर से बाहर निकलें।

मकर: आज आपका मूड सुबह से ही अच्छा रहेगा। अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। आज कोई नया कार्य या प्रोजेक्ट शुरू करना लाभदायक रहेगा।

कुंभ: काम का दबाव आज अधिक रहेगा, लेकिन सोचा हुआ कार्य पूर्ण होगा। गैर जरूरी कार्यों में आज हाथ ना डालें, योजना बनाकर काम करें। कार्य सिद्धि का दिन है।

मीन: आज का दिन उतार-चढाव भरा रह सकता है। गैर जरूरी खर्चे हो सकते हैं। हो सके तो उधार लेन-देन करने से बचें। यात्रा करने से परहेज करें और मास्क लगाकर ही घर से बाहर निकलें।

सू- दोकू क्र.052

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.51का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

शब्द सामर्थ्य -052

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. डर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बर्बादी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अहेरी 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

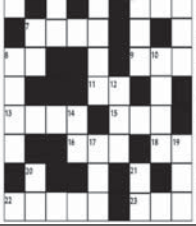

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 51 का हल

20 फीसदी कोयला ट्रांसपोर्टिंग का काम मिले भू-विस्थापितों को

नव प्रदेश संवाददाता

कोरबा। साउथ इस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड (एसईसीएल) की कोयला खदान के लिए अपनी जमीन देने वाले किसानों ने अपने हक की लड़ाई के लिए हाई कोर्ट बिलासपुर का दरवाजा खटखटाया है। याचिका में कहा गया है कि कोल इंडिया की नई पॉलिसी में 20 फीसदी कोयला ट्रांसपोर्टिंग का काम भू-विस्थापितों की सोसाइटी को दिया जाना शामिल किया गया है। एसईसीएल फंक्शनल डायरेक्टर्स (एफडी) की बैठक में इस पॉलिसी को पारित किया गया, पर उसका पालन नहीं किया जा रहा।

एसईसीएल की सरईपाली ओपन कास्ट कोयला खदान में उत्पादन प्रक्रिया शुरू करने की प्रबंधन ने तैयारी कर ली है। कोल ट्रांसपोर्ट के लिए निविदा के साथ 178 करोड़ का वर्क ऑर्डर भी जारी कर दिया गया है। 1,136 किसानों की जमीन इस खदान में समाहित है। प्रबंधन ने कोल इंडिया पुनर्वास नीति 2012 के अनुरूप 321 खातेदारों को नियमित रोजगार दिया जाना तय किया है।

अपात्र घोषित किए जाने से 840 खातेदार नियमित रोजगार से वंचित हो गए हैं। भू-विस्थापित कामगार समिति मर्यादित सरईपाली ने हाई कोर्ट बिलासपुर में परिवाद दायर कर कहा है कि फंक्शनल डायरेक्टर्स के निर्णय के अनुरूप सरईपाली खदान में उत्पादित कोयले के कुल ठेका कार्य में से 20 फीसदी कार्य एसओआर रेट में नियमित रोजगार से वंचित होने वाले परिवारों को सहकारी समिति के माध्यम से आवंटित किया जाना चाहिए था। नियम विरुद्ध फंक्शनल डायरेक्टर्स के निर्णय को लागू नहीं किया गया और बड़ी कंपनी को ट्रांसपोर्टिंग का वर्क ऑर्डर जारी कर दिया गया है। हाई कोर्ट बिलासपुर ने याचिका स्वीकृत कर ली है। सरईपाली खदान विवादों में घिरा रहा है, जिसके कारण 18 साल बाद भी खदान नहीं खुल सकी है। अब हाई कोर्ट में मामला जाने के बाद परियोजना खटाई में पड़ सकती है।

दो एकड़ में नहीं, हर खातेदार को मिले नौकरी

कुसमुंडा प्रोजेक्ट का विस्तार कार्य चल रहा। 450 लाख टन से बढ़ा कर 600 लाख टन कोयला का वार्षिक उत्पादन आने वाले तीन साल के अंदर किया जाना है। इसके लिए पांच गांव जटराज, पाली, पड़निया, सोनपुरी व रिस्दी की करीब 1600 एकड़ जमीन अधिग्रहित किया जा चुका है। जटराज के ग्रामीणों को मुआवजा प्रदान किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि इन पांच गांव के करीब 12 सौ खातेदार हैं, पर नौकरी केवल 800 को ही दी जा रही। इससे लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई है। नए भूमि अधिग्रहण कानून का हवाला देते हुए भू-विस्थापितों ने केवल दो एकड़ की जगह सभी खातेदारों को नियमित नौकरी देने की मांग पर अड़ गए हैं।

लोक शिकायत में डीटी निगम की शिकायत

ऊर्जाधानी भू-विस्थापित किसान कल्याण समिति ने एसईसीएल के निदेशक तकनीक रविंद्र कुमार निगम के खिलाफनिदेशक लोक शिकायत को पत्र लिख कहा है कि फंक्शनल डायरेक्टर्स के निर्णय की अनदेखी कर कोल परिवहन का ठेका भू-विस्थापितों की जगह बड़ी कंपनियों को आवंटित कर दिया गया है। ऐसा लगता है कि अपने चहेते निजी कंपनी को फायदा पहुंचने के उद्देश्य से निदेशक ने निर्णय की अनदेखी की है। निगम ने चर्चा के दौरान निर्णय भूल जाने की बात समिति से भी कही है। ऐसे अधिकारी के खिलाफकानूनी कार्रवाई कर उनकी चल व अचल संपत्ति की जांच कराई जानी चाहिए।

पूर्व कलेक्टर पाठक पर एट्रोसिटी एक्ट की धारा भी दर्ज

■ बढ़ी मुश्किलें, पीड़िता ने पेश किया जाति प्रमाण पत्र

नवप्रदेश संवादाता

जांजगीर चाम्पा। आईएएस जनक प्रसाद पाठक के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट के तहत जुर्म दर्ज कर लिया गया है। बता दें पूर्व में आईएएस के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया जा चुका है। पीड़िता के जाति प्रमाण पत्र पेश करने करने के बाद धारा जोड़ी गई है। करीब दस दिन पहले एक महिला ने तत्कालीन कलेक्टर जेपी पाठक पर काम दिलाने के बहाने बुलाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत मिलते ही प्रदेश के प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। मामले में पुलिस ने जुर्म दर्ज कर लिया है। महिला का आरोप है कि वह तत्कालीन कलेक्टर जनक पाठक के पास समस्या लेकर गई थी। तब से उसकी पहचान हुई और बातचीत होने लगी। इस बीच कलेक्टर पाठक ने महिला को एनजीओ का काम दिलाने का झांसा दिया। महिला का आरोप है कि 15 मई को कलेक्टर ने कलेक्टोरेट में ही अपने चेंबर के रेस्ट रूम में उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। महिला का यह भी आरोप है कि इसके बाद से उसके साथ कई बार कलेक्टर ने शारीरिक संबंध बनाया। हर बार झांसा देते रहे कि जल्द ही उसे एनजीओ को काम मिल जाएगा, लेकिन, डेढ़ माह बाद भी महिला को काम नहीं मिला। कलेक्टर की इस हरकत के बाद महिला ने मामले की शिकायत आला अधिकारियों के माध्यम से राज्य शासन तक पहुंच गई। महिला ने साक्ष्य के तौर पर मैसेज, बातचीत की रिकार्डिंग और अश्लील तस्वीर भी प्रस्तुत की है। महिला की शिकायत के बाद मामले को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गंभीरता से लिया और मुख्य सचिव को संबंधित अधिकारी को निलंबित करने और उच्च स्तरीय दल से जांच कराने के निर्देश दिए हैं।पुलिस ने मामले में आइएएस जनक पाठक के खिलाफ धारा 376, 509 ख और 506 के तहत अपराध दर्ज कर लिया था। जाति प्रमाण पत्र पेश करने के बाद एट्रोसिटी एक्ट के तहत भी जुर्म दर्ज कर लिया गया है।

एक स्थाई वारंटी गिरफ्तार

बीजापुर नवप्रदेश। जिला बीजापुर अन्तर्गत चलाये जा रहे माओवादी उन्मूलन अभियान के तहत् थाना उसूर से जिला बल एवं केरिपु 229/एफसमवाय का संयुक्त माओवादी अभियान के तहत् ग्राम टेकमेटला, लिंगापुर की ओर रवाना हुई थी। टेकमेटला एवं लिंगापुर के मध्य जंगल में एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस पार्टी को देखकर छुपने एवं भागने का प्रयास कर रहा था। पुलिस पार्टी द्वारा घेराबंदी कर संदिग्ध को अभिरक्षा में लेकर पुछताछ किया गया। पुछताछ पर अपना नाम परस्के ऐका पिता बाला जाति दोरला उम्र 47 वर्ष साकिन लिंगापुर थाना उसूर जिला बीजापुर को होना बताया। जिसके नाम से थाना बासागुड़ा में अपराध क्रमांक 11/98 धारा 147, 148, 149, 364, 506बी, भादवि 25, 27 आर्म्स एक्ट के प्रकरण में सत्र न्यायालय जगदलपुर का 01 स्थाई वारंट लंबित होना पाया गया। उक्त फरार स्थाई वारंटी की लम्बे समय से तलाश थी। उसूर में विधिवत कार्यवाही उपरान्त माननीय चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश, न्यायालय जगदलपुर में पेश किया गया।

सात माह बाद भी नहीं सुलझी युवक की हत्या की गुत्थी!

पुलिस जांच में बरत रही कोताही

नव प्रदेश संवाददाता

गंडई पंडरिया। छुईखदान विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सूरदाबारी मे युवक की मौत का कारण राज बना हुआ है सात माह बाद भी यह गुत्थी सुलझ नहीं पाई है। मौत की जांच हेतु छुईखदान थाना मे रिपोर्ट दर्ज कराई गई है लेकिन पुलिस जांच मे कोताही बरत रही है और गोल मोल जवाब दिया जा रहा है। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाने लगा है ।

उल्लेखनीय है कि गत 11 नवंबर 2019 को ग्राम सूराडबरी निवासी शांतिलाल लोधी पिता शत्रुहन लोधी उम्र 20 वर्ष कि मौत हुई थी। युवक का शव उसके नए मकान में रस्सी से फांसी पर लटकती मिली थी। मौत के कारण का खुलासा नहीं होने से पुलिस को लेकर लोगों में निराशा देखी जा रही है। जानकारी के अनुसार मृतक शांतिलाल अपने परिवार से लगभग 100 मीटर की दूरी पर स्थित नए मकान में प्रतिदिन सोने जाता था घटना के दिन भी वह सोने के लिए नए मकान में गया था। रोज की तरह मृतक की भाभी उसे उठाने गई तो युवक की लाश को छत से लटकते देखा। उसके पैर जमीन से स्पर्श कर रहे थे मृतक के कमरे में नींबू बंदन आदि पाया गया था। परंतु ग्रामीणों को संदेह है कि जादू-टोना के लिए शांतिलाल की बलि दिया गया है।

पिता ने की जांच की मांग

मृतक के पिता शत्रुहन लोधी ने घटना को पुलिस से जांच कर त्वरित कार्रवाई की मांग की है उन्होंने कहा कि संबंध में पुलिस को ज्ञापन सौंपा है।

बाहर से बंद था कमरे की कुंडी

जानकारी के मुताबिक मृतक का कमरा बाहर से बंद था जिसे खोल कर उसकी भाभी ने अंदर प्रवेश किया था। फांसी पर लटकने के लिए टेबल कुर्सी आदि का प्रयोग किया जाता है पर वह भी मौके पर नहीं पाया गया लाश जमीन पर टिकी हुई थी छत की ऊंचाई लगभग 11 फीट है। जानकारी के अनुसार गांव के ही निवासी में से किसी व्यक्ति ने 12 नग नींबू खरीदा था मृतक के कक्ष से विमल पान राज गुटका का पाउच भी मिला था मौके से दिखा जाना इस बात को इंगित करता है कि जादू टोना के लिए नौजवान को मौत के घाट उतारा गया है।

कक्ष में महिला के चप्पल के निशान

जानकारी के मुताबिक शांतिलाल जिस कमरे में मृत अवस्था में मिला था वहां किसी महिला के चप्पल निशान पाए गए थे सवाल यह है कि वह महिला कौन थी और अकेले पुरुष के कमरे में क्यों गई थी ?

ग्राम सुराडबरी के घटना समय पर्यंत रहे सरपंच राकेश जंघेल ने कहा की इस घटना की जांच ठीक ढंग से हो जंघेल का यह भी कथन है की यह आत्म हत्या नहीं है इसे किसी संदेहप्रद व्यक्ति ने घटना को अंजाम दिया है। छुईखदान थाना के मुंसी आशुतोष सिंह राजपूत ने बताया की परिजनो की शिकायत के आधार पर शंका की जा रही युवक का बयान लिया जा रहा है और सही पाये जाने पर उचित कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव को लिखा पत्र

पिता शत्रुहन लोधी ने पुलिस अधिक्षक राजनंदगांव को पत्र लिखा। पत्र में साफजाहिर करते हुए लिखा है कि शांतिलाल की मृत्यु दिनांक 11 नवंबर 2019 को फांसी पर लटका हुआ पाया गया था। आवेदक के पुत्र एक सीधा साधा एवं व्यवहारिक लड़का था उसे किसी भी प्रकार से कोई परेशानी नहीं थी। इससे यह कहा जाए कि वह आत्महत्या नहीं किया है मुझे पूर्ण विश्वास है कि उसकी हत्या कर घटना की स्वरूप को बदलने के लिए उसे फांसी पर लटका दिया गया है। कुछ दिनों बाद गांव में यह चर्चा होने लगा कि ढालसिंह के पास से नीलकंठ नामक व्यक्ति कुछ नीबू ले गए थे और यह कह कर ले गए थे कि वह खेत - बाड़ी में फूंक- झाड़ करना व जादू टोना करना है और इतनी भी नहीं बल्कि घटना दिनांक की रात को ले गया था और घटना के पास फांसी पर लटके स्थान पर नींबू पाया गया। और ग्राम के ही तथाकथित व्यक्तियों ने भी न बताने की शर्त पर उस व्यक्ति पर शंका जाहीर करते हुये बताया की घटना दिनांक को घटना स्थल पर वही नीबू पाया गया है जो की उक्त के हाथो ले जाया गया था। इससे यह प्रतीत होता है कि नीलकंठ एवं उसके सहयोगी भोला एवं उसकी माता कुलेश्वरी एवं खेमलाल वह लोग ही जादू टोना कर हत्या कर उसे फांसी पर लटका दिया गया है और यह सभी लोग अपने मोबाइल नंबर को बंद कर दिए हैं इस ओर भी शंका हो रही है। इसकी मोबाइल कॉल डिटेल निकालने पर इस मामले का खुलासा हो सकता है पर्यंत पुलिस थाना छुईखदान के द्वारा मामले को जांच अच्छे ढंग से नहीं किया जा रहा है। इस कारण जांच करने हेतु यह आवेदन पत्र पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।मृतक के परिजनो ने घटना की उचित जांच की मांग की है।

रक्तदान करना जीवन रक्षा और पुण्य का काम : भूपेश बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने विश्व रक्त दान दिवस 14 जून के अवसर पर लोगों से रक्त दान करने की अपील की है। श्री बघेल ने कहा है हर साल विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित पूरी दुनिया द्वारा रक्तदान को बढ़ावा देने और रक्तदान के प्रति भ्रांतियों को दूर कर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 14 जून को विश्व रक्त दान दिवस मनाया जाता है। श्री बघेल ने कहा कि विश्व रक्तदान दिवस 2020 की थीम 'सेव ब्लड सेव लाइव्स' है। आज भी कई देशों में आकस्मिक परिस्थितियों में लोगों को सरलता से रक्त उपलब्ध नही हो पाता है। सभी प्रकार की आपात स्थितियों, बीमारी, दुर्घटना सहित प्रसव मामलों में जीवन रक्षा के लिए रक्त की जरूरत होती है। श्री बघेल ने कहा कि रक्तदान महादान के महत्व को जन-जन समझें। रक्त देने में किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं होता। रक्त देना जीवन रक्षा और पुण्य का काम हैं।

बिरगांव, दुर्गा नगर में मिला कोरोना पॉजिटिव

रायपुर। भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी गाईडलाईन अनुसार जिला रायपुर में नगर पालिक निगम बिरगांव अंतर्गत वार्ड क्रमांक-35,दुर्गा नगर थाना उरला में नया कोरोना पॉजिटिव केस पाये जाने के फ्लस्वरुप उक्त क्षेत्र को कन्टेनमेंट जोन घोषित किया गया है। अपर कलेक्टर ने उत्तर- पूर्व में दुर्गा स्वीट्स वैभव किराना के पास वाली सड़क, उत्तर-पश्चिम में राम हेयर सैलून के पास दुर्गा नगर प्रवेश द्वार वाली सड़क,पूर्व-दक्षिण में मेश्राम पंडित के घर के पास वाली सड़क और दक्षिण-पश्चिम में हेमू फैंसी स्टोर के पास वाली सड़क को कंटेनमेंट जोन घोषित किया है।

ज्योत्सना महंत ने हसदेव नदी के मुख्य जल ग्रहण क्षेत्र को लेमरू हाथी अभ्यारण्य में शामिल किये जाने उठाई मांग

राहुल गांधी ने वर्ष 2015 में कोरबा जिले के ग्राम मदनपुर, कुदमुरा दौरे पर आदिवादियों के विस्थापन नही होने का दिलाया था भरोसा, पत्र लिखकर संज्ञान में लेने की गुजारिश

प्रदेश में एक गर्भवती हथिनी समेत पिछले तीन दिनों में तीन हाथियों की मौत पर जताई चिंता

कोरबा। कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने छत्तीसगढ़ में बन रहे लेमरू हाथी अभ्यारण्य में हसदेव नदी के मुख्य जल ग्रहण क्षेत्र को शामिल करने की मांग उठाई है। सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने इस संबंध में चिंता जताई कि, मोदी सरकार बड़े पैमाने पर कोल ब्लॉक की नीलामी करने जा रही हैं और राज्य सरकार से कोई परामर्श भी नही है जो संघीय ढांचे पर हमला है। इस नीलामी में हसदेव अभरण्य के भी 5 कोल ब्लॉक शामिल है, जो घने वन क्षेत्र वाले हैं। श्रीमती महंत ने कहा कि वर्ष 2015 में कांग्रेस राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरबा जिले के ग्राम मदनपुर, कुदमुरा, पहुचकर आदिवादियो के साथ चौपल लगाकर चर्चा की थी। राहुल जी के निर्देश पर कांग्रेस पार्टी ने इस पूरे वन क्षेत्र में प्रस्तावित कोल खनन परियोजनाओं को सतत एवम स्थायी विकास के विपरीत मानकर आदिवासियों को यह भरोसा दिलाया था कि उनका विस्थापन नही होगा। और इसी लिए इस क्षेत्र को लेमरू हाथी रिजर्व में शामिल कर इसे संरक्षित किया जाएगा।

सांसद ने कहा कि छत्तीसगढ सरकार द्वारा अपना वादा निभाते हुए लेमरू हाथी अभ्यारण बनाने के प्रस्ताव पर केबिनेट में मंजूरी दी गई हैं। क्षेत्र चयन में किन्हीं कारणों से कोल ब्लॉक वाले सबसे समृद्ध वन क्षेत्र ग्राम मदनपुर एंव कुदमुरा परियोजना में शामिल होने से शेष रह गया है। हसदेव नदी पर स्थित बांगो बांध जो कि जांजगीर और रायगढ़ जिले को सिंचित करता हैं, उसका जल ग्रहण क्षेत्र भी प्रस्तावित रिजर्व में शामिल नही हैं, यदि इस क्षेत्र में कोल खनन शुरू हुआ तो बांध का जल ग्रहण क्षमता पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा। ज्ञात हो कि यह क्षेत्र समृद्ध जैव विविधता वाला भी हैं जिसे बचाया जाना आवश्यक हैं।

सांसद ज्योत्सना महंत ने तत्काल इस मामले कों संज्ञान में लेते हुए कहा कि कोरबा क्षेत्र के आदिवासियों एवं वन्य क्षेत्र तथा वन्य जीवां को संरक्षित करने की नितांत आवश्यकता हैं, जिससे इस सम्पूर्ण हसदेव अभरण्य क्षेत्र को बचाया जा सके।

एसडीओ ने अपने चहेते ठेकेदार को बिना बोर के ही कर दिया भुगतान

विधायक से ज्यादा पॉवर ठेकेदार नये एसडीओ को हटा पुराने को फिर दिला दिया प्रभार, -विधायक मद के 30 नलकूप का बिना खनन हुआ भुगतान

नव प्रदेश संवाददाता

बैकुंठपुर। कोरिया जिला अंतर्गत आने वाले पाचो विकासखंड अंतर्गत कई ऐसे गावं है जो पेयजल की समस्या से जूझ रहे है। ग्राम पंचायतों में हैण्डपम्प खराब पड़े है कहीं तो बोर से पानी भी नहीं मिल रहा है। वहीं विधायक निधी व जिला खनिज न्यास से स्वीकृत 70 बोर सिर्फ कागजों में रह गये है। विधायक निधी के स्वीकृति 30 बोर का पैसा ठेकेदार लेकर मौज ऊठा रहे और गावं में लोग पीने के पानी के लिये तरस रहे है।

जल संसाधन विभाग अंतर्गत आने वाले बी आर लाईट मशीनरी व गेट्स सुधार विभाग के प्रभारी एसडीओ भूषण खलखो ने बिना बोर कराये अपने चाहते ठेकेदार को लाखों रुपये का भुगतान भी कर दिया ,जब इन एस डी ओ को हटाया गया तो इसका खुलासा हुआ जिसके बाद स्थानीय विधायक ने नए एस डी ओ को जॉच कर पुराने कार्यो की सूची जाच कर देने का निर्देश दिया जिससे संबंधित ठेकेदार से नए एसडीओ की तनातनी भी हो गई जिससे ठेकेदार ने हटाने की धमकी भी दे दी यही कारण है की नए प्रभारी एसडीओ को प्रभार से हटवाया व संबंधित ठेकेदार ने रायपुर के दौड़ लगाकर फिर पुराने एसडीओ को प्रभार दिला दिया ताकि पूर्व कार्यो की जाच न हो साथ ही पूरा कार्य भी इन्ही को मिले पर स्थानीय विधायक बैकुण्ठपुर ने प्रभारी इंजीनियर एसडीओ को पुराने एसडीओ को प्रभार देने से मना कर दिया जिसके बाद मामला बहुत तेजी से तूल पकड़ने लगा है। जब कि संभाग स्तर के अधिकारी ने भी नए एसडीओ को इसी ठेकेदार से कार्य कराने का मौखिक निर्देश कार्यपालन अभियंता को दिया था जिससे अब यह मामला जिले में सुर्खियों का विषय बना हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार बैकुण्ठपुर विधानसभा के अंतर्गत विधायक निधि व डीएम फंड से गांव-गाव में हैंड पंप लगाने थे जिसके लिए विधायक ने अपनी निधि से पहले 30 हैंड पंप लगाने के लिए संबंधित विभाग को पैसा दे दिया उसके बाद फिर 40 हैंड पंप लोगों की मांग पर लगाने के लिए फिर विभाग को पैसा दिया, पहले 30 बोर हुए नहीं और उसका भुगतान होने की जानकारी तब हुई जब 40 हैंड पंप के जारी लिस्ट के आधार पर ठेकेदार ने पहले वाले बोर को छोड़ दूसरे स्वीकृत बोर को खोदना शुरू कर दिया, पता चला कि पहले ठेकेदार ने बिना बोर किए 30 बोर का एसडीओ भूषण खलखो की मदद से 45 लाख 30 हजार का भुगतान करा लिया वही दोबारा स्वीकृत 40 बोर के लिस्ट को लेकर बोर करने लगा जिसमें उसने 15 बोर कर भी दिए लिस्ट मिलाने पर पता चला कि पहले के बोर तो हुए ही नहीं और जो बोर किया गया उसमें भी ठेकेदार ने जीआई पाइप व केसिंग घटिया स्तर कर लगाया ।यही हॉल जिले के पाचो विकास खंड में हुए नलकूप खनन का हैं ।

विधायक से ज्यादा पॉवर ठेकेदार का

विधायक के निज सचिव भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि इसमें विधायक की तरफ से कोई गलती नहीं है विधायक को जैसे ही पता चला उसे तत्काल उस एसडीओं को प्रभार से हटा दिया और वहीं स्वीकृत 40 नये बोर का पैसा रोक दिया। जिसके बाद बौखलाये ठेकेदार रायपुर के दौड़ लगाने लगे और रायपुर से उस एसडीओं को दुबारा पदभार दे दिया गया और बैकुण्ठपुर के प्रभारी एसडीओं के पद पर विधायक द्वारा नियुक्त इंजिनियर को चार्ज दुबारा भूषण खलखो को देने को कहा गया। जिस पर विधायक ने इंजिनियर को चार्ज देने से मना कर दिया और इंजिनियर को कहा गया कि जब तक हमारी स्वीकृति न हो चार्ज एसडीओ भूषण खलखो को न देवे।

ठेकेदार को करने होंगे 70 बोर

स्थानीय विधायक अंबिका सिंहदेव ने कहा कि सम्बन्धित ठेकेदार को बोर करने होंगे ठेकेदार यह न समझे कि पैसा मिल गया है तो बिना बोर किये निकल जायेंगे। यदि ठेकेदार पूरे 70 बोर नहीं करेगा तो उसके ऊपर कानूनी कार्यवाही करायी जायेगी और उसे पूरे 70 बोर पूरे गुणवत्ता के साथ करना होगा। गुणवत्ता में कोई खामिंया हुई तो भी कार्यवाही होगी।

ग्राम पंचायत में पानी की समस्या

जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर के अंतर्गत 88 ग्राम पंचायत है जिसमें कई ग्राम पंचायतों में पेयजल की गंभीर समस्या है लोग बोर को लेकर विधायक व पंचायत प्रतिनिधीयों से गुहार लगा रहे है। ग्राम पंचायत कटकोना, पूटा, मुरमा, छिन्दिया, तेन्दुआ, सोरगा, बरदिया, महोरा, पिपरा, खोंड, खांड़ा, डकईपारा सहित कई ग्राम पंचायतों में पानी की समस्या है और गावं वाले बोरिंग का इंतजार कर रहे है पर स्वीकृत हुये बोर का लाभ लोगों को नहीं मिल रहा है क्योंकि ठेकेदार पैसे लेकर बोर नहीं कर रहा है।